पायनियर

Established 1865

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

Follw us on:
www.dailypioneer.com
@thedailypioneer
dailypioneer
dailypioneer

RNI No. DELHIN/2012/48369 | वर्ष-14 | अंक-16 | नई दिल्ली, मंगलवार, 18 नवंबर 2025 | पृष्ठ-12, मूल्य 6 रुपये | (नगर संस्करण)

पूर्व पीएम शेख हसीना को मौत की सजा

अपदस्थ पीएम को ट्रिब्यूनल ने ठहराया मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले वर्ष जुलाई में उनकी सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के दौरान किए गए मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए सोमवार को एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई। महीनों तक चले मुकदमे के बाद अपने फैसले में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने 78 वर्षीय अवामी लीग नेता को हिंसक दमन का मास्टरमाइंड और प्रमुख सूत्रधार बताया, जिसमें सैकड़ों प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी।

> **अवामी** लीग नेता को हिंसक दमन का मास्टरमाइंड और प्रमुख सूत्रधार बताया

पिछले वर्ष पांच अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण बांग्लादेश से भागने के बाद से हसीना भारत में रह रही हैं।

इससे पहले अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था। अपनी प्रतिक्रिया में हसीना ने कहा कि यह फैसला एक गैरअधिकृत न्यायाधिकरण द्वारा दिया गया है, जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है। उन्होंने एक बयान में कहा, वे पक्षपाती और राजनीति से प्रेरित हैं।

हसीना का पार्टी खत्म करने का आरोप

अपनी प्रतिक्रिया में हसीना ने कहा कि यह फैसला एक गैरअधिकृत न्यायाधिकरण द्वारा दिया गया है, जिसकी स्थापना और अध्यक्षता एक अनिर्वाचित सरकार द्वारा की गई है, जिसके पास कोई लोकतांत्रिक जनादेश नहीं है। मृत्युदंड की अपनी घृणित मांग में, वे अंतरिम सरकार के भीतर चरमपंथी लोगों के निर्लज्ज और जानलेवा इरादे को उजागर करते हैं, जो बांग्लादेश की अंतिम निर्वाचित प्रधानमंत्री को हटाना चाहते हैं और अवामी लीग को एक राजनीतिक ताकत के रूप में खत्म करना चाहते हैं। हसीना ने कहा कि वह उनपर आरोप लगाने वालों का सामना उचित न्यायाधिकरण में करने से नहीं डरतीं, जहां साक्ष्यों का निष्पक्ष मूल्यांकन और परीक्षण किया जा सकता है।

बांग्लादेश के लोगों के हितों के लिए भारत प्रतिबद्ध

एजेंसी। नई दिल्ली

बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधिकरण द्वारा अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटों बाद, भारत ने सोमवार को कहा कि उसने फैसले पर गौर किया है और वह पड़ोसी देश में शांति, लोकतंत्र और स्थिरता को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक रूप से बातचीत करेगा।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत लोगों के सर्वोत्तम हितों के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय ने ये प्रतिक्रिया बांग्लादेश की तरफ से आए उस बयान के बाद दी जिसमें पड़ोसी देश ने कहा है कि शेख हसीना को सुनाई गई सजा के बाद उन्हें तत्काल प्रत्यर्पित करना भारत का अनिवार्य कर्तव्य है।

> **शेख** हसीना को तुरंत वापस भेजे भारत : बांग्लादेश

हसीना को देश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) द्वारा मानवता के विरुद्ध अपराध का दोषी पाया गया तथा मौत की सजा सुनाई गई। अवामी लीग की नेता पिछले साल पांच अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के कारण बांग्लादेश से भागने के बाद भारत में रह रही हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के संबंध में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा सुनाए गए फैसले पर गौर किया है। उसने कहा, एक करीबी पड़ोसी के रूप में भारत बांग्लादेश के लोगों के सर्वोत्तम हितों के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें उस देश में शांति, लोकतंत्र, समावेशिता और स्थिरता शामिल है। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम इस दिशा में सभी हितधारकों के साथ सदैव रचनात्मक रूप से जुड़े रहेंगे।

सार संक्षेप

असम दौरे पर गुवाहाटी पहुंचे संघ प्रमुख भागवत

गुवाहाटी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत असम के तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार को गुवाहाटी पहुंचे। संगठन की पूर्वोत्तर इकाई के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। भागवत यहां लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद गुवाहाटी स्थित आरएसएस के राज्य मुख्यालय के लिए रवाना हो गए। वहां उनका संगठन के सदस्यों के साथ विचार-विमर्श करने का कार्यक्रम है। आरएसएस प्रवक्ता ने बताया कि मंगलवार को भागवत एक नागरिक सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें प्रमुख साहित्यकार, संपादक और उद्योगपति हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि भागवत बुधवार को एक युवा सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के लोग शामिल होंगे। प्रवक्ता के मुताबिक, भागवत 20 नवंबर को मणिपुर के लिए रवाना होंगे।

भारत-ब्रिटेन का संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

जयपुर। भारत और ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य अभ्यास अजेय वॉरियर का आठवां संस्करण सोमवार को राजस्थान स्थित महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ। यह जानकारी सैन्य प्रवक्ता ने दी। , यह 14 दिवसीय द्विपक्षीय अभ्यास 30 नवंबर तक जारी रहेगा। बयान में बताया गया कि अभ्यास में दोनों देशों की सेनाओं के 240 सैनिक भाग ले रहे हैं। भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व सिख रेजीमेंट के सैनिक कर रहे हैं। बयान के अनुसार संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में आयोजित यह सैन्य अभ्यास मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में आतंकवाद-रोधी अभियानों पर केंद्रित है। दो सप्ताह के प्रशिक्षण में ब्रिगेड स्तर पर संयुक्त मिशन योजना, एकीकृत सामरिक अभ्यास और वास्तविक परिस्थितियों का अनुकरण करने वाले कंपनी-स्तरीय फील्ड प्रशिक्षण शामिल होंगे।

तीन दिवसीय यात्रा पर रूस पहुंचे विदेश मंत्री

मॉस्को। विदेश मंत्री एस जयशंकर सोमवार को तीन दिवसीय यात्रा पर रूस पहुंचे, जहां वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की राष्ट्राध्यक्ष परिषद की बैठक में हिस्सा लेंगे। रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार और रूसी विदेश मंत्रालय के द्वितीय एशिया विभाग के निदेशक एलेक्सी पावलोवस्की ने हवाई अड्डे पर जयशंकर का स्वागत किया। जयशंकर सोमवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात करेंगे और इस दौरान दोनों नेताओं के विभिन्न द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने की संभावना है, जिसमें एससीओ, ब्रिक्स, संयुक्त राष्ट्र तथा जी-20 के भीतर सहयोग का मुद्दा भी शामिल है।

सऊदी में बस दुर्घटना में 45 भारतीयों की मौत

डीजल टैंकर से टकराई मक्का से मदीना उमरा के लिए जा रही बस

एजेंसी। हैदराबाद/जेद्दा

सऊदी अरब के मदीना में एक बस के तेल टैंकर से टकरा जाने के बाद कम से कम 45 भारतीय उमराह जायरीन की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतकों में से अधिकतर तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के जायरीन थे जो उमराह करने गए थे। हज के वक्त के अलावा मक्का-मदीना की साल भर होने वाली धार्मिक यात्रा को उमराह कहा जाता है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने प्रारंभिक सूचना का हवाला देते हुए मृतक संख्या 45 बताई और कहा कि नौ नवंबर को यहां से कुल 54 लोग उमराह के लिए जेद्दा गए थे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री क्रमशः रेवंत रेड्डी और एन चंद्रबाबू नायडू ने इस घटना में लोगों के मारे जाने पर शोक जताया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और कांग्रेस पार्टी ने इस घटना को लेकर गहरा दुख जताया है। बस देर रात करीब डेढ़ बजे (भारतीय समयानुसार) कथित रूप से तेल के एक टैंकर से टकरा गई थी।

> **मृतकों** में से अधिकतर तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के जायरीन

54 लोग उमराह के लिए गए थे जेद्दा

दुर्घटना में केवल एक व्यक्ति जीवित बचा

हैदराबाद में पत्रकारों को संबोधित करते हुए सज्जनार ने कहा कि नौ नवंबर को यहां से 54 लोग उमराह के लिए जेद्दा गए थे। उन्हें 23 नवंबर को लौटना था। इन 54 लोगों में से चार लोग रविवार को अलग-अलग कार से मदीना गए जबकि चार अन्य मक्का में ही रुक गए। अधिकारी के अनुसार, घटना में शामिल बस में 46 लोग यात्रा कर रहे थे, जो मदीना से लगभग 25 किलोमीटर दूर एक तेल टैंकर से टकरा गई। इस दुर्घटना में केवल एक व्यक्ति जीवित बचा है और उसका अस्पताल में इलाज हो रहा है। उन्होंने कहा, हमें सूचना मिल रही है कि 45 लोग मारे गए हैं। उन्हें 23 नवंबर को हैदराबाद लौटना था। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि सऊदी अरब के मदीना के पास हुए इस सड़क हादसे से उन्हें गहरा दुख हुआ है।

पीएम समेत कई नेताओं ने व्यक्त किया शोक

प्रधानमंत्री मोदी ने घटना पर शोक जताया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मदीना में भारतीय नागरिकों के साथ हुई दुर्घटना से बेहद दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। उन्होंने कहा, मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि रियाद स्थित भारतीय दूतावास और जेद्दा स्थित वाणिज्य दूतावास हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं और अधिकारी सऊदी अरब के अधिकारियों के साथ भी निकट संपर्क में हैं। टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित घटना के दृश्य में बस से भीषण आग की लपटें उठती दिख रही हैं और हवा में धुएं का घना बादल नजर आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने घटना को लेकर शोक जताया।

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी की पाकिस्तान को चेतावनी

हमारे लिए आतंकी और उसके आका एक समान

एजेंसी। नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत आतंकवादियों और उनके समर्थकों के प्रति समान दृष्टिकोण रखता रहेगा और आतंकवाद का कड़ा जवाब देगा। सेना प्रमुख ने एक संवाद सत्र में यह भी कहा कि दोनों देशों के नेतृत्व के बीच बातचीत के बाद पिछले एक साल में चीन के साथ भारत के संबंधों में सुधार हुआ है। पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर, जनरल द्विवेदी ने कहा कि नयी दिल्ली पाकिस्तान से निपटने में नई सामान्य स्थिति की नीति अपना रही है और अगर पड़ोसी देश भारत को निशाना बनाने वाले आतंकवादी समूहों का समर्थन करना जारी रखता है तो यह उसके लिए एक चुनौती होगी। भारत प्रगति और समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करता है। अगर कोई हमारे रास्ते में बाधा डालता है, तो हमें उसके खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। सेना प्रमुख ने कहा, हमने कहा है कि बातचीत और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते; खून और पानी साथ-साथ नहीं चल सकते। हम शांतिपूर्ण प्रक्रिया के पक्ष में हैं, जिसमें हम सहयोग करेंगे। तब तक, हम आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के साथ एक जैसा व्यवहार करेंगे।

> **पाक** से निपटने में नई सामान्य स्थिति की नीति अपना रहा भारत

निर्वाचन आयोग ने दिया 'विशेष पुनरीक्षण' का आदेश

असम में भी होगा एसआईआर

एजेंसी। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने असम में मतदाता सूची के 'विशेष पुनरीक्षण' का सोमवार को आदेश दिया और अंतिम मतदाता सूची 10 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के लिए आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, एक जनवरी, 2026 राज्य के लिए विशेष पुनरीक्षण करने की पात्रता तिथि होगी। अधिकारियों के अनुसार, विशेष पुनरीक्षण, मतदाता सूचियों के वार्षिक विशेष सारांश पुनरीक्षण और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच की प्रक्रिया है। एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया, यह एक तरह से विशेष सारांश पुनरीक्षण का उन्नत रूप है। इसमें गणना फॉर्म भरवाने की बजाय, बूथ-स्तर के अधिकारी पहले से भरे हुए रजिस्टर के आधार पर मतदाताओं की जानकारी की जांच करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार, घर-घर जाकर सत्यापन 22 नवंबर से 20 दिसंबर तक होगा। एकीकृत मसौदा मतदाता सूची 27 दिसंबर को और अंतिम मतदाता सूची अगले वर्ष 10 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी।

> **22 नवंबर से 20** दिसंबर तक होगा घर-घर जाकर सत्यापन

आजम व बेटे अब्दुल्ला को 7-7 साल की सजा

एजेंसी। रामपुर (उप्र)

रामपुर की एक स्थानीय अदालत ने सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को चुनाव लड़ने के लिए जाली पैन कार्ड बनवाने के मामले में दोषी करार देते हुए 7-7 साल कैद की सजा सुनाई। अभियोजन अधिकारी के अनुसार, विशेष सांसद-विधायक अदालत के न्यायाधीश शोभित बंसवाल ने दोनों को दोषी ठहराते हुए सात-सात साल कैद और 50-50 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है।

> **जाली** पैन कार्ड मामले में अदालत ने दोषी ठहराया

आजम के इशारे पर बने 2 पैन कार्ड

अदालत ने माना कि अब्दुल्ला ने अपने पिता के साथ मिलकर साजिश रचते हुए जाली पैन कार्ड प्राप्त किया और उसे आधिकारिक रिकॉर्ड में जमा किया। मौर्य ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष इस फैसले की समीक्षा करेगा और यदि आवश्यकता महसूस हुई तो सजा बढ़ाने के लिए अपील दायर करने पर विचार किया जाएगा।

सीएम नीतीश कुमार 19 नवंबर को राज्यपाल को सौंपेंगे इस्तीफा

20 नवंबर को बिहार में नई सरकार का शपथ ग्रहण

एजेंसी। पटना

बिहार में नयी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 20 नवंबर को पटना में होने की संभावना है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई शीर्ष नेता और केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह के लिए पटना के गांधी मैदान में तैयारियां जारी हैं।

> **शपथ** ग्रहण समारोह के लिए पटना का गांधी मैदान हो रहा तैयार

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 19 नवंबर को निवर्तमान सरकार के प्रमुख के रूप में राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि नवनिर्वाचित विधायक मंगलवार को बैठक कर अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करेंगे। उन्होंने कहा, संभावना है कि नयी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 20 या 21 नवंबर को होगा। इस बीच, निवर्तमान राजग सरकार की अंतिम कैबिनेट बैठक में सोमवार को मंत्रिपरिषद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विधानसभा भंग करने की अनुशंसा करने को अधिकृत किया। राज्य के संसदीय कार्य मंत्री एवं जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी ने बताया कि बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत के साथ राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात कर कैबिनेट के निर्णय से उन्हें अवगत कराया। विजय चौधरी ने कहा, कैबिनेट ने नयी सरकार के गठन के मद्देनजर 19 नवंबर को विधानसभा भंग करने की अनुशंसा करने का प्रस्ताव पारित किया। उन्होंने यह भी बताया कि कैबिनेट ने राजग की ऐतिहासिक जीत के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देने का प्रस्ताव पारित किया। चौधरी ने कहा, यह नीतीश कुमार के नेतृत्व में गठबंधन का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है जो राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों के कारण संभव हुआ है। हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों में 243 सदस्यीय सदन में राजग ने 200 से अधिक सीट पर जीत दर्ज की है, जिनमें भाजपा ने सर्वाधिक 89 सीट जीतीं और जनता दल (यूनाइटेड) को 85 सीट मिलीं। जद(यू) के एक सूत्र ने बताया कि पार्टी 19 नवंबर को नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुनेगी।

आरजेडी विधायक दल के नेता बने तेजस्वी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नवनिर्वाचित विधायकों ने सोमवार को सर्वसम्मति से तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुन लिया। विधानसभा चुनाव में राजद 143 सीट पर मैदान में थी लेकिन 25 सीट पर ही जीत दर्ज कर पाई। राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह ने बताया, ₹नवनिर्वाचित विधायकों ने सर्वसम्मति से तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुना।₹ बैठक में पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, मीसा भारती और जगदानंद सिंह सहित पार्टी के शीर्ष नेता मौजूद थे। हाल में संपन्न हुए चुनावों में महागठबंधन की ओर से तेजस्वी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार थे। उन्होंने शीर्ष नेताओं और विधायकों के साथ चुनाव में अप्रत्याशित हार के कारणों की विस्तृत समीक्षा की।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 18 नवंबर 2025

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलाः दर्शकों को विदेशी से ज्यादा पसंद आ रहे भारत के देसी उत्पाद

■ कई अन्य देशों के कपड़ों के स्टॉल भी लगे ट्रेड फेयर में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अपनाने की अपील का असर इस बार अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में भी दिखाई दे रहा है। मेले में इस वर्ष भारतीय उत्पादों की लोकप्रियता पहले से कहीं अधिक देखने को मिल रही है। इसी का असर है कि सरस आजीविका मिशन के तहत छोटे-छोटे स्टार्टअप या ग्रामीण स्तर पर काम शुरू करने वाली महिलाओं के पंडाल में सबसे ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। दो हॉल में सजे सरस मेले में पूरा भारत समाया हुआ है, इसमें देश के प्रत्येक राज्य के उत्पाद मौजूद हैं।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में यूं तो भारत के अलावा 12 अन्य देशों के भी स्टॉल मौजूद हैं। थाईलैंड, मलेशिया, स्वीडन, यूएई, तुर्किए, चीन, ईरान, साउथ कोरिया, इजिप्ट, लेबनान, ट्यूनिशिया के स्टॉल पर कपड़ों से लेकर सजावटी लैंप, लेडीज सूट, ड्राइफ्रूट्स और घर की सजावट के लिए विभिन्न उत्पाद मौजूद हैं। इन देशों की नामचीन कंपनियों के इन उत्पादों को बिहार की टसर सिल्क, मधुबनी पेंटिंग, आंध्र प्रदेश की सिल्क की साड़ियां और कुर्ती, छत्तीसगढ़ के बस्तर की लकड़ी पर हाथ से तराशी गई भगवान की मूर्तियां और सजावटी सामान, केरल, असम, कश्मीर के पारंपरिक परिधान न केवल टक्कर दे रहे हैं, बल्कि लोगों को ये स्वदेशी उत्पाद ज्यादा पसंद आ रहे हैं। कश्मीर के ऊनी वस्त्र, बनारसी साड़ियां, राजस्थान के ब्लू पॉटरी उत्पाद, उत्तर-पूर्वी राज्यों के बांस व बेंत से बने सामान ग्राहकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहे हैं। व्यापार मेले में आए कई विदेशी पर्यटकों ने भी भारतीय कला और संस्कृति को दशार्ने वाले उत्पाद खरीदने में दिलचस्पी दिखाई। उनका कहना है कि भारतीय उत्पादों में गुणवत्ता के साथ-साथ ह्यहैंडमेडह्ल का एक भावनात्मक मूल्य भी जुड़ा होता है, जो उन्हें खास बनाता है। बाजार में मिलने वाले मिलावटी उत्पादों से परेशान लोग मेले में रसायनमुक्त यानी आर्गेनिक उत्पाद को तलाश रहे हैं। बिहार पवेलियन जैविक खेती (ऑर्गैनिक फार्मिंग) के माध्यम से चावल का उत्पादन और विक्रय करने वाली एक कंपनी के स्टॉल पर ग्राहक ज्यादा उमड़ रहे हैं। इस स्टॉल पर सात प्रकार के चावल हैं, जिनकी कीमत 40 रुपये किलो से 70 रुपये किलो तक है। इनमें मनसूरी चावल, सोनम स्टीम चावल और कतरनी व्हाइट चावल को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। इनके अलावा आर्गेनिक खेती से तैयार की गई दालें, हल्दी, मिर्च, मसाले की भी खरीदारी की जा रही है। बिहार पवेलियन में राज्य स्तर पर पुरस्कार जीत चुकीं नाजदा खातून का सिक्की आर्ट, मंजूर आलम का डिजाइनर लेदर उत्पाद व अन्य बिहार के हैंडलूम कढ़ाई सूट को भी खासा पसंद किया जा रहा है।

ग्राहकों के रुझान से खुश है दुकानदार

बस्तर की वुडन आर्ट के उत्पादों की स्टॉल संचालित कर रहीं छत्तीसगढ़ बस्तर की रहने वाली इंदुमति रावणा ने बताया कि वे पहली बार इस मेले में दुकान लगाने आई हैं। इससे पहले उन्होंने नोएडा में आयोजित मेले में स्टॉल लगाई थी। दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में ग्राहकों का रुझान अपने देश के उत्पादों के प्रति ज्यादा है। बस्तर की वुडन आर्ट में लकड़ी पर बनाई विभिन्न भगवानों की मूर्तियां, सजावटी सामान को लोग पसंद कर रहे हैं और खरीदारी भी कर रहे हैं।

व्यावसायिक दिवस में भी इस बार खरीदारों की भीड़

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में 14 नवंबर से 18 नवंबर तक शुरूआती पांच दिन व्यावसायिक दिवस होते हैं। इन पांच दिनों में टिकट की दर 80 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दी जाती है। टिकट महंगा होने के बावजूद लोग यहां खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं। इन शुरूआती दिनों में टिकट की दर ज्यादा होने की वजह से भीड़ कम रहती है, लेकिन पहली बार है कि इन दिनों में भी ग्राहक महंगा टिकट लेकर मेले में पहुंच रहे हैं, ताकि प्रत्येक हॉल में आसानी से न केवल घूम सके, बल्कि अपनी पसंद के उत्पादों को खरीद भी सके।

झाड़ियों के पास मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के कीर्ति नगर थानाक्षेत्र में सोमवार सुबह रेलवे लाइन के पास घनी झाड़ियों से एक युवक का शव मिला। सुबह मिली पीसीआर कॉल के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। जांच में मृतक की पहचान अंगद (32) के रूप में हुई। वह बसई दारापुर में रहता था और मूल रूप से संत कबीर नगर (उप्र) का निवासी था। मृतक लकड़ी पॉलिश का काम करता था और मायापुरी की एक फैक्टरी में मजदूरी करता था।

पुलिस अधिकारी के अनुसार परिजनों से पूछताछ करने पर पता चला कि अंगद रविवार रात तक घर नहीं लौटा था। लगातार फोन करने के बावजूद उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। परिवार ने सोचा कि वह शायद दोस्तों के साथ रुका होगा, लेकिन सुबह तक घर न पहुंचने पर वे चिंतित हो उठे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इधर सोमवार सुबह करीब सात बजे एक व्यक्ति रेलवे लाइन के पास से गुजर रहा था, तभी झाड़ियों में पड़ी एक लाश पर उसकी नजर गई। करीब जाकर देखने पर उसने मृतक की पहचान अंगद के रूप में की और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

आत्मनिर्भर भारत से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगेः सर्वप्रिय

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत जिला में सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता के प्रोत्साहन के लिए भाजपा गुरुग्राम जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी के नेतृत्व में काम जारी है। भाजपा संगठन जिले के सभी 17 मंडलों में पुरजोर तरीके से अभियान से आम जनमानस को जोडड़े की मुहिम चला रही है।

सोमवार को नाथुपुर मंडल की अध्यक्ष पूजा बल्हारा द्वारा मंडल पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला उपाध्यक्ष कुलदीप यादव, जिला उपाध्यक्ष एवं नाथुपुर मंडल प्रभारी पूनम भटनागर, मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को जन जागरण बनाने में भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के निमित्त पूरे देश में भाजपा संगठन के द्वारा बड़े स्तर पर मुहिम चलाई जा रही है। मेक इन इंडिया, स्थानीय वस्तुओं को प्राथमिकता, और रूस्रूश्वह्य के लिए सरल-सुलभ नीतियों को बढ़ावा दिया जाएगा। स्थानीय एमएसएमई, कुटीर और लघु उद्योगों के लिए उधार गारंटी और ऋण सुविधाओं तक पहुंच बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि विक्रेता विकास, स्थानीय उत्पादों की खरीद बढ़ाने हेतु उद्योग-सरकार संयुक्त कार्यक्रम केंद्र एवं हरियाणा सरकार के द्वारा बड़े स्तर पर चलाए जा रहे हैं।

'कैसे बने विश्वकर्मा' व 'हाई राइज बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन' पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

■ एसजीटी यूनिवर्सिटी में डॉ. बी.एल. गौड़ ने लिखी हैं ये पुस्तकें

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

साहित्य जगत के जाने माने लेखक डॉ. बी.एल. गौड़ द्वारा लिखित दो महत्वपूर्ण पुस्तकों-कैसे बने विश्वकर्मा और हाई राइज बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण एसजीटी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर राम बहादुर राय द्वारा किया गया। इस मौके पर गौड़ ग्रुप के सीएमडी मनोज गौड़ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के आगमन से हुई, जिसके बाद कुलपति ऑफिस में एक गरिमामय मीट-एंड-ग्रीट सत्र आयोजित किया गया। वाइस चांसलर द्वारा लोकार्पण के बाद डॉ. बी.एल. गौड़ ने पुस्तकों के विषय, उद्देश्य और इनके सामाजिक व तकनीकी महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. बी.एल. गौड़ ने अपने संबोधन में दोनों पुस्तकों के निर्माण क्षेत्र में उपयोग और भविष्य की तकनीकी जरूरतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे बने विश्वकर्मा विशेष तौर पर निर्माण क्षेत्र से जुड़े छात्रों और इंजीनियरों को व्यावहारिक ज्ञान देने के उद्देश्य से लिखी गई है। वहीं हाई राइज बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन आधुनिक इमारतों के निर्माण में उपयोग होने वाली तकनीकों, मापदंडों और सुरक्षा मानकों पर विस्तृत जानकारी प्रदान करती है। इसके बाद गौड़ ग्रुप के सीएमडी, मनोज गौड़ ने मंच से अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता की यह कृतियां न केवल निर्माण क्षेत्र को नई दिशा देती हैं। बल्कि उद्योग जगत में गुणवत्ता और नवाचार की भावना को भी मजबूत करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह पुस्तकों का संग्रह युवा इंजीनियरों और छात्रों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगा।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले में क्रिश्चियन मिशेल को झटका

नई दिल्ली। 1999 में हुई भारत-यूएई प्रत्यर्पण संधि के अनुच्छेद 17 को चुनौती देने वाली अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले के आरोपी क्रिश्चियन मिशेल की याचिका पर विचार करने से दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने कहा कि यह संधि संसद की ओर से पारित नहीं की गई है, इसलिए यह कोई ऐसा कानून नहीं है, जिसे अवैध घोषित किया जा सके।

अदालत ने कहा कि यह एक विधेयक की तरह है, जो कानून नहीं है। किसी प्रस्तावित विधेयक को अधिकार-बाह्य घोषित नहीं किया जा सकता। अदालत के रुख को देखते हुए मिशेल की तरफ से पेश हुए वकील ने ताजा याचिका दायर करने की स्वतंत्रता के साथ याचिका वापस ले ली।

डीएलएसए ने वरिष्ठ नागरिकों के हित में चलाया जागरुकता एवं स्वास्थ्य अभियान

■ भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई

■ स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) ने सोमवार को अपने पैनल अधिवक्ताओं के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, कल्याण और संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक पहुँच कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 के बारे में समाज में जागरुकता फैलाना और इसके अंतर्गत मिलने वाले लाभों की जानकारी लोगों तक पहुंचाना था।

डीएलएसए गुरुग्राम के सचिव राकेश कादियान ने बताया कि इन कार्यक्रमों के तहत पैनल अधिवक्ताओं ने जिले के विभिन्न विद्यालयों, निवासी कल्याण संघों, वृद्धाश्रमों और सामुदायिक स्थलों पर जागरुकता सत्र आयोजित किए। विशेष रूप से बन्धवाड़ी, मंडावर, हरि आश्रम और ताऊ देवी लाल आश्रम सेक्टर-4 में वरिष्ठ नागरिकों तथा अन्य लाभार्थियों को अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, उनके अधिकारों, भरण-पोषण आवेदन प्रक्रिया, ट्रिब्यूनल द्वारा त्वरित राहत की व्यवस्था तथा शिकायत निवारण तंत्र के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान पैनल अधिवक्ताओं ने परिजनों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों, उपेक्षा या परित्याग की स्थिति में उपलब्ध कानूनी उपायों तथा डीएलएसए द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी विस्तृत रूप से बताया।

Lost & found

I, Bhagwati Prasad S/o Hukam Chand Juneja R/o H.No. 6B, 1B, Ground Floor, Teh. Badkhal, Distt. Faridabad have lost my original property sale deed no. 4621 dt. 26.12.1989 ,F.I.R No.034 ,in Sub Registrar Ballabgarh, Faridabad and other old property documents. Finder may be contact above address.

कंपोस्टिंग साइट का दौरा कर छात्रों ने ली कचरा प्रबंधन की जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 के अंतर्गत नगर निगम गुरुग्राम ने बैलेंसिंग बिट के सहयोग से सोमवार को अतुल मेमोरियल स्कूल झाड़सा के विद्यार्थियों को सेक्टर-43 स्थित कम्पोस्टिंग साइट का दौरा करवाया। इस शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कचरा प्रबंधन, स्रोत-स्तर पर कचरे के पृथक्करण और कम्पोस्ट निर्माण की प्रक्रिया के महत्व से रूबरू कराना था। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर कुलदीप हिन्दुस्तानी ने विद्यार्थियों से कहा कि स्वच्छता केवल सरकार या नगर निगम की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा यदि हम घर से ही गीले और सूखे कचरे को अलग करना शुरू कर दें, तो लगभग 80 प्रतिशत कचरा वहीं पर ही निपटाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को कम्पोस्टिंग प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन करवाया, जिसमें दिखाया गया कि किस प्रकार गीले कचरे से जैविक खाद तैयार की जाती है। साथ ही यह भी समझाया कि सूखे कचरे के सही पृथक्करण से उसे रीसायकल कर पुनः उपयोग में लाया जा सकता है, जो पर्यावरण संरक्षण और संसाधन बचत दोनों के लिए आवश्यक है। कुलदीप हिन्दुस्तानी ने बच्चों को बताया कि गंदगी से डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड जैसे संक्रामक रोग फैलते हैं।

बस यात्रियों के फोन चोरी करने वाले तीन शातिर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी जिले की एएटीएस टीम ने हौज खास थाने में दर्ज ई-एफआईआर के तहत तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। तीनों ने बदरपुर थाना क्षेत्र के सक्रिय अपराधी हैं। ये भीड़ वाली बसों में घुसकर यात्रियों के मोबाइल चुराते और उन्हें मेवात में साइबर अपराध करने वाले गिरोहों को बेचते थे। टीम ने आरोपितों के पास से चोरी के 18 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि जिले के सार्वजनिक परिवहन मार्गों पर चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए एएटीएस को जांच का जिम्मा सौंपा गया। टीम को 16 नवंबर को सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध चोरी के मोबाइल फोन को ठिकाने लगाने के लिए मछली मार्केट रोड, साकेत के पास आ रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 18 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए। आरोपितों की अमित कुमार उर्फ सुमित उर्फ पिचकू, अरुण कुमार और मुकेश उर्फ नाथी के रूप में हुई। तीनों बदरपुर थाना क्षेत्र के सक्रिय बदमाश (बीसी) हैं जिनका लंबा आपराधिक इतिहास है।

आध्यात्मिक चिंतन ही व्यक्ति में सकारात्मक भाव पैदा करता हैः एएन प्रमोद

प्राचीन भारतीय संस्कृति को जागृत कर रहा है ब्रह्माकुमारीज संस्थान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारतीय नौसेना के वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद ने कहा कि कोई भी कार्य तभी सफल होता है, जब उसमें 100 प्रतिशत समर्पण भाव हो। वो तभी आता है जब सकारात्मक दृष्टिकोण हो। आध्यात्मिक चिंतन ही व्यक्ति में सकारात्मक भाव पैदा करता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज प्राचीन भारतीय संस्कृति को पुनः जागृत कर रही है। यह बात उन्होंने सोमवार को ब्रह्माकुमारीज संस्थान के बोहड़ाकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट में सुरक्षा बलों के तीन दिवसीय स्व-सशक्तिकरण कार्यक्रम के समापन अवसर पर कही। सेवानिवृत वाइस एडमिरल सूरज बेरी ने कहा कि निर्णय तभी सही होता है, जब दिल और दिमाग का बैलेंस होता है। उन्होंने कहा कि आईएनएस विक्रमादित्य का नेतृत्व करना उनके जीवन का बेहतरीन अवसर था। आईएनएस नौसेना का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद दिल्ली के अतिरिक्त सचिव अक्षय जोशी ने कहा कि व्यक्ति अपनी 10 प्रतिशत क्षमता का ही उपयोग करता है। 90 प्रतिशत क्षमता उसके अंदर छिपी है। जिसे आध्यात्मिक शक्ति से ही जागृत किया जा सकता है।

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि बाहरी शत्रुओं से तो हम इसलिए लड़ते हैं क्योंकि वो दिखाई देते हैं।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सक्षम कुमार की ओर से यह सूचना दी जाती है। कि वे ग्राम असालतपुर खादर, कॉलोनी जीवन पार्क, पंखा रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 में स्थित खसरा संख्या 11/20/2 में से क्षेत्रफल 67.5 वर्ग गज, प्रथम तल के दाईं ओर, बिना छत/टेरेस अधिकार के संपत्ति/प्लॉट संख्या डी-3/9, श्रीमती गीता पत्नी सुरेश कुमार से खरीद रहे हैं। श्रीमती गीता नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री अनुबंध और वसीयत दिनांक 12.08.2023 के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री आशीष कुमार चौधरी पुत्र बाबू राम से खरीदी थी। अब, सक्षम कुमार आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से वित्तीय सहायता प्राप्त कर उक्त संपत्ति को खरीदने और बंधक रखने का इरादा रखते हैं। बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित/बंधक बनाने में कोई आपत्ति है तो वह आज से 15 दिनों के भीतर, अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है। (लुमेन लीगल एलएलपी) प्लॉट नंबर 136, (बेसमेंट) उदय पार्क, नई दिल्ली-110049, संपर्क # 011-40046316

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that my client Sh. Chandrabali Maurya and his wife Smt. Pushpa Devi R/o Rz-A2 / 30 B, Gali No.2A, Durga Park, Delhi - 110045 have served all their relation with their son Sh. Amit Kumar Maurya and his wife Smt. Sonam Kushwaha and due to their ill treatment and bad habits and hereby disown them from their all moveable and immovable properties. Hence, they shall have no right or claim qua the same and anybody dealing with them will do so at his/her/their own risk and responsibilities and my client will not be responsible for any act, deed and dealing done by them. My client is also having the apprehension that the above named persons may implicate them and their family members in any wrong and false legal case like dowry, sexual harassment, domestic violence etc.

MUNEET BEDI, ADVOCATE

सार्वजनिक सूचना

विषय: प्लॉट संख्या [illegible], सेक्टर-23A, अर्बन एस्टेट, गुरुग्राम के स्वामित्व के हस्तांतरण के संबंध में।

[illegible]

अंतर्गत एस्टेट अधिकारी-I, HSVP, सेक्टर-14, गुरुग्राम, [illegible] HSVP [illegible]

[illegible]

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Narayan Singh S/o Ram Singh Permanently residing at Imkhola, Payyan Pauri, Dharchula Pithoragarh Uttarakhand - 262576 Presently residing at P-25/2, Kabul Line, Delhi Cantt, Delhi- 110010, declare that name of my wife has been wrongly written as Renu in my minor daughter Janvi Samant aged 14 years in her School Records. The actual name of my wife is Renu Samant.

PD(3476)C

PUBLIC NOTICE

I, Gainda Singh S/o Late Sh. Girdhari Lal R/o B-482, Azadpur Village, Delhi-110033 has debarred my Son Sh. Tushar Pal S/o Gainda Singh aged 24 Years from all my moveable & immovable properties & have severed all relation with him for forever. Anybody dealing with him is/are doing that own his / her / their risk. I shall not be responsible for any kind of his acts & deeds done by him, whatsoever.

Gainda Singh

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General public on behalf of our client i.e. ICICI Bank Ltd. that Mr. Anil Kant Singh and Mrs. Manju Singh are joint owners of Flat No. 231, on third floor, (1687.12 sq. ft.), in Block-2, the power Grid Employees CGHS Ltd. Plot No. 23, Sector-21-C, Part-III, Faridabad "the said property", by virtue of Conveyance deed dated 18.12.2012, Registration No.15279 has lost/misplaced Original Share Certificate, dated 01.07.2005, and Original Allotment Letter dated 02.03.2003. All persons are hereby informed not to deal or carry out any transaction with anyone on the basis of the above missing document. If anyone has already carried out or being carrying out any transaction, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 10 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates& consultants)
200, 2nd Flr. 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
[illegible], Ph: 011-41112527-28

PUBLIC NOTICE

This is to notify the general public that Mr. Ashok Khanna, S/o. Late Shri P.D. Khanna, has voluntarily retired from the Partnership Firm namely, M/s. A.R. Enginnering Works, having it's address at 22, Okhla Industrial Estate, Phase-III, New Delhi-110020, effective from 19th September 2025.

Mr. Ashok Khanna is therefore, not responsible or liable for any transactions, commitments, dealings, or obligations undertaken/being undertaken by M/s. A.R. Enginnering Works.

All clients, associates, and parties concerned are hereby informed accordingly.

Through Attorney
Ms. Tanya Arora Singh & Singh Law Firm LLP
C-139, Defence Colony New Delhi - 110024

PUBLIC NOTICE

Be it notified that Sh. Sanjeev Aggarwal S/o Sh. N.M. Aggarwal is the absolute owner of the entire Ground Floor (without roof rights) of Property No. 24, Block-H, measuring 298.66 sq. yards, situated in the Wazirpur Residential Scheme, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi-110052, purchased through Sale Deed Doc. No. 179, Book I, Vol. 11414, Pages 68-85, dated 04.01.2023.

The Original Relinquishment Deed (Doc. No. 13469, Book I, Vol. 11048, Pages 109-113, dated 18.08.2022) and photocopy of Will (Doc. No. 6187, Addl. Book III, Vol. 857, Pages 88-90, dated 02.11.1999) have been misplaced. A missing complaint has been lodged with PS: Ashok Vihar, Delhi Police on 17.11.2025, LR No. 3357476/2025.

Anyone having any claim, objection, or interest in the above-mentioned property is required to notify the undersigned in writing with supporting documents within 10 days of publication of this notice. If no claim is received within the stipulated period, it shall be presumed that there are no objections, and my client shall proceed with the sale. Any subsequent claims shall be treated as waived and not binding on Sh. Sanjeev Aggarwal.

Date: 18.11.2025
Place: New Delhi

MANOJ GUPTA (ADVOCATE)
Ch. No. 651, Western Wing,
Tis Hazari Court, Delhi-110054

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that Unit No. C 605c, C 605D & C 605E ("Units") Floor 6th Tower Block-6 in Project M3M Broadway, situated at Sector 71, Golf Course Extension Road, Gurugram, Haryana 122002 were booked by Vikas Gulati HUF through its Karta, Mr. Vikas Gulati, S/o Mr. Keshar Das Gulati, R/o C-37 Rajan Babu Road, Adarsh Nagar, Delhi-110033.

Late Shri Vikas Gulati (deceased name) passed away on 12th August 2025, leaving behind the following legal heir(s):

S. No.	Name	Aadhar No.	Relationship with deceased	Address
1-	Champa Gulati	547334368070	Mother	C-37 Rajan Babu Road, Adarsh Nagar, Delhi-110033
2-	Pankaj Gulati	917695820643	Wife	C-37 Rajan Babu Road, Adarsh Nagar, Delhi-110033
3-	Vrinda Gulati	522583838950	Daughter	C-37 Rajan Babu Road, Adarsh Nagar, Delhi-110033
4-	Vallabha Gulati	795060725226	Daughter	C-37 Rajan Babu Road, Adarsh Nagar, Delhi-110033

Following the demise of the Late Shri Vikas Gulati (deceased name) the above-mentioned legal heir(s) has/have requested M3M India Pvt. Ltd. for the transfer of the deceased's rights and interest in the said Unit in favour of Ms. Vrinda Gulati.

Any person(s) having any claim, objection or right in respect of the said Unit/Flat may submit their objections in writing along with supporting documents to M3M India Pvt. Ltd. at 7th floor, Urbana business park, Sector-67, Gurugram, Haryana, India and Ms. Vrinda Gulati (customer name), at the below-mentioned coordinates, within 21 (twenty one) days from the date of publication of this notice. In the absence of any objections within the stipulated period, Ms. Vrinda Gulati (customer name) proceed with the transfer of the said Unit no. C 605c, C 605D & C 605E in project M3M Broadway in her favour, and no claims shall be entertained thereafter.

For any queries, kindly contact: Customer name Ms. Vrinda Gulati,
Email Id: thegulatizone@gmail.com, Phone no. 9818217111

AXIS BANK LTD.

[illegible]

परिशिष्ट IV (नियम - 8(1)) [illegible]

[illegible]

क्र. सं.	उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता का नाम	मांग सूचना की तिथि	कब्जा सूचना की तिथि	मांग सूचना में राशि (रु.)
1	[illegible]	09-06-2025	13-नवंबर-2025	रु. 6,89,469/-
2	[illegible]	26-06-2025	13-नवंबर-2025	रु. 7,09,863/-
3	[illegible]	06-08-2025	13-नवंबर-2025	रु. 19,62,104/-
4	[illegible]	06-08-2025	13-नवंबर-2025	रु. 12,11,188/-
5	[illegible]	07-08-2025	13-नवंबर-2025	रु. 11,74,915/-
6	[illegible]	06-08-2025	13-नवंबर-2025	रु. 44,30,245/-
7	[illegible]	11-08-2025	13-नवंबर-2025	रु. 4,57,020/-

[illegible]

तिथि : 18.11.2025, स्थान : दिल्ली और एनसीआर [illegible]

दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय में वंदे मातरम गायन उत्सव का आयोजन

राष्ट्रीय गीत का भारतीय इतिहास में अप्रतिम महत्व

■ सांस्कृतिक गौरव और देशभक्ति के उत्कर्ष का प्रतीक है वंदे मातरम : प्रो. योगेश सिंह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ को पूरे देश में आगामी एक वर्ष तक स्मरणोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है जिसे दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालय भी विविध कार्यक्रमों के माध्यम से मना रहे हैं। इसी कड़ी में 17 नवंबर, 2025 को दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गायन उत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह, विश्वाविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी एवं रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता, महाविद्यालय के चेयरमैन प्रो. डी. एस. चौहान और प्राचार्या प्रो. भावना पाण्डेय ने अपने विचार प्रस्तुत किये। अपने उद्बोधन में प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि वंदे मातरम भारत की राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक गौरव और देशभक्ति के उत्कर्ष का प्रतीक है। यह एक कालजयी कृति है, जिसका भारतीय इतिहास में अप्रतिम महत्त्व है। उन्होंने बताया कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होना केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि इसके ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने वाली एक राष्ट्रीय पहल है। प्रो. सिंह ने यह भी कहा कि हमें बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का भी स्मरण करना चाहिए, जिनकी इस रचना ने सम्पूर्ण देश में स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांति की ज्वाला प्रज्वलित की। उन्होंने राष्ट्र गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उसके प्रभाव पर विस्तार से बात की। प्राचार्या प्रो. भावना पाण्डेय ने महाविद्यालय के गौरवशाली अतीत का उल्लेख करते हुए वंदे मातरम में निहित राष्ट्रप्रेम की भावना को अपने शब्दों में अभिव्यक्त किया। महाविद्यालय के चेयरमैन प्रो. डी. एस. चौहान ने भी राष्ट्रीय गीत के महत्त्व और स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय चेतना जगाने में उसकी महती भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में दयाल सिंह महाविद्यालय के प्राचार्या प्रो. वी. के पालीवाल जी की भी उस्थिति रहीं।

राजधानी में सांसों पर संकट बरकरार

■ वायु गुणवत्ता बेहद खराब, इस मौसम का सबसे कम तापमान दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में सोमवार को समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 356 दर्ज किया गया जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और आईएमडी ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम का सबसे कम तापमान है।

सीपीसीबी के समीर ऐप के आंकड़ों से पता चला है कि पांच निगरानी केंद्रों ने वायु गुणवत्ता को गंभीर श्रेणी में बताया है, जबकि 29 केंद्रों ने 300 से 400 के बीच आंकड़े के साथ एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की, जबकि चार केंद्रों ने एक्यूआई खराब श्रेणी में दर्ज की। राजधानी के 38 एक्यूआई निगरानी केंद्रों में से बवाना ने 419 एक्यूआई के साथ सबसे अधिक प्रदूषण स्तर दर्ज किया। गंभीर श्रेणी के अन्य क्षेत्रों में नरेला (405), जहांगीरपुरी (404), वजीरपुर (402) और रोहिणी (401) शामिल हैं। सीपीसीबी मानकों के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को संतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर श्रेणी में माना जाता है। आईएमडी ने कहा कि न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 3.6 डिग्री कम था और सुबह साढ़े आठ बजे हवा में नमी का स्तर 92 प्रतिशत था।

आसमान अधिकतर साफ रहेगा और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। हाल के वर्षों में इससे कम न्यूनतम तापमान 29 नवंबर, 2022 को 7.3 डिग्री दर्ज किया गया था। 2023 में नवंबर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री और 2024 में 9.5 डिग्री दर्ज किया गया था।

दिल्ली पुलिस ने अल-फलाह विवि के चेयरमैन को भेजा समन

■ आतंकी मॉड्यूल की जांच के सिलसिले में चेयरमैन से होगी पूछताछ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल मामले की जांच और जालसाजी व धोखाधड़ी के लिए अल फलाह विश्वविद्यालय के खिलाफ दर्ज दो मामलों के संबंध में विश्वविद्यालय के चेयरमैन को दो समन जारी किए हैं। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह समन तब भेजा गया जब जांचकर्ता ओं ने पाया कि विश्वविद्यालय के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी का बयान संस्थान के कामकाज और उससे जुड़े व्यक्तियों की गतिविधियों से संबंधित कई विसंगतियों को स्पष्ट करने के लिए महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा शनिवार को गंभीर चिंता जताए जाने के बाद अपराध शाखा ने हरियाणा स्थित इस विश्वविद्यालय के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप में दो प्राथमिकी दर्ज की। अधिकारियों ने बताया कि दोनों नियामक निकायों ने विश्वविद्यालय के मान्यता संबंधी दावों की समीक्षा के बाद बड़ी अनियमितताओं को चिन्हित किया तथा अपने निष्कर्ष कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सौंप दिए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ये प्राथमिकियां विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता संबंधी कथित झूठे दस्तावेजों और दावों से संबंधित हैं। सिद्दीकी को समन जारी करना व्यापक जांच का हिस्सा है, जो पिछले सप्ताह लाल किले के पास हुए विस्फोट की चल रही जांच से संबंधित है। माना जा रहा है कि विस्फोट से जुड़े कई संदिग्धों का विश्वविद्यालय से संबंध रहा है, जिसके कारण जांचकताओं को संस्थागत रिकॉर्ड, वित्तीय लेन-देन और प्रशासनिक स्वीकृतियों की जांच करनी पड़ रही है।

लाल किला विस्फोट

दो अन्य घायलों की अस्पताल में मौत, 15 हुई मृतकों की संख्या

नई दिल्ली। दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए विस्फोट में दो अन्य घायलों की एलएनजेपी अस्पताल में मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान लुकमान (50) और विनय पाठक (50) के रूप में हुई है। पिछले बृहस्पतिवार को इलाज के दौरान बिलाल नाम के व्यक्ति की मौत हो गई थी, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई थी।

अधिकारी ने बताया कि इन मौतों के साथ ही इस विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई, जबकि कई अन्य लोगों का अब भी इलाज जारी है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि उन्हें अस्पताल से इन मौतों की जानकारी मिली है और जल्द ही पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

दिल्ली ब्लास्ट केस: 10 दिन के लिए एनआईए की हिरासत में राशिद

■ आरोपी आमिर राशिद अली से पूछताछ में खुल सकते हैं कई राज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने लाल किला विस्फोट मामले के आरोपी आमिर राशिद अली को सोमवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की 10 दिन की हिरासत में भेज दिया।

अली को कड़ी सुरक्षा के बीच पूर्वाह्न करीब 11.30 बजे पटियाला हाउस अदालत परिसर में नयी दिल्ली जिले की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया। मीडियाकर्मियों को अदालत में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गयी। अदालत के सूत्रों ने बताया कि न्यायाधीश चांदना ने एजेंसी की अली से 10 दिनों तक हिरासत में पूछताछ करने की याचिका स्वीकार कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवानों को अदालत परिसर में और उसके आसपास तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए दंगा रोधी उपकरणों से लैस दल तैयार हैं। रविवार को मामले में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एनआईए ने कश्मीर निवासी अली को गिरफ्तार किया, जिसने कथित तौर पर आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी के साथ मिलकर आतंकी हमले की साजिश रची थी। संघीय एजेंसी ने बताया कि अली को राष्ट्रीय राजधानी में गिरफ्तार किया गया और जिस कार में विस्फोट हुआ था, वह उसके नाम पर पंजीकृत थी। एनआईए की जांच में पता चला था कि जम्मू कश्मीर के पंपोर के संबूरा निवासी आरोपी ने आत्मघाती हमलावर नबी के साथ मिलकर आतंकी हमला करने की साजिश रची थी। एनआईए ने कहा कि अली कथित तौर पर कार की खरीद में मदद करने के लिए दिल्ली आया था, जिसका इस्तेमाल अंततः विस्फोट को अंजाम देने के लिए किया गया था। राष्ट्रीय राजधानी में 10 नवंबर को लाल किले के पास विस्फोटकों से लदी एक कार में हुए विस्फोट में 13 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। लाल किले के पास विस्फोट के लिए इस्तेमाल की गई कार को जम्मू कश्मीर के पुलवामा का डॉक्टर उमर नबी चला रहा था। उमर का संबंध एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल से था, जिसका भंडाफोड़ मुख्य रूप से हरियाणा के फरीदाबाद से विस्फोटकों की बरामदगी के बाद हुआ था।

मार्च तक सड़कों के 500 किमी. लंबे हिस्सों की मरम्मत करेगी दिल्ली सरकार : परवेश वर्मा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में सड़कों के 500 किलोमीटर लंबे हिस्सों की मरम्मत मार्च 2026 तक करेगी। यह बात पीडब्ल्यूडी मंत्री परवेश वर्मा ने सोमवार को कही। मंत्री ने स्थानीय विधायकों और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) अधिकारियों के साथ दक्षिणी दिल्ली के लाजपत नगर और अमर कॉलोनी क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

वर्मा ने संवाददाताओं से कहा, दिल्ली सरकार मार्च तक राष्ट्रीय राजधानी में प्रमुख सड़कों के 500 किलोमीटर लंबे हिस्सों की मरम्मत करेगी, इसके लिए निविदाएं जारी की जा रही हैं। टूटी सड़कों, फिसलन वाली सड़कों, फुटपाथ और फुट ओवरब्रिज (एफओबी) की भी मरम्मत की जा रही है। हर साल सर्दियों के महीनों में शहर वायु प्रदूषण से जूझता है और प्रदूषण का एक कारण चलती गाड़ियों से सड़कों पर उड़ने वाली धूल है। वर्मा ने कहा, हमें केंद्र सरकार से 800 करोड़ रुपये मिले हैं, जिनका इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा, हमें केंद्र से यह आश्वासन भी मिला है कि इस राशि को सड़क और मरम्मत कार्यों पर खर्च करने के बाद भविष्य में और अधिक धनराशि आवंटित की जाएगी। इस साल की शुरूआत में, दिल्ली सरकार की सड़क धूल शमन योजना के तहत, वर्मा ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक की थी, जिसमें 153 सड़क मरम्मत परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई थी। पिछले महीने, केंद्र सरकार ने दिल्ली में सड़क अवसंरचना से संबंधित परियोजनाओं के लिए 803 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। यह धनराशि केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना कोष (सीआरआईएफ) के तहत स्वीकृत की गई थी।

दुबई से जुड़े विदेशी मुद्रा घोटाले का पर्दाफाश

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दुबई से संचालित विदेशी मुद्रा व्यापार घोटाले में शामिल एक अंतरराज्यीय सिंडिकेट के साथ संबंधों के आरोप में एक निजी बैंक के बिक्री प्रबंधक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान फर्जी खाते मुहैया कराने वाले अनुराग कुमार, एक निजी बैंक के बिक्री प्रबंधक जीशान सैयद और धोखाधड़ी तथा जालसाजी में पूर्व में शामिल रहे प्रमुख संचालक हिमांशु गुप्ता के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि वे कथित तौर पर एक ऐसे नेटवर्क का हिस्सा थे, जिसने मुखौटा कंपनियां बनाईं और निवेश धोखाधड़ी से प्राप्त धन को सफेद करने के लिए कई फर्जी खाते खोले। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गिरोह सोशल मीडिया समूहों के माध्यम से लोगों को लुभाता था।

विवाहेतर संबंध के शक में पत्नी की हत्या करने वाला गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के जहांगीरपुरी में विवाहेतर संबंध के शक में पत्नी की हत्या कर शव को खुले नाले में फेंकने के आरोप में 31-वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

आरोपी विष्णु शर्मा को 14 नवंबर को महिला का शव बरामद होने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस ने बताया कि विष्णु आदतन अपराधी है और पहले भी तीन मामलों में शामिल रहा है। विष्णु को शक था कि उसकी पत्नी का विवाहेतर संबंध है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, चौदह नवंबर को शाम करीब 4.30 बजे यशपाल नामक व्यक्ति ने पुलिस को एक पीसीआर कॉल करके बताया कि एक महिला का शव नाले के पास पड़ा है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और आंशिक रूप से डूबा हुआ एक महिला का शव बरामद किया। प्रारंभिक जांच के दौरान विष्णु घटनास्थल पर पहुंचा और पुलिस को बताया कि मृतक उसकी पत्नी श्वेता शर्मा थी। विष्णु ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि उसे लंबे समय से शक था कि उसकी पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध है, जिसके कारण दंपति के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। पुलिस अधिकारी ने कहा, तेरह नवंबर को रात करीब नौ बजे दंपति के बीच फिर से तीखी बहस हुई, जिसके दौरान विष्णु शर्मा ने आपा खो दिया और घर के अंदर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद सबूत नष्ट करने के लिए विष्णु पत्नी का शव अपने कंधे पर उठाकर औद्योगिक क्षेत्र के पास एक खुले नाले में फेंककर भाग गया। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें आरोपी अपनी पत्नी का शव नाले की ओर ले जाता दिखाई दे रहा है। बाद में विष्णु को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना अपराध कबूल कर लिया।

द्वारका में कुख्यात चोर गिरफ्तार, 16 चोरी की साइकिल बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की द्वारका दक्षिण थाना टीम ने एक बड़े सफल अभियान में कुख्यात साइकिल चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 16 चोरी की साइकिल बरामद की गईं, जिससे क्षेत्र में हुई चोरी की छह घटनाओं का खुलासा हुआ।

मामले की शुरूआत द्वारका दक्षिण क्षेत्र में साइकिल चोरी की बढ़ती शिकायतों से हुई, जहां कई लोगों ने साइकिल चोरी की शिकायत की। एसीपी द्वारका किशोर कुमार रेवाला के पर्यवेक्षण में इंस्पेक्टर राजेश कुमार साह (एसएचओ, द्वारका दक्षिण) ने एक विशेष टीम गठित की।

टीम में हेड कांस्टेबल सुधीर कुमार (987/डीडब्ल्यू), मनोज कुमार (828/डीडब्ल्यू), गजे सिंह (1030/डीडब्ल्यू), सुरेंद्र (764/डीडब्ल्यू) और कांस्टेबल तुषार यादव (1803/डीडब्ल्यू) शामिल थे। टीम ने आसपास के इलाकों में लगे 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। स्थानीय मुखबिरों को सक्रिय किया गया और तकनीकी व मैनुअल खुफिया जानकारी एकत्र की गई। 28 अक्टूबर 2025 को शाम करीब 7 बजे हेड कांस्टेबल मनोज कुमार को गुप्त सूचना मिली कि चोर कुछ ही मिनटों में डीडीए पार्क या भैंस वाला पार्क के पास आएगा।

टीम ने तुरंत भैंस वाला पार्क के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद गणपति चौक की ओर से एक व्यक्ति साइकिल चलाते हुए आता दिखा। वह संदिग्ध लगा। पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन आरोपी साइकिल छोड़कर सेक्टर 7 के डीडीए पार्क की ओर भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया और उसे दबोच लिया। शुरूआती जांच में पता चला कि साइकिल ई-एफआईआर 80101951/2025 (धारा 303(2) बीएनएस, थाना द्वारका दक्षिण) के तहत चोरी की थी। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने यह साइकिल रामफल चौक रोड, इंस्टाइल सैलून, सेक्टर 7 के सामने से चुराई थी। आगे की पूछताछ में उसने अन्य चोरियों की बात स्वीकारी। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने विभिन्न स्थानों से 15 और साइकिल बरामद कीं। अब तक कुल 16 साइकिल बरामद हुई है। आरोपी की पहचान अमरीश तिवारी, पुत्र सतीश तिवारी, निवासी नन्हे पार्क, मटियाला, दिल्ली (स्थायी पताः गांव बरदाद, थाना मिश्रोलिया, जिला गोरखपुर, उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। उसके खिलाफ पहले से चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त द्वारका जिला अंकित सिंह (आईपीएस) ने टीम की प्रशंसा की और कहा कि यह कार्रवाई पुलिस की जिम्मेदारी, मेहनत और कुशलता का प्रतीक है।

शेयर बाजार में धोखाधड़ी कर महिला से 3.38 लाख ठगे

■ दिल्ली पुलिस ने दो साइबर जालसाजों को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शेयर बाजार में निवेश योजनाओं में उच्च रिटर्न का वादा करके 42 वर्षीय महिला से 3.38 लाख रुपये की ठगी के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया है और एक अन्य को शांति एवं अच्छे आचरण के लिये प्रतिभूति (पाबंद) किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान अमूल्य शर्मा (23) और गर्वित शर्मा (26) के रूप में हुई है।

तीसरे आरोपी, 20 वर्षीय सुजल सभरवाल को जांच के दौरान पाबंद किया गया है, जिसका अर्थ है कि कानूनी तौर पर उसे बुलाए जाने पर जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होना होगा और यदि वह शहर छोड़ने का इरादा रखता है तो उसे पुलिस को सूचित करना होगा। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता एकता सचदेवा को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा शेयर निवेश पर आकर्षक लाभ का वादा करके धोखा दिया गया।

उन्होंने कहा, उनकी शिकायत के आधार पर 18 सितंबर को एक प्राथमिकी दर्ज की गई। एक टीम ने धन के लेन-देन का विश्लेषण किया और पाया कि राशि को एक म्यूल खाते में स्थानांतरित किया गया था और फिर कई एटीएम का उपयोग करके निकाला गया था। म्यूल खाते ऐसे बैंक खाते होते हैं जिनका इस्तेमाल जालसाज अपराध से मिले पैसे को ठिकाने लगाने के लिए करते हैं। इन खातों का इस्तेमाल अपराधी अवैध रूप से कमाए गए पैसे को लेने, अंतरित करने या छिपाने के लिए करते हैं।

अधिकारी ने कहा, खाते से जुड़े मोबाइल नंबर को ट्रैक किया गया और तकनीकी निगरानी से पता चला कि धोखाधड़ी वाले अंतरण से कुछ समय पहले ही इसे अमूल्य शर्मा द्वारा संचालित किया जा रहा था। आगे की जांच से पता चला कि एक ही म्यूल खाते से दूसरे खातों में 50 से ज्यादा संदिग्ध लेनदेन किए गए थे। आरोपी एक ऐसे गिरोह का हिस्सा थे जो म्यूल खाते बनाने और फर्जी निवेश योजनाओं से जुड़ी साइबर धोखाधड़ी को बढ़ावा देने में माहिर था। पुलिस ने बताया कि धोखाधड़ी से जुटाई गई रकम बाद में निकालकर क्रिप्टोकरेंसी खरीदने में इस्तेमाल कर दी गई। अमूल्य और गर्वित को छापेमारी के बाद गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि सुजल से म्यूल खातों के संचालन में शामिल होने के आरोप में पूछताछ की गई। पुलिस ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

बुजुर्ग के सोने के झुमके बदलकर उसे ठगने के आरोप में महिला गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मध्य दिल्ली में 50 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर 80 वर्षीय महिला की दिवंगत बेटी का शोक मनाने के बहाने उसके घर में प्रवेश किया और उसके सोने के झुमके नकली झुमकों से बदल लिए। पुलिस ने यह जानकारी सोमवार को दी। यह घटना 30 अक्टूबर को तब सामने आई जब चांदनी महल थाने में एक पीसीआर कॉल आई जिसमें सोने के झुमके चोरी होने की सूचना दी गई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि एक दिन पहले एक अज्ञात महिला उसके घर आई थी और दावा किया था कि वह उसकी दिवंगत बेटी को जानती है। बातचीत के जरिए महिला का विश्वास जीतकर, आरोपी अगले दिन वापस आई और बुजुर्ग महिला से कहा कि उसका एक झुमका ढीला हो गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसे कसने के बहाने उसने कथित तौर पर नकली बाली पहना दी और चली गई। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। पुलिस ने इलाके में लगे कई सीसीटीवी कैमरों की जांच की और व्यापक स्थानीय पूछताछ की। हालांकि महिला ने हिजाब पहना हुआ था, फिर भी फुटेज में उसकी चाल, आंखें और माथे का कुछ हिस्सा दिखाई दे रहा था। उसके चेहरे की बनावट शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए विवरण से मेल खाती है। निरंतर तकनीकी और निगरानी के बाद, काला महल निवासी आरोपी का पता लगाया गया और उसे 15 नवंबर को पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान, उसने कथित तौर पर आर्थिक लाभ के लिए अपराध करने की बात स्वीकार की और कहा कि वह ठगने के लिए समान आकार और डिजाइन का कृत्रिम झुमका लेकर आई थी। पुलिस ने कहा कि चोरी किए गए सोने के झुमके बरामद करने और यह पता लगाने के प्रयास जारी हैं कि क्या वह पहले भी इसी तरह के अन्य अपराधों में शामिल थी।

संक्षिप्त खबरें

स्पोर्ट्स टैलेंट नर्चरिंग प्रोग्राम शुरू

फरीदाबाद। होंडा इंडिया फाउंडेशन (एचआईएफ), जो होंडा समूह की कंपनियों का सीएसआर विंग है, ने मानव रचना स्पोर्ट्स अकादमी के सहयोग से स्पोर्ट्स टैलेंट नर्चरिंग प्रोग्राम की शुरूआत की है। इस पहल का उद्देश्य वंचित तबके के प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान कर उन्हें बैडमिंटन और टेबल टेनिस में प्रोफेशनल कोचिंग, वैज्ञानिक ट्रेनिंग और बेहतर एक्सपोजर प्रदान करना है। कार्यक्रम के शुभारंभ पर एचआईएफ के ट्रस्टी विनय धिंगरा, ऑपरेटिंग ऑफिसर राजीव तनेजा, मानव रचना के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. अमित भल्ला और केडमैन स्किलएड इंडिया फाउंडेशन के सीईओ राजीव माथुर उपस्थित रहे। पायलट प्रोग्राम के तहत 30 बच्चों का चयन किया जाएगा, जिन्हें मानव रचना स्पोर्ट्स अकादमी के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा नौरंगपुर स्थित होंडा सामाजिक विकास केंद्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा। मानव रचना स्पोर्ट्स अकादमी इस पहल की इम्प्लीमेंटेशन पार्टनर होगी और प्रतिभागियों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर भी प्रदान करेगी। यह कार्यक्रम खेल प्रतिभाओं के विकास तथा समान अवसर को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पन्हैड़ा में नेत्र व दन्त चिकित्सा जांच कैंप लगा

बल्लभगढ़। देहात के गांव पन्हैड़ा कलां में भगवान परशुराम पुस्तकालय समिति के सहयोग से 'नेशनल एसोसिएशन फार द ब्लाईंड का उपक्रम' के द्वारा नेत्र जांच व 'मानव रचना लोक सामाजिक विभाग डेंटल कॉलेज' के

सौजन्य से दन्त चिकित्सा जांच कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में 309 लोगों ने अपना चैकअप कराया। कैम्प में 22 लोगों को मोतियाबिंद के आपरेशन के लिए चुना गया। कैम्प के लिए आए डॉ. दिवाकर, डॉ. अखिलेश, डॉ. अदिबा सलीम, डॉ. निकिता, डॉ. प्रज्ञा, डॉ. खुशी, डॉ. प्रांजल का समिति अध्यक्ष राम कुमार, महासचिव राहुल वत्स, महेश शर्मा, ग्यालाल, ब्लॉक समिति सदस्य ओमकार वत्स, मनफूल ने फूल माला व परशुराम की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया तथा डॉक्टरों का इस निःशुल्क सेवा के लिए आभार प्रकट किया। पुस्तकालय समिति ने गांव में पुस्तकालय की चलाया हुआ है। आज इस अवसर पर गांव के सरपंच धर्मवीर शर्मा, मास्टर स्वराज, चेतराम, अशोक शर्मा, भागीरथ शास्त्री, सुनील पांचाल, मास्टर विनोद कुमार, लक्ष्मीकांत, सुन्दर शर्मा, नानक चन्द, मास्टर रघु वत्स विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मनोरोगी मरीजों का घर जाकर जाना हाल-चाल

फरीदाबाद। जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत तंबाकू मुक्त अभियान 3.0 को आगे बढ़ाते हुए सेक्टर-3 स्थित 36 गज क्षेत्र में जन-

जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई। यह कार्यक्रम मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा संचालित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य समुदाय से सीधे संवाद स्थापित कर लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। सत्र के दौरान स्थानीय निवासियों से सहज और सौहार्दपूर्ण तरीके से बातचीत की गई। लोगों को बताया गया कि तंबाकू शरीर के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। तंबाकू छोड़ने पर जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलावों की जानकारी भी विस्तार से साझा की गई।

22 तक चलेगा सर्जिकल कैंप, जिला प्रशासन सक्रिय

फरीदाबाद। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत फरीदाबाद जिले में सोमवार से 22 नवंबर 2025 तक विशेष सर्जिकल कैंप आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा द्वारा जारी निदेशों के बाद सिविल सर्जन फरीदाबाद ने सभी चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, आशा वर्कर्स और संबंधित स्वास्थ्य विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। कैंप के दौरान ईएनटी, आंखो, गॉयनोलॉजी, जनरल सर्जरी और ऑर्थोपेडिक विभागों से संबंधित सर्जरी की पहचान कर उन्हें समयबद्ध तरीके से सिविल अस्पताल में कराया जाएगा। इसके लिए जिले के सभी स्वास्थ्यकर्मियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर संभावित केस सूची तैयार करने और तत्काल रिपोर्ट सिविल सर्जन कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। सिविल सर्जन ने पैरामेडिकल स्टाफ को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी लैब टेस्ट आयुष्मान सरकार के निर्धारित पैकेजों के अनुसार केवल सरकारी अस्पतालों में ही कराए जाएं। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह ने भी सभी जिलों को निर्देशित किया है कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अधिकतम सर्जिकल केस दर्ज किए जाएं और लाभार्थियों को सर्जरी एवं उपचार सेवाएं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाएं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिस मेले का आयोजन

फरीदाबाद। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हरियाणा के निदेर्शानुसार आईटीआई फरीदाबाद में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिस एवं रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इस मेले का उद्देश्य अधिक से अधिक

आईटीआई उत्तीर्ण छात्रों को उद्योगों में रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान करना था। इस रोजगार मेले में फरीदाबाद, पलवल और पृथला के औद्योगिक क्षेत्रों की अनेक प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। इनमें प्रमुख रूप से टैल्ब्रोस ऑटोमोटिव कंपोनेंट लिमिटेड, एड्रॉइट कंट्रोल इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, डायमंड ऑटोमोटिव लिमिटेड, वेरल एनर्जी सॉल्यूशंस, बीसीएच इलेक्ट्रिक, प्लेसर इंडिया, न्यू एलेनबेरी वर्क्स, फ्रिक इंडिया, मैट्रिक्स कटिंग टूल्स, सरथक एंटरप्राइजेज, विश्वकर्मा ग्रुप, इंडिया फैशन प्राइवेट लिमिटेड, चंदा एंटरप्राइजेज, मादरसन सुमी वायरिंग, सिडवाल रेफ्रिजरेटर, फीनिक्स कॉन्टैक्ट इंडिया, एबीबी इंडिया और इम्पीरियल ऑटो इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियाँ शामिल रहीं।

जागरूकता और सम्मानजनक देखभाल पर जोर

फरीदाबाद। देश में तेजी से बढ़ रहे डायबिटीज मामलों के बीच डायबिटिक इनकॉन्टिनेंस यानी मूत्र असंयम एक बड़ी लेकिन कम चर्चित समस्या के रूप में सामने आ रही है। इस स्थिति में मरीज मूत्र पर नियंत्रण नहीं रख पाते, जिससे शर्मिंदगी, संक्रमण और मानसिक तनाव का जोखिम बढ़ जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक ब्लड शुगर लेवल बढ़ा रहने से मूत्राशय को नियंत्रित करने वाली नसें प्रभावित हो सकती हैं, जिसके कारण यूरिन लीकेज, अचानक पेशाब की तीव्र इच्छा और बार-बार उठने जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। फ्रेंड्स एडल्ट डायपर के सीएमजीओ कार्तिक जोहरी ने कहा कि डायबिटिक इनकॉन्टिनेंस पर बात न होने से कई लोग चुपचाप परेशान होते रहते हैं, जबकि सही मार्गदर्शन और हाइजीन सॉल्यूशंस से इसे प्रभावी रूप से मैनेज किया जा सकता है। ब्रांड के अनुसार, आधुनिक तकनीक से बने पतले और आरामदायक डायपर मरीजों को आत्मविश्वास और सम्मानजनक जीवन जीने में मदद करते हैं। परिवारों और केयरगिवर्स से भी नियमित जांच, सहयोग और खुलकर संवाद करने की अपील की गई है, ताकि समय रहते समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

फरीदाबाद में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक संपन्न

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में राज्यों ने सुरक्षा, जल बंटवारे, शिक्षा व स्वास्थ्य पर की विस्तृत चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

देश में सहकारी संघवाद को मजबूत करने और राज्यों के बीच लंबित मुद्दों पर समाधान तलाशने के उद्देश्य से उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक सोमवार को सूरजकुंड, फरीदाबाद में आयोजित हुई। केंद्रीय गृहमंत्री एवं परिषद के चेयरमैन अमित शाह की अध्यक्षता में हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान के मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा चंडीगढ़ के प्रशासक शामिल हुए।

बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री एवं परिषद के वाइस-चेयरमैन नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों एवं प्रतिनिधियों का शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा द्वारा परंपरागत गोहाना जलेबी और शॉल भेंट कर की गई मीठी मेहमाननवाजी विशेष आकर्षण रही।

एक भारत श्रेष्ठ भारतः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैठक में कहा कि भारत के तीव्र विकास के लिए राज्यों के बीच निरंतर सहयोग, ज्ञान-साझा और संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत ञ2047 संकल्प को साकार करने के लिए हरियाणा सरकार तेजी से काम कर रही है। सैनी ने बताया कि हरियाणा में तीन नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद पॉक्सो मामलों की सुनवाई तेज हुई है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा के सबसे छोटे गांव में भी बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध हैं। सैनी ने बताया कि सरकार ने अपने संकल्प पत्र के 217 वादों में से 47 वादे पहले ही वर्ष में पूरे कर दिए हैं। दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 5.22 लाख महिलाओं को 2100-2100 रुपये की राशि दी जा चुकी है और आवेदन संख्या जल्द 15 लाख तक पहुंच जाएगी।

पानी हम सबकाः मुख्यमंत्री ने जल विवाद के एजेंडे पर कहा कि राज्यों के हिस्से का पानी उन्हें मिलना चाहिए। हरियाणा लगातार दिल्ली को अपने हिस्से से अधिक पानी दे रहा है, जबकि एस.वाई.एल. नहर न बनने के कारण हरियाणा को पंजाब से पूरा पानी नहीं मिल पाता। सैनी ने कहा कि जल संरक्षण और नदियों को स्वच्छ रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि हरियाणा यमुना नदी को स्वच्छ बनाए रखने के लिए हर आवश्यक प्रयास कर रहा है।

शिक्षा सहयोगः बैठक में सैनी ने कहा कि हरियाणा, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में अपना योगदान करना चाहता है। यदि हरियाणा के कुछ कॉलेज विश्वविद्यालय से संबद्ध हो जाते हैं तो इससे विश्वविद्यालय को भी राजस्व और अकादमिक मजबूती मिलेगी तथा हरियाणा के विद्यार्थियों को भी उच्च गुणवत्ता की शिक्षा का लाभ मिलेगा।

हिमाचल ने उठाया मुद्दाः हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने बैठक में कहा कि क्लाइमेट चेंज के कारण तापमान हर साल बढ़ रहा है, जिससे पहाड़ी राज्यों में आपदाएं बढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में गृह मंत्री अमित शाह से व्यक्तिगत चर्चा के बाद एक कमेटी बनाई गई है, जिसकी रिपोर्ट भविष्य में बड़े फैसलों का आधार बनेगी।

कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चाः बैठक में आंतरिक सुरक्षा, महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों की तेज सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की स्थापना, बिजली आपूर्ति, शहरी योजना, पोषण, सहकारी समितियों के सशक्तिकरण जैसे कई मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। केंद्रीय गृहमंत्री ने राज्यों को सहयोग, संवाद और समन्वय की भावना को और मजबूत करने पर जोर दिया।

उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की स्थापना का उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच विवादों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में सुलझाना है। पिछले 11 वर्षों में परिषद और इसकी स्थायी समितियों की 63 बैठकें हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने आशा व्यक्त की कि इस बैठक में हुए विचार-मंथन से कई अंतरराज्यीय मुद्दों का समाधान मिलेगा और यह बैठक एक भारत श्रेष्ठ भारत को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक साबित होगी।

सीएम ने किया स्वागत

बैठक के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इसे भी अतिथियों ने भरपूर सराहा।

डॉ. प्रशांत गुप्ता को मिली एआई इन मेडिसिन की डिग्री

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कॉलेज ऑफ आर्टिफिशियन इंटेलिजेंसी इन मेडिसिन, इंडिया के वार्षिक महोत्सव में देशभर से वरिष्ठ चिकित्सक, विशेषज्ञ और तकनीकी विद्वान एकत्र हुए। कार्यक्रम में स्वास्थ्य क्षेत्र में उभरती नई तकनीकों तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर डॉ. प्रशांत गुप्ता को आर्टिफिशियन इंटेलिजेंसी इन मेडिसिन आधारित उन्नत कोर्स एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर औपचारिक कन्वोकेशन सैरेमनी में डिग्री प्रदान की गई। समारोह के दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. सी. कुलकर्णी ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए।

डॉ. प्रशांत गुप्ता ने कहा कि एआई अब केवल तकनीकी शब्द नहीं, बल्कि एआईएम- आर्टिफिशियन इंटेलिजेंसी, मॉडर्न टेक्नॉलॉजी के रूप में नई दिशा दिखाने वाली शक्ति बन चुका है। आगामी वर्षों में एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, परिवहन और प्रशासन जैसे सभी क्षेत्रों पर गहरा प्रभाव डालेगा। डॉ. गुप्ता ने कई तकनीकी सत्रों, पैनल चचाओं और कार्यशालाओं में सक्रिय भागीदारी की तथा अपने अनुभवों से युवा चिकित्सकों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले दशक में एआई स्वास्थ्य क्षेत्र की रीढ़ बनने वाला है, इसलिए इसे समझना और अपनाना समय की आवश्यकता है।

दिल्ली ब्लास्ट में डॉक्टर-इमाम-पेशेंट मॉड्यूल का भंडाफोड़

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दिल्ली ब्लास्ट केस जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, जांच एजेंसियों के सामने आतंकियों का एक ऐसा मॉड्यूल खुलकर सामने आया है जिसने डॉक्टर, इमाम और मरीज तीनों को एक ही जाल में पिरो दिया था। यह मॉड्यूल अल-फलाह यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद की जमीन से संचालित होता था, जहां से आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट, रेडिकलाइजेशन ग्राउंड और सुरक्षित ठिकाने मिलते थे। डॉक्टरों पर आरोप है कि वे मरीजों की मदद के बहाने ऐसे लोगों की तलाश करते थे जिन्हें आसानी से अहसान में दबाकर इस्तेमाल किया जा सके। अब तक ऐसे तीन केस सामने आ चुके हैं, जिनमें युवा मरीजों और उनके परिवारों को स्लीपर सेल की तरह प्रयोग किया गया।

मुख्य आरोपी डॉ. मुजम्मिल शकील, लेडी डॉक्टर डॉ. शाहीन सईद और डॉ. उमर नबी न सिर्फ ऑपरेशन और इलाज करते थे, बल्कि मरीजों के घर जाकर उनकी परिस्थितियों का अध्ययन भी करते थे। जिन परिवारों को आर्थिक, सामाजिक या चिकित्सा जरूरत थी, उन्हें धीरे-धीरे अपने प्रभाव में लेकर नेटवर्क का हिस्सा बनाया जाता था। इसी प्रक्रिया में बाशिद नामक युवक इस नेटवर्क में फंस गया।

इमामों की मददः डॉ. मुजम्मिल ने यूनिवर्सिटी मस्जिद के इमाम मोहम्मद इश्तियाक और सिरोही गांव के इमाम इमामुद्दीन को भी इलाज और मदद के बहाने अपने मॉड्यूल का हिस्सा बनाया। इश्तियाक का घर किराए पर लेकर वहां 2,500 किलो से अधिक अमोनियम नाइट्रेट रखा गया। पड़ोसियों को कहा गया कि यह खाद है। इमाम के परिवार ने बताया कि डॉक्टर अक्सर घर आते-जाते थे और उनकी मदद भी करते थे।

बाशिद का केसः धौज गांव के बाशिद के पिता करीब डेढ़ साल पहले पैरालाइज हो गए थे। इलाज के दौरान अल-फलाह यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में डॉ. मुजम्मिल से मुलाकात हुई। डॉक्टर कई बार घर आते रहे और परिवार का भरोसा जीतते रहे। बाद में बाशिद को मेडिसिन विभाग की एचओडी डॉ. शाहीन के हवाले कर अस्पताल में क्लर्क की नौकरी भी दिलवाई गई। इसके बाद डॉ. उमर और मुजम्मिल उसे निजी कामों के लिए इस्तेमाल करने लगे। नूंह से संदिग्ध सामान लाना, कारें इधर-उधर ले जाना और नेटवर्क के लोगों से मिलाना। यही बाशिद वह व्यक्ति है जिसने दिल्ली ब्लास्ट में खुद को उड़ा चुके डॉ. उमर नबी की रेड ईको स्पोर्ट्स कार अपनी बहन के घर में छिपाई थी।

डॉ. उमर नबी ने हथियार छिपाएः उमर नबी ने नूंह में किराए के घर के आसपास प्रतिबंधित पिस्टल और अन्य हथियार छिपाए थे। कुछ बरामद हुए, लेकिन विस्फोटक का बड़ा हिस्सा बरामद नहीं किया जा सका। दिल्ली ब्लास्ट साइट से कारतूस मिले, जो आईईडी से जुड़े पाए गए।

एनआईए और ईडी कर रही जांचः एनआईए यह पता लगाने में जुटी है कि यूनिवर्सिटी को फंड कहां से मिल रहे थे। ईडी जमीन के कागजात, बैंकिंग रिकॉर्ड, हॉस्टल एंट्रीज और फैकल्टी भर्ती की जांच करेगी। नौगाम थाने में विस्फोटक गलती से रखने से हुए ब्लास्ट के बाद फरीदाबाद सीपी ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को ज्वलनशील सामग्री अलग रखने और पटाखे-सिलेंडर तुरंत हटाने के निर्देश दिए हैं।

अंडरग्राउंड मदरसे के लिए फंडिंग

जांच में सामने आया कि यूनिवर्सिटी से करीब 700 मीटर दूरी पर एक इमारत को मदरसे के रूप में डिवेलप किया जा रहा था। इसका चेहरा इमाम इश्तियाक था, जबकि फंडिंग डॉ. मुजम्मिल कर रहा था। यहां 15-20 बच्चों को रोज दीनी तालीम दी जाती थी। एजेंसियों को शक है कि इन बच्चों को ब्रेनवॉश कर भविष्य का स्लीपर सेल तैयार किया जा रहा था।

मोबाइल स्नेचिंग करने के दो दोषियों को पांच साल की सजा

गुरुग्राम। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एवं सेशन जज सुनील कुमार दीवान की अदालत ने युवक से मोबाइल छीनने के मामले में सुनवाई करते हुए सबूतों एवं गवाहों के आधार पर दो आरोपियों को दोषी करार दिया है। अदालत ने उन्हें पांच साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर जुमार्ना भी लगाया है। जुर्माना न भरने पर दोनों को अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। जानकारी के मुताबिक 12 अप्रैल 2024 को एक व्यक्ति ने सेक्टर-18 थाना पुलिस को शिकायत देकर कहा था कि 11 अप्रैल को वह ब्लिस वाटिका सेक्टर-17 ट्रैफिक सिग्नल के पास से घर जा रहा था। तभी बाइक पर सवार दो युवक आए और उसका मोबाइल छीनकर फरार हो गए। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को काबू किया, जिनकी पहचान वैशाली बिहार निवासी चोटन उर्फ मोदी व नालंदा बिहार निवासी मन्नु कुमार के रूप में हुई।

हरियाणा के प्रोफेसर डॉ. संदीप सिंहमार के आविष्कार को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

- यूनाइटेड किंगडम से ई-कॉमर्स और ऑनलाइन भुगतान सुरक्षा उपकरण का मिला पेटेंट ग्रांट

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ऑनलाइन फ्रॉड रोकने के लिए हरियाणा के प्रोफेसर डॉ. संदीप सिंहमार को यूनाइटेड किंगडम इंटेलेक्चुअल प्रोप्टर्टी ऑफिस से रजिस्टर्ड पेटेंट डिजाइन ग्रांट मिला है। यह डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम में डिजाइन-आधारित नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह उपकरण ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान में बढ़ती धोखाधड़ी को रोकने में सक्षम है।

डॉ. संदीप सिंहमार का यह नवाचार ऑनलाइन भुगतान धोखाधड़ी की जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए खास तौर पर विकसित किया गया है। यह उपकरण फ्रॉड ऐप और संदिग्ध वेबसाइटों को वास्तविक समय में पहचान कर धोखाधड़ी से बचाव करता है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन लेनदेन सुरक्षित होता है। रियल टाइम भुगतान धोखाधड़ी के ताजा मामले बताते हैं कि अधिकृत पुश भुगतान धोखाधड़ी, खाता अधिग्रहण, फिशिंग हमले, और सीईओ फ्रॉड जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। उदाहरण के लिए, एप्प धोखाधड़ी में स्कैमर्स किसी ग्राहक को धोखा देकर स्वयं को भुगतान का अधिकृत करता है और तुरंत पैसे ट्रांसफर करवा लेता है।

डॉ. संदीप सिंहमार की यह सफलता ई-कॉमर्स और ऑनलाइन भुगतान को सुरक्षित बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

लोगों से बड़े पैमाने पर हो रही है धोखाधड़ी

खाता अधिग्रहण में स्कैमर्स/अपराधी किसी व्यक्ति के ऑनलाइन बैंक या ई-कॉमर्स अकाउंट तक अनधिकृत पहुंच बनाकर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी करते हैं। ये घटनाएं लाखों लोगों और व्यवसायों को भारी नुकसान पहुंचा रही हैं। डॉ. संदीप सिंहमार का उपकरण इन जोखिमों को कम करने के लिए मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों का उपयोग करता है, जो भुगतान के दौरान संदिग्ध गतिविधियों को तुरंत पहचाने और रोक सके। इससे न केवल उपयोगकर्ता वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, बल्कि धोखाधड़ी की घटनाओं में तेजी से कमी भी आएगी।

शाहिद कपूर व तमन्ना भाटिया बनें फैशन शो के शो स्टॉपर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अभिनेता शाहिद कपूर और अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने गुरुग्राम में आयोजित फैशन शो में रैंप पर कैटवाक करते हुए फैशन की दुनिया के नए परिधानों को लॉन्च किया। द वन एंड ओनली की थीम पर आधारित ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर में डिजायनर फाल्गुनी और शेन पीकॉक के डिजायन किए गए कलेक्शन को यहां शो स्टॉपर शाहिद कपूर व तमन्ना भाटिया ने प्रस्तुत किया। इस फैशन शो में रोबोटिक गर्ल्स और डॉग आकर्षक का केंद्र रहा। इस दौरान शाहिद कपूर और तमन्ना भाटिया ने कहा कि यह शुरूआत है। भविष्य में इससे फैन को देखने और महसूस करने का पूरा अंदाज बदल जाएगा। फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) के साथ यह फैशन टूर देश के प्रमुख डिजाइनरों और मशहूर स्टाइल आइकॉन को एक मंच पर लाने का प्रयास है। गुरुग्राम के बाद यह टूर जयपुर पहुंचेगा, जहां हाई ऑक्टेन कूचर थीम के तहत डिजाइनर अभिषेक पाटनी और नम्रता जोशीपुरा मोटर स्पोर्ट्स की स्पीड, पावर और प्रिसिजन को फैशन रनवे पर उतारेंगे। इसमें मशहूर डिजाइनर अनामिका खन्ना की वापसी होगी। उनके साथ ईशान खट्टर नजर आएंगे।

गुरुग्राम में जल्द बनेगा 400 बेड का आधुनिक अस्पतालः स्वास्थ्य मंत्री

- गुरुग्राम जिले में बनेंगे 30 आरोग्य सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने कहा कि गुरुग्राम में 400 बेड के अत्याधुनिक अस्पताल का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। प्रदेश सरकार शीघ्र ही अस्पताल निर्माण के लिए टेंडर आमंत्रित करेगी। अस्पताल में 400 बेड के साथ 200 अतिरिक्त बेड के विस्तार की भी व्यवस्था निर्माण चरण में ही की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री सोमवार को सेक्टर-10 कादीपुर रोड स्थित रोटरी ब्लड बैंक सेंटर में सोलर पावर प्लांट का शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी।

इन दोनों मशीनों को समाजसेवी ओमप्रकाश कथूरिया (ओम स्वीट्स) की ओर से पंजाबी बिरादरी महा संगठन को अपने सीएसआर से फंड दिया गया। महा संगठन ने स्वास्थ्य विभाग को ये मशीनें दोनों अस्पतालों के लिए भेंट की। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने रोटरी ब्लड केंद्र का निरीक्षण किया, सुविधाओं का जायजा लिया तथा थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों से बातचीत की। उन्होंने रोटरी क्लब को 11 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा भी की।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गुरुग्राम शहर की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने के लिए सरकार जिले में 30 अर्बन आरोग्य केंद्र स्थापित करने जा रही है। प्रदेश में स्वास्थ्य संरचना को सुदृढ़ करते हुए हाल ही में 1100 डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। आने वाले दिनों में और नियुक्तियां की जाएंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने सोहना नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन तथा फरुखनगर नागरिक अस्पताल में डिजिटल एक्स-रे मशीन का भी उद्घाटन किया।

महा संगठन सामाजिक परिकल्पना में अग्रदूत बनकर काम कर रहाः महा संगठन के अध्यक्ष बोध राज सीकरी ने कहा कि पंजाबी बिरादरी महा संगठन गुरुग्राम सामाजिक परिकल्पना में अग्रदूत बनकर काम कर रहा है। समय-समय पर समाजहित के कार्यों को सिरे चढ़ाकर आमजन को सुविधा प्रदान की जाती है। इस मौके पर रोटरी ब्लड सेंटर गुरुग्राम की ओर से प्रधान मुकेश शर्मा, उपप्रधान रविंद्र जैन, महासचिव डा. मुनीष खुल्लर ने पंजाबी बिरादरी महा संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की व उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

सिर्फ घोषणाओं में बन रहा 400 बेड का अस्पतालः डावर

गुरुग्राम। बीमार जनता को ठीक करने के लिए अब स्वास्थ्य मंत्री ने 400 बेड का अस्पताल बनने की घोषणा कर दी है। इससे पहले कभी 700 तो कभी 500 बेड का अस्पताल बनाने की घोषणा मंत्री और मुख्यमंत्री कर चुके हैं। भाजपा सरकार अब तक यह ही तय नहीं कर पाई है कि गुडगांव में आखिर कितने बेड का अस्पताल बनाया जाए। सोमवार को एक बार फिर से स्वास्थ्य मंत्री द्वारा 400 बेड का अस्पताल बनाने की घोषणा भी छलावा ही है। यह गुडगांव की जनता के साथ धोखा है। यह कहना है कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर का।

सोमवार को यहां स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव द्वारा गुरुग्राम में जल्द 400 बेड का अस्पताल बनाने की घोषणा पर पंकज डावर ने कहा कि अपने लिए तो सरकार ने ढाई साल में आलीशान रेस्ट हाउस बना लिया, मगर गरीबों के इलाज के लिए बनाने के लिए तोड़ा गया अस्पताल छह साल में एक ईंट तक नहीं लगाई है। पंकज डावर ने कहा कि 700 बेड के इस अस्पताल के अलावा सेक्टर-65 में भी 300 बेड का एक मल्टी स्पेशियलिटी सरकार अस्पताल बनाने की बात कही गई थी।

पायनियर

नई दिल्ली, मंगलवार, 18 नवंबर 2025

गाजियाबाद पुलिस ने लॉन्च किया सीसीएमएस

- न्यायिक पारदर्शिता और डिजिटल पुलिसिंग की दिशा में बड़ा कदम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने न्यायिक पारदर्शिता और नागरिक सुविधा को नई दिशा देते हुए सोमवार को 'कमिश्नरेट कोर्ट्स मॉनिटरिंग सिस्टम' (सीसीएमएस) की औपचारिक शुरूआत की है। यह वेब-आधारित प्रणाली बीएनएसएस की विभिन्न धाराओं, गुंडा एक्ट और गैंगस्टर एक्ट से जुड़े मामलों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग करेगी। इसके माध्यम से आम नागरिक अपने केस की अगली तारीख और वर्तमान स्थिति घर बैठे जान सकेंगे। पुलिस कमिश्नरेट का कहना है कि यह कदम डेटा-चालित और जन-केंद्रित पुलिसिंग को मजबूत करेगा, जिससे न्यायिक कार्यवाही अधिक पारदर्शी और सरल बनेगी।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय/अपराध केशव कुमार चौधरी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात आलोक प्रियदर्शी, पुलिस उपायुक्त नगर धवल जायसवाल, पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन निमिष पाटील, पुलिस उपायुक्त यातायात त्रिगुण बिसेन, सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी प्रियाश्री पाल और सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस के अनुसार अप्रैल 2025 में पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ द्वारा जारी सिटीजन चार्टर के बाद गाजियाबाद पुलिस ने कई जन-केंद्रित पहलें लागू कीं। एफआईआर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की होम डिलीवरी व्यवस्था के तहत अब तक 5631 एफआईआर सीधे नागरिकों के घर भेजी गई हैं। फीडबैक सेल की स्थापना के बाद 56,231 फीडबैक प्राप्त हुए, जिनमें 39 नकारात्मक फीडबैक मिलने पर संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई।

जनशिकायत विभाग में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिकायतों का तुरंत निस्तारण किया जा रहा है। वहीं शिष्टाचार नीति के तहत हर बुधवार थानों में वादी संवाद दिवस आयोजित होने से पुलिस और जनता के बीच संवाद और विश्वास बढ़ा है। थानों में आगंतुकों के बैठने, सहायता कक्ष और 'संभ्रान्त 100' जैसी नागरिक-केंद्रित सुविधाएं भी शुरू की गई हैं।

सीसीएमएस का मुख्य उद्देश्य न्यायिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाना है। इसके जरिए नागरिक अपने केस की अगली तारीख, प्रगति और स्थिति ऑनलाइन देख सकेंगे। पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारी लाइव डैशबोर्ड से सभी मामलों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग कर सकेंगे। यह प्रणाली मामलों के समयबद्ध निस्तारण, अधिकारियों की जवाबदेही और बेहतर डेटा-आधारित निर्णय लेने में मदद करेगी। डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन से कागजी कार्यवाही कम होगी, जबकि जमानत बांड की ऑनलाइन निगरानी से फर्जी जमानत पर प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी।

नागरिक सीसीएमएस पोर्टल का उपयोग बेहद आसानी से कर सकते हैं। अपने मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर पर ब्राउजर खोलकर ccms.ghaziabadpolice.com टाइप करें या क्यूआर कोड स्कैन करें।

वेबसाइट खुलने पर 'अग्रिम तिथि जानें' विकल्प चुनें और उसमें आयुक्तालय, अदालत, संबंधित धारा/अधिनियम और वाद संख्या भरें। इसके बाद 'खोजें' पर क्लिक करते ही आपके मामले की पूरी जानकारी- पिछली तारीख, अगली सुनवाई की तारीख और केस की वर्तमान स्थिति सहित पूरी जानकारी स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाएगी।

सीसीएमएस क्या है?

सीसीएमएस एक वेब-आधारित डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम है, जिसके माध्यम से गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में दर्ज बीएनएसएस की धाराओं 126, 129, 152, 164, 170, गुंडा एक्ट और गैंगस्टर एक्ट से जुड़े मामलों की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। साथ ही, आम नागरिक भी अपने मामलों की अग्रिम सुनवाई तिथि और वर्तमान स्थिति घर बैठे जान सकेंगे।

> पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने कहा कि सीसीएमएस न्यायिक पारदर्शिता और नागरिक सुविधा को नए स्तर पर पहुंचाएगा। यह पहल न केवल पुलिसिंग को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम है, बल्कि इससे जनता का भरोसा भी और मजबूत होगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे इस डिजिटल सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें और एक बेहतर, जवाबदेह और पारदर्शी पुलिसिंग व्यवस्था के निर्माण में सहयोग दें।

यातायात माह : पुलिस ने लोगों को सड़क सुरक्षा और नियमों के प्रति किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश शासन और यातायात निदेशालय, लखनऊ के निदेर्शानुसार नवंबर को पूरे जिले में यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त, गाजियाबाद के निर्देशन और पुलिस आयुक्त-यातायात के देखरेख में जिले भर में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस क्रम में आज आईपीईएम कॉलेज में यातायात पुलिस द्वारा पीपीटी और वीडियो माध्यम से छात्रों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई और उनका पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। अब तक कुल 124 स्कूल और कॉलेजों के छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा चुका है। कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली रितेश त्रिपाठी, सहायक पुलिस आयुक्त-यातायात प्रथम जियाउद्दीन अहमद, थाना प्रभारी विजयनगर धर्मपाल सिंह, यातायात निरीक्षक प्रथम अशेष कुमार, यातायात निरीक्षक द्वितीय अजय कुमार सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही

- **बिना हेलमेट:** 40,672 वाहनों के चालान
- **बिना सीट बेल्ट:** 1,253 वाहनों के चालान
- **मोबाइल फोन उपयोग:** 938 वाहनों के चालान
- **रॉग साइड:** 7,255 वाहनों के चालान
- **तीन सवारी:** 3,075 वाहनों के चालान
- **काली फिल्म:** 1,654 वाहनों के चालान
- **बिना बीमा:** 1,109 वाहनों के चालान
- **बिना प्रदूषण प्रमाण पत्र:** 1,226 वाहनों के चालान
- **बिना ड्राइविंग लाइसेंस:** 1,005 वाहनों के चालान
- **छूटर सायरन/प्रेशर हॉर्न:** 721 वाहनों के चालान
- **जाति सूचक शब्द:** 932 वाहनों के चालान

संक्षिप्त खबरें

आयुष्मान आरोग्य मेले की हर रविवार होगी निगरानी

गाजियाबाद। आयुष्मान आरोग्य मेले की अब हर रविवार को निगरानी होगी। डॉक्टरों और स्टाफ के नदारद रहने की शिकायतों के बाद शासन ने सभी सीएमओ को निरीक्षण के निर्देश दिए है। इसको लेकर क्षेत्रवार जांच अधिकारी नियुक्त किए जा रहे है। एक अधिकारी तीन सेंटरों का निरीक्षण करेंगे। अगले रविवार से निरीक्षण शुरू किए जाएंगे। यह रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। शासन के निर्देश पर प्रत्येक रविवार को हर पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) पर आयुष्मान आरोग्य मेले का आयोजन किया जाता है। जिले के शहरी क्षेत्र में 53 और ग्रामीण क्षेत्र में 15 पीएचसी पर मरीजों के इलाज के लिए मेला लगता है। इसका फायदा उन मरीजों को होता है कि जो सोमवार से शनिवार को कार्यदिवस के चलते सरकारी अस्पताल नहीं पहुंच पाते है। रविवार को अवकाश होने पर मरीज पीएचसी पर उपचार करा सकता है। हालांकि, कुछ जरूरी जांच के लिए मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किया जाता है। कई केंद्रों पर इस तरह की शिकायतें मिल रही है कि डॉक्टर और स्टाफ अनुपस्थित रहते हैं या देरी से आते हैं। मेला में 10 बजे तक स्टाफ का होना अनिवार्य है। लेकिन 12 बजे तक स्टाफ नहीं पहुंचता। अधिकारी भी रविवार की छुट्टी होने की वजह से ज्यादा ध्यान नहीं देते। इसका संज्ञान लेकर अब शासन ने सभी सीएमओ को रविवार को आरोग्य मेले के नियमित निरीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। सीएमओ डा. अखिलेश मोहन का कहना है कि शासन से मिले पत्र के बाद तीन स्वास्थ्य केंद्रों पर एक नोडल अधिकारी की तैनाती की जा रही है।

वीवीआईपी इंस्टीट्यूट ने 79 रन से मैच जीता

गाजियाबाद। एचएलएम क्रिकेट मैदान में चल रहे रामजीलाल अंडर-14 क्रिकेट टूनार्मेंट में सोमवार को वीवीआईपी इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिकेट और नेहरू युवा केंद्र के बीच मैच खेला गया। मैच में वीवीआईपी इंस्टीट्यूट की टीम ने 79 रन से जीत हासिल की। बल्लेबाजी करते हुए वीवीआईपी इंस्टीट्यूट की टीम ने निर्धारित 40 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 309 रन बनाए। मुकुल कुमार ने 104 रन की पारी खेली और शौर्य तोमर ने 90 रन बनाए। विरोधी टीम से गेंदबाजी में मोहम्मद असद ने दो विकेट लिए। जवाब में खेलते हुए नेहरू युवा केंद्र की टीम 40 ओवर में पांच विकेट पर 230 रन बना पाई। केतन ने नाबाद 54 रन बनाए। मुकुल कुमार को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का लोकार्पण

मुरादनगर। गांव भदौली में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का सोमवार को विधायक अजीतपाल त्यागी और वैज्ञानिक डॉ. बृजभूषण त्यागी ने लोकार्पण किया। विद्यालय में 100 छात्राएं कक्षा नौ से इंटर तक की शिक्षा गृहण करेंगी। गांव भदौली में पांच करोड़ रुपये से कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निर्माण कराया गया है। भवन पूरी तरह से तैयार हो चुका है। सत्र 2026 से विद्यालय में छात्राएं शिक्षा गृहण करना शुरू कर देंगी। विधायक अजीतपाल त्यागी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ का सपना है कि कोई भी छात्राएं शिक्षा से वचिंत न रहे। बालिकाएं शिक्षित होंगी तो नए समाज का निर्माण हो सकेगा। विधायक ने कहा कि आज देश में नहीं, बल्कि विदेशों में महिलाएं अपना नाम रोशन कर रही हैं। इस विद्यालय के बनने से ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को काफी लाभ मिल सकेगा।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में वांछित दबोचा

गाजियाबाद। थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने 16 नवंबर को दुष्कर्म के अभियोग में वांछित अभियुक्त मिथुन (उम्र 22 वर्ष), पुत्र राजकुमार, निवासी विकास कुंज, थाना लोनी बॉर्डर को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई। आरोपी के खिलाफ पहले 12 नवंबर को वादी द्वारा तहरीर दी गई थी कि उसकी नाबालिग पुत्री (लगभग 17 वर्ष) को मिथुन ने बहला-फुसलाकर ले जाने का प्रयास किया। तहरीर के आधार पर थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने तत्काल संबंधित धारा 137(2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया और पीड़िता को बरामद कर जांच शुरू की। पीड़िता के बयानों के आधार पर मामला बढ़ाकर धारा 64(1) बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया गया। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में आरोपी ने घटना को स्वीकार करते हुए बताया कि उसने वादी की पुत्री को दोस्ती के बहाने ले जाकर शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस टीम ने इस मामले में तत्परता और तेजी दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पेड़ों की पूजा कर संरक्षण का संदेश दिया

ट्रांस हिंडन। इंदिरापुरम स्थित शिप्रा कृष्णा विस्टा सोसाइटी में रविवार को लोगों ने काटे गए पेड़ों की पूजा की। साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ और राम नाम की 108 माला जपी। लोगों ने बताया कि एओए ने यहां अवैध रूप से पेड़ काट दिये थे। इसका लगातार विरोध किया जा रहा है। लोगों ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण के बीच यह कदम न सिर्फ विरोध में उठाया गया बल्कि इससे पर्यावरण संरक्षण का दृढ़ संदेश देने की भी कोशिश की गई है। वहीं एओए की उपाध्यक्ष निवेदिता तिवारी का कहना है कि फ्लैटों के अंदर जा रही टहनियों की छंटाई की गई थी। पेड़ नहीं काटे गए हैं।

गोरविंद विस्टा ने खिताब अपने नाम किया

ट्रांस हिंडन। इंदिरापुरम न्याय खंड एक स्थित टीएनएम स्पोर्ट्स एकेडमी में रविवार को बॉक्स क्रिकेट टूनार्मेंट का समापन हुआ। यह टूनार्मेंट यूनाइटेड स्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा आयोजित कराया गया। जिसमें आसपास की 10 सोसाइटी से खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अंडर-14 वर्ग में गोरविंद विस्टा ने फाइनल मैच जीतकर खिताब हासिल किया, जबकि 30 वर्ष से अधिक उमर के खिलाड़ियों में अमरपाली विलेज सोसाइटी विजेता रही। इस मौके पर अजय यादव, मनोज ठाकुर, पुनीत मरवाह और रवि आदि लोग उपस्थित रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका की समीक्षा बैठक संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

महात्मा गांधी सभागार, कलैक्ट्रेट में जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मांदड़ के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका (विकास कार्यों से संबंधित) और सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित रु.1 करोड़ से अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक में जनपद की कुल 87 योजनाओं की समीक्षा की गई। इनमें से 15 योजनाएं जनपद में संचालित नहीं हो रही हैं, जबकि शेष 72 परियोजनाओं में से 55 को ए ग्रेड, 8 को बी ग्रेड, 4 को सी ग्रेड और 5 को डी ग्रेड दिया गया। बी, सी और डी ग्रेड प्राप्त करने वाले विभागों को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कार्यशैली सुधारने के लिए निर्देशित किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने विशेष रूप से पीएम सूर्य घर योजना के प्रचार-प्रसार और लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने फैमिली आईडी बनाने, फार्मर रजिस्ट्री अपूर्ण किसानों की पूर्ति और निवार्चन कार्यों को तय समय पर पूरा करने के लिए सभी विभागों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि कार्य समय पर पूरे नहीं हुए तो संबंधित विभागों के खिलाफ नोटिस सहित कार्रवाई की जाएगी। सीएमआईएस पोर्टल पर समीक्षा के दौरान यह जानकारी मिली कि जनपद में कुल 321 परियोजनाएं हैं, जिनमें 157 पूर्ण, 119 अपूर्ण और अक्टूबर माह में 45 परियोजनाएं विलम्बित हैं। बैठक में ससंबंधित विभागों के अध्यक्षों, अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाः लापरवाही बरतने वाले संस्थानों पर होगी सख्त कार्रवाई

गाजियाबाद। दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में जनपद के उच्च शिक्षण संस्थानों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में यह सामने आया कि 28 शिक्षण संस्थानों ने छात्रवृत्ति मास्टर डाटाबेस डिजिटली लॉक नहीं किया और 104 संस्थाओं ने संबंधित एफिलिएटिंग एजेंसी स्तर पर मास्टर डाटाबेस लॉक नहीं कराया। सीडीओ ने बताया कि संस्थाओं की इस लापरवाही के कारण कई छात्र छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति से वंचित हो सकते हैं। इसके अलावा, जिन संस्थाओं ने मास्टर डाटा लॉक कर लिया है, उनके स्तर से छात्र/छात्राओं के आवेदन आगे नहीं भेजे जा रहे हैं, जिससे छात्रवृत्ति मिलने में दिक्कत हो रही है। इसलिए, मुख्य विकास अधिकारी ने सख्त निर्देश जारी किए हैं कि संलग्न सूची में शामिल लापरवाह संस्थाओं के नाम प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किए जाएं। इन संस्थाओं को दो दिन के भीतर मास्टर डाटाबेस लॉक करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि संस्थाएं आदेश का पालन नहीं करती हैं, तो उन्हें ब्लैकलिस्ट कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निर्माणाधीन प्रोजेक्ट जल्द होंगे तैयार, बाधाएं होगी दूर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जीडीए की निर्माणाधीन परियोजनाओं में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाएगा। इन परियोजनाओं से जुड़े अधिकारी इनकी हर महीने समीक्षा करेंगे, ताकि इन्हें तय तिथि तक पूरा किया जा सके। अगर किसी परियोजना में कोई दिक्कत होगी, तो उसे उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

जीडीए की विभिन्न योजनाओं में कई प्रोजेक्ट चल रहे हैं। यह प्रोजेक्ट कई साल से निमार्णाधीन है। इन प्रोजेक्टों को प्राधिकरण अभी तक पूरा नहीं कर सका है। इस बारे में जीडीए सचिव ने पिछले दिनों बैठक कर पूरी जानकारी ली थी। साथ ही उन्होंने सभी निमार्णाधीन प्रोजेक्ट की फाइल तलब की, ताकि उनमें आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सके।

इस संबंध में जीडीए सचिव को फाइल भी उपलब्ध हो गई है। अब वह सभी प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी कर रहे हैं। साथ ही इन प्रोजेक्ट की धीमी गति से चलने का मुख्य कारण भी तलाशा जा रहा है। वहीं, परियोजना अधिकारियों को भी हर महीने समीक्षा बैठक कर सभी बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए हैं।

जीडीए अधिकारी बताते हैं कि इनमें ज्यादातर प्रोजेक्ट वह है, जिनका अंतिम चरण में निर्माण कार्य चल रहा है। इन्हें जल्द पूरा करके अन्य प्रोजेक्टों को आगे बढ़ाया जा सकेगा। यह है निमार्णाधीन प्रोजेक्ट मधुबन बापूधाम में निर्माणाधीन प्राधिकरण का कार्यालय, मधुबन बापूधान आरओबी, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पांच प्रोजेक्ट, बुनकर मार्ट, राजनगर एक्सटेंशन की जोनल रोड, नॉर्दर्न पेरिफेरल रोड आदि प्रोजेक्ट निर्माणाधीन है।

बुजुर्ग महिला मरीज की ऑपरेशन के दौरान मौत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

एमएमजी अस्पताल में सोमवार को बुजुर्ग महिला मरीज की ऑपरेशन के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल के ओपीडी कॉरिडोर में जमकर हंगामा किया और डॉक्टरों पर लापरवाही बरतते हुए ऑपरेशन के दौरान पेट की किसी नस के कटने का गंभीर आरोप लगाया। अस्पताल प्रशासन ने शव को मोर्चरी में रखवा कर पुलिस को सूचित कर दिया गया है।

विजयनगर के सेन विहार निवासी जयराम सिह की 60 वर्षीय पत्नी मुन्नी देवी को पेट में भीषण दर्द की समस्या थी। पिछले कई दिन से वह अस्पताल में उपचार करा रही थी। अस्पताल के सर्जन डा. महेंद्र ने अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन जांच, खून की जांच के बाद बताया कि पित्त की थैली में पथरी है। इसकी वजह से पित्त की थैली को निकालना पड़ेगा। इसके लिए ऑपरेशन कराने की सलाह दी। मुन्नी देवी की बेटी रेखा ने बताया कि सभी तरह की जांच के बाद उन्होंने अपनी मां को ऑपरेशन के लिए एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद 12 बजे के करीब मरीज को ऑपरेशन थिय.टर में ले जाया गया। सर्जन डॉ. महेंद्र कुमार और उनकी टीम ने ऑपरेशन शुरू किया।

मृतका की बेटी रेखा ने आरोप लगाया कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों की लापरवाही से एक बड़ी नस काट गई। इसके कारण मां की अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। इनसे खून की कई यूनिट मंगाई गई। मुन्नी देवी की मौत के बाद डॉक्टरों ने शव को देखने तक नहीं दिया और कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। इस बात को लेकर परिजनों ने ओपीडी कॉरिडोर में जमकर हंगामा किया। इस दौरान महिलाओं ने विलाप शुरू कर दिया। इससे माहौल गमगीन हो गया। बाद में अस्पताल के गार्डों ने मृतका के परिजनों को समझा-बुझाकर शांत किया।

फ्लैट से गहने चुराने वाली सहायिका गिरफ्तार

नोएडा। फेज-3 थाने की पुलिस ने सेक्टर-121 स्थित क्लियो काउंटी सोसाइटी के फ्लैट से गहने चोरी करने वाली घरेलू सहायिका को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उससे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। सेक्टर-121 स्थित क्लियो काउंटी सोसाइटी में रहने वाले हर्ष वसन ने दो दिन पूर्व एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि सीतापुर जिले के ककरई गांव निवासी सीमा उनके घर में बतौर घरेलू सहायिका काम करती थी। पत्नी नीलम ने सात नवंबर को सीमा को पाजेब और मंगलसूत्र घर की अलमारी में रखने के लिए दिए थे। आरोप है कि इसके बाद अलमारी में देखा तो पाजेब और मंगलसूत्र गायब थे। सीमा के मोबाइल पर कॉल करके संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन रिसीव नहीं किया। तब सीमा पर चोरी करने का संदेह गहरा गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी महिला को रविवार को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया।

कृष्णा प्लाजा में भीषण आगः मशक्कत के बाद पाया काबू, कोई जनहानि नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर-18 के प्रमुख व व्यस्त व्यावसायिक परिसर कृष्णा प्लाजा में सोमवार तड़के एक बार फिर भीषण आग लगने की घटना सामने आई। पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और जोरदार प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना सुबह 3 बजे के बाद की बताई गई है। नोएडा के सीएफओ प्रदीप चौबे के अनुसार, उन्हें 3 बजकर 20 मिनट पर आग लगने की बड़ी घटना की सूचना दी गई।

प्लाजा के बाहरी हिस्से में बने बड़े रेस्टोरेंटों की इलेक्ट्रिकल वायरिंग में हुए शॉर्ट सर्किट से आग भड़की। देखते ही देखते आग शाफ्ट के माध्यम से तेजी से फैलते हुए पांचवें तल तक पहुंच गई। आग की लपटें कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले चुकी थीं। मौके की संवेदनशीलता को देखते हुए फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियों को त्वरित रूप से लगाया गया। कई घंटों तक चले अभियान के बाद आग पर पूर्ण रूप से काबू किया जा सका। बताया जा रहा है कि आग लगने के समय पूरी बिल्डिंग बंद थी, जिसके चलते अंदर प्रवेश मुश्किल हो रहा था। ऐसे में स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड ने बिल्डिंग का शटर काटकर भीतर प्रवेश किया और आग बुझाने की प्रक्रिया शुरू की।

राहत की बात यह रही कि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, हालांकि लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। फायर टीम द्वारा पूरे परिसर की वेंटिलेशन व कूलिंग प्रक्रिया भी पूरी की गई है, ताकि आग दोबारा न भड़के।

गौरतलब है कि कुछ महीने पहले भी इसी कृष्णा प्लाजा में भीषण आग लगी थी, जिसमें लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों से कूदकर बाहर निकलना पड़ा था। उस घटना ने पूरे शहर को झकझोर दिया था और सुरक्षा मानकों पर सवाल खड़े किए थे। इसके बावजूद परिसर में अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई, यह सवाल फिर से उठ रहा है। इस बार भी हादसे के बाद बिल्डिंग की सुरक्षा व्यवस्था और इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बार-बार आग लगने की घटनाएं यह बताती हैं कि प्रबंधन और संबंधित एजेंसियों को इमारत की सुरक्षा व्यवस्था की फिर से व्यापक जांच करनी चाहिए।

शहर में तीन कुश्ती अखाड़ा बनाने की तैयारी

- सर्फाबाद, सोरखा और पर्थला गांव के पास बनाए जाएंगे कुश्ती अखाड़ा
- नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने सैद्धांतिक सहमति दी, अगले माह टेंडर जारी होगा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पारंपरिक खेल कुश्ती को आगे बढ़ाने के लिए नोएडा प्राधिकरण तीन गांवों में अखाड़े बनाएगा। ये अखाड़े सर्फाबाद, सोरखा और पर्थला गांव के पास बनाए जाएंगे। इसके लिए सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। प्राधिकरण अखाड़े बनाने में दो करोड़ रुपये से अधिक खर्च करेगा। काम के लिए अगले माह टेंडर जारी होगा। नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम विजय रावल ने बताया कि गांवों में खेल सुविधाएं बढ़ाने और गांवों में रह रहे खिलाड़ियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

सीईओ डॉ लोकेश एम ने संबंधित गांवों में कुश्ती अखाड़े बनाने के लिए सैद्धांतिक सहमति दे दी है। संबंधित गांवों में शेडेड कुश्ती अखाड़ा और अन्य खेल गतिविधियों के लिए एक कमरा बनाया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि सफाबार्द गांव के लिए सेक्टर-73 महादेव अपार्टमेंट के पास अखाड़ा बनाया जाएगा। दूसरा अखाड़ा पर्थला गांव के लिए एफएनजी मार्ग पर खेल मैदान के पास बनेगा। तीसरा, सोरखा गांव के लिए शिव गेट के पास बनाने की योजना है। इन तीनों जगह अखाड़े और कमरे बनाने के लिए प्राधिकरण 2 करोड़ 56 लाख रुपये खर्च करेगा। इसी बजट से ही खेल परिसर की चारदीवारी का निर्माण, शेड का निर्माण और प्रत्येक खेल परिसर में कमरे बनाए जाएंगे। डीजीएम विजय रावल ने बताया कि तीन गांवों में अखाड़े बनाने के लिए अगले महीने तक टेंडर जारी कर दिया जाएगा।

ग्रुप हाउसिंग भूखंड योजना में आवेदन का अंतिम मौका

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-17, 18 और सेक्टर-22डी में ग्रुप हाउसिंग के 16 भूखंडों की योजना में आवेदन का मंगलवार को अंतिम मौका होगा। इसके बाद प्राधिकरण इन भूखंडों में आवेदन की तिथि नहीं बढ़ाएगा। अब नौ दिसंबर भूखंडों के लिए ई-नीलामी होगी। बता दें कि यमुना प्राधिकरण ने करीब तीन माह पूर्व ग्रुप हाउसिंग भूखंडों की योजना शुरू की थी। इसकी तीन बार तिथि आगे बढ़ाई गई। अधिकारियों के अनुसार योजना में काफी आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इससे पहले ग्रुप हाउसिंग में 17 भूखंडों की योजना शुरू की गई थी, लेकिन कम आवेदक होने के चलते सिर्फ एक ही भूखंड का आवंटन हो पाया था। इसके बाद यह योजना शेष 16 भूखंडों पर दोबारा शुरू की गई। आज योजना में आवेदन प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इसके बाद प्राधिकरण सत्यापित आवेदकों की सूची का प्रकाशन करेगा और नौ दिसंबर को ई-नीलामी के जरिए भूखंडों का आवंटन किया जाएगा।

लालू परिवार में कलह
साख बचाना चुनौती

बिहार विधानसभा चुनाव में बुरी तरह पराजय के बाद राष्ट्रीय जनता दल के लिए नया संकट खड़ा हो गया है। यह संकट बाहर से नहीं बल्कि लालू प्रसाद यादव के परिवार के अंदर से ही है। अपने भाई तेजस्वी यादव और उनके सहयोगियों पर गंभीर आरोप लगाकर लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने भूचाल ला दिया है। परिवार में चल रहे विवाद से आरजेडी की एकजुटता पर चोट लगी है, जिससे जनता दल यूनाइटेड और भारतीय जनता पार्टी को भविष्य में भी राजनीतिक लाभ मिलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। रोहिणी के ये आरोप अत्यधिक गम्भीर है कि उन्हें जलील किया गया। यहां तक कि मारने के लिए चप्पल भी उठाया गया। इस प्रकार के आरोपों पर सफाई देने के लिए लालू परिवार की ओर से एक शब्द भी नहीं बोला गया। इस चुप्पी से तेजस्वी को और भी नुकसान होगा क्योंकि उनके विरोधी कह रहे हैं कि जो व्यक्ति अपनी बहन के साथ इस प्रकार का व्यवहार कर सकता है, वह आम लोगों के साथ क्या करेगा। कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि जो अपना परिवार नहीं संभाल सकता वह राज्य क्या संभालेगा? देखा जाए लालू के परिवार का आपसी विवादों से पुराना नाता है। ये झगड़े ज्यादातर राजद की आंतरिक राजनीति, उत्तराधिकार और व्यक्तिगत मतभेदों से जुड़े रहे हैं। दशकों पहले जब लालू मुख्यमंत्री बने तो राबड़ी देवी के भाई साधु यादव और सुभाष प्रसाद यादव का राजनीतिक प्रभाव तेजी से बढ़ा लेकिन बाद में सत्ता के बंटवारे और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से परिवार में

दरार पड़ने लगी। साधु यादव ने कई बार लालू पर परिवार को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया, जिससे ससुराल पक्ष अलग-थलग महसूस करने लगा। बाद में साधु ने राजद से अलग होकर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा। इसने परिवार की एकजुटता पर पहली बड़ी चोट की। इसके बाद लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव की ऐश्वर्या से शादी के बाद तलाक की मांग ने परिवार को हिला दिया। तेज प्रताप ने पत्नी पर धोखा देने का आरोप लगाया, जबकि परिवार ने इसे दबाने की कोशिश की। वहीं ऐश्वर्या ने लालू परिवार पर खुद को प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए थे। इसी दौरान तेजस्वी को लालू का उत्तराधिकारी बनाया दिया गया। इससे तेज प्रताप ने स्वयं को अनदेखी का शिकार होना महसूस किया, जिससे भाइयों के बीच तनाव बढ़ा। इसका असर ये हुआ कि पार्टी में तेज प्रताप की भूमिका कम हुई और यह परिवारवाद पर सवाल उठाने का एक आधार बन गया। इसी साल तेज प्रताप का एक पोस्ट वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने किसी महिला के साथ 12 साल के रिश्ते का दावा किया। लालू ने इसे गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार बताते हुए तेज प्रताप को अपनी पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया और परिवार से भी अलग कर दिया। तेज प्रताप ने ठीकरा तेजस्वी के करीबी संजय यादव पर फोड़ा, उन्हें जयचंद कहा। बात इतनी बढ़ी इस विवाद ने चुनाव से पहले राजद की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। इसका असर ये हुआ कि तेज प्रताप ने स्वतंत्र रूप से महुआ सीट से चुनाव लड़ा और बुरी तरह हार गए। उधर पूरी पार्टी बुरी तरह हार गयी। आज ऐसा लग रहा है कि परिवार में ऐसी दरार पड़ गयी है जिसे पाटना आसान नहीं होगा। इस पारिवारिक विवाद से भी राष्ट्रीय जनता दल को भारी नुकसान हो रहा है। लालू परिवार के लिए चिंताजनक बाद यह है कि परिवार को कोई न कोई सदस्य आए दिन अलग राह पकड़ रहा है और तेजस्वी को निशाने पर ले रहा है। ऐसे में तेजस्वी के लिए सार्वजनिक जीवन में स्वच्छ छवि बनाए रखना आसान नहीं होगा क्योंक वे पहले से ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे हैं।

क्या नेपाल में समय पर होंगे चुनाव?

तीन बार अपदस्थ हुए पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली ने वर्तमान सरकार को असंवैधानिक बताया है और संसद को पुनर्जीवित करने की मांग की है। 29 अक्टूबर को, सुप्रीम कोर्ट की एक संवैधानिक पीठ ने राष्ट्रपति आरसी पौडयेल से सदन को भंग करने का औचित्य बताने को कहा।

अशोक के मेहता
लेखक, सेवानिवृत्त मेजर जनरल हैं।

हर किसी की जुबान पर यह सवाल है कि क्या नेपाल में 5 मार्च 2026 को होने वाले चुनाव समय पर हो सकते हैं - या बिल्कुल भी। जिन विकल्पों पर चर्चा की जा रही है उनमें नई चुनाव तिथि के साथ भंग संसद की बहाली और पांच बार के पूर्व प्रधान मंत्री एसबी देउबा की पुनर्नियुक्ति शामिल है; या मौजूदा चुनाव तिथि का विस्तार, जिसका उल्लेख स्वयं प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने किया है। सदन की बहाली की मांग को लेकर अब तक सुप्रीम कोर्ट में सोलह याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं।

तीन बार अपदस्थ हुए पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली ने वर्तमान सरकार को असंवैधानिक बताया है और संसद को पुनर्जीवित करने की मांग की है। 29 अक्टूबर को, सुप्रीम कोर्ट की एक संवैधानिक पीठ ने राष्ट्रपति आरसी पौडयेल से सदन को भंग करने का औचित्य बताने को कहा और इसके पुनरुद्धार की मांग करने वाले याचिकाकताओं को 20 नवंबर को अदालत के सामने पेश होने का निर्देश दिया। प्रतिष्ठान ने अभी तक न्यायालय को जवाब नहीं दिया है। प्रधान मंत्री कार्की ने अपनी सरकार के गठन का श्रेय जेनज़ी आंदोलन को दिया है, जिसके लिए इसके सदस्य एमओवी 082 के रूप में राष्ट्रीय मान्यता चाहते हैं।

अब असली सवाल यह है कि क्या जेनज़ी द्वारा मांगे गए सुधार - एक सीधे निर्वाचित प्रधान मंत्री, एक स्थिर सरकार, विदेशी नेपालियों के लिए मतदान का अधिकार, और मतदान की उम्र 18 से 16 वर्ष तक कम करना - 5 मार्च से पहले लागू किया जा सकता है।

संविधान में संशोधन करने के लिए सशक्त राष्ट्रपति आयोग के माध्यम से कुछ सुधार लागू किए जा सकते हैं, क्या सरकार सहमत होनी चाहिए। 19 अक्टूबर को, मिराज धुंगाना, जिन्होंने पहले जेनजेड की मांगों को रेखांकित करते हुए एक वीडियो जारी किया था, ने एक नई राजनीतिक पार्टी के गठन की घोषणा की।

हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि जेन जेड खुद चुनाव नहीं लड़ेंगे। उनकी प्रारंभिक आठ-सूत्रीय मांगों में से कई को कार्यान्वयन योग्य नहीं पाया गया, जैसे कि भ्रष्टाचार उन्मूलन का मुख्य मुद्दा, जिसे एक कार्यकर्ता आंदोलन के बजाय एक निर्वाचित सरकार द्वारा सबसे अच्छा संबोधित किया जाता है। जेन जेड स्वयं गहरे रूप से टूटा हुआ है। उन्नीस अलग-अलग समूहों, जिनमें से कई निहित स्वार्थों से घुसपैठ करते हैं, ने सुधार आंदोलन में एकजुटता और स्पष्टता की कमी कर दी है।

पड़ोसी बांग्लादेश में, छात्रों ने हाल ही में जुलाई चार्टर तैयार किया, जिसमें चुनावी सुधार शामिल हैं जिन्हें फरवरी 2026 के चुनावों से पहले लागू किया जाना चाहिए। हालांकि चार्टर को शुरू में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने असंवैधानिक बताकर इसका विरोध किया था, लेकिन इसकी सहयोगी जमात-ए-इस्लामी ने इसका समर्थन किया था।

1990 के नेपाल के आंदोलन के नेतृत्व वाले सुधारों को 1990 के संविधान में पैलेस द्वारा शामिल किए गए ₹शरारतपूर्ण खंड₹ के कारण पूरी तरह से लागू नहीं किया जा सका, ऐसे खंड जिन्होंने अंततः 1996 के माओवादी विद्रोह को जन्म दिया और 2008 में संवैधानिक राजशाही की जगह संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य नेपाल के लिए मार्ग प्रशस्त किया। एकदलीय माओवादी शासन के बाद प्रचंड ने नेपाल सेना को पार्टी के नियंत्रण में लाने का प्रयास किया। 2015 के संविधान में मिश्रित चुनावी प्रणाली शुरू करके 2008 के परिदृश्य की पुनरावृत्ति को रोकने की कोशिश की गई थी, लेकिन बाद में तीन प्रधानमंत्रियों, ओली, प्रचंड और देउबा, ने इसमें हेरफेर किया, जिन्होंने आपस में सत्ता साझा की। नेपाल, जिसके पास सात दशकों में पहले से ही सात संविधान हैं, अब संवैधानिक संशोधन की तत्काल आवश्यकता का सामना कर रहा है जो इस स्थापित अस्थिरता को संबोधित कर सकता है। प्रधान मंत्री कार्की ने विभिन्न राजनीतिक दलों से मुलाकात की है, जेनजेड प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की है और उनकी कुछ मांगों को चुनिंदा रूप से संबोधित किया है।

राज्य हिंसा में 76 लोगों की मौत और आगजनी की घटनाओं की जांच चल रही है। पुलिस द्वारा खोए गए 1,300 हथियारों में से केवल कुछ ही बरामद किए गए हैं। जो लोग जेलों से भाग गए उनमें से कई को दोबारा पकड़ लिया गया है, हालांकि माना जाता है कि कुछ लोग भारत में भाग गए हैं। घोराई, डांग में हाल की गिरफ़्तारियों में आगजनी करने वाले शामिल हैं जिन्होंने जिला अदालत, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक सुविधाओं को आग लगा दी - सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से एकत्र किए गए सबूत। इस बीच, ऐसी फुसफुसाहट फैल रही है कि कार्की का झुकाव संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ की ओर है, जिससे सत्ता प्रतिष्ठान में चिंताएं बढ़ गई हैं। मौजूदा 122 को मिलाकर उन्नीस नए राजनीतिक दलों ने पंजीकरण कराया है। काठमांडू के मेयर बालेन शाह और धरान के मेयर हरका संपांग जैसी उभरती राजनीतिक हस्तियां अपने पत्ते अपने पास रख रही हैं। जाहिर तौर पर गैर-वैचारिक राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के करिश्माई नेता रबी लामिछाने इस समय जेल में हैं और उनकी लोकप्रियता में गिरावट आई है।

नेपाली कांग्रेस (एनसी) भी उथल-पुथल में है. पार्टी अध्यक्ष और पांच बार के प्रधान मंत्री शेर बहादुर देउबा जेनजेड कार्यकताओं के हमले के बाद सिंगापुर के एक अस्पताल में ठीक हो रहे हैं। कार्यवाहक अध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का केंद्रीय समिति के विचार-विमर्श की देखरेख कर रहे हैं कि चुनाव से पहले या बाद में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाए या नहीं और मार्च में चुनाव लड़ा जाए या नहीं। महासचिव गगन थापा अभी सम्मेलन आयोजित करने के पक्ष में हैं, जबकि वरिष्ठ नेता शेखर कोइराला के नेतृत्व में बहुमत चाहता है कि इसे चुनाव के बाद तक स्थगित कर दिया जाए। इस बीच, सीपीएन (यूएमएल) दुविधा में है। इसके नेता ओली उन घटनाओं से कलंकित हुए हैं जिनके कारण जेनजेड विद्रोह हुआ और अंततः उन्हें बाहर कर दिया गया। पार्टी की केंद्रीय समिति का बहुमत चाहता है कि वह इस्तीफा दे दें, लेकिन उन्होंने अपनी एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। इससे पूर्व राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी के लिए राजनीतिक वापसी की कोशिश का रास्ता खुल गया है। यह स्पष्ट है कि यूएमएल ओली के नेतृत्व में अगला चुनाव नहीं लड़ेगी।

माओवादी नेता और तीन बार निर्वाचित प्रधान मंत्री प्रचंड, जो अपनी राजनीतिक चपलता और अस्तित्व की प्रवृत्ति के लिए जाने जाते हैं, ने दस वामपंथी दलों के विलय की योजना बनाई है, जिसकी चीन लंबे समय से मांग कर रहा था, पूर्ववर्ती नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी का पुनरुद्धार, जिसके समन्वयक प्रचंड हैं। ₹माओवादी₹ शब्द स्पष्ट रूप से हटा दिया गया है। इस बीच, सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) विभाजित हो गया है, पूर्व प्रधान मंत्री माधव नेपाल और झालानाथ खनाल अलग हो गए हैं, नेपाल प्रचंड के गुट में शामिल हो गया है।

अन्य नए प्रवेशकों में मंत्री कुलमन घीसिंग की उज्जैलो नेपाल पार्टी और बुद्धा एयर के मालिक बीरेंद्र बासनेट द्वारा स्थापित डायनेमिक डेमोक्रेटिक पार्टी शामिल हैं। छोटी पार्टियां भी रीब्रांडिंग के दौर से गुजर रही हैं। पहले से ही कम से कम छह गुटों में बंटी मधेस पार्टियां और भी टूट गई हैं। राजभक्तों के बीच, राजेंद्र लिंगडेन और धवल शमशेर राणा के बीच मतभेद उभर रहे हैं, जबकि फायरब्रांड राजभक्त दुर्गा प्रसैन ने हिंदू राष्ट्र आंदोलन और 1 दिसंबर को राजशाही की बहाली के लिए विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

अंततः, चुनाव होंगे या नहीं - सुधारों के साथ या बिना - इस पर फैसला राष्ट्रपति पौडयेल, प्रधान मंत्री कार्की, मुख्य न्यायाधीश प्रकाश मान सिंह राउत और, अनिवार्य रूप से, जेनजेड और राजनीतिक दलों पर निर्भर करेगा। चुनावों में अभी भी देरी हो सकती है, ठीक उन्हीं कारणों से जो बांग्लादेश के 2026 के चुनावों को रोक सकते हैं। नेपाल में चुनाव मूल रूप से भंग सदन की समाप्ति के साथ 2027 के अंत में होने थे। प्रधान मंत्री कार्की को भरोसा है कि वह उन्हें पहले ही पकड़ लेंगी, लेकिन क्या उन्हें ऐसा करने की अनुमति दी जाएगी यह सवाल बना हुआ है।

सवालों के घेरे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

वीटो शक्ति का राजनीतिक दुरुपयोग, अप्रतिनिधिक सदस्यता, कमजोर राजनीतिक निरंतरता, असंगठित शांति अभियानों और बड़े मानवीय संकटों पर निष्क्रियता ने इसे को कठघरे में खड़ा कर दिया है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्वतंत्र पत्रकार

विश्व राजनीति की अशांत मिट्टी पर खड़े संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का नैतिक व संस्थागत आधार आज पहले से कहीं अधिक प्रश्नों से घिरा है। जब युद्ध बढ़ते जा रहे हैं, तब शांति का सबसे बड़ा संरक्षक स्वयं अपनी भूमिका सिद्ध करने में असफल दिख रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1945-आधारित संरचना आज की बहुध्रुवीय और संघर्षग्रस्त दुनिया में शांति बनाए रखने में सक्षम नहीं रह गई है। वीटो शक्ति का राजनीतिक दुरुपयोग, अप्रतिनिधिक सदस्यता, कमजोर राजनीतिक निरंतरता, असंगठित शांति अभियानों और बड़े मानवीय संकटों पर निष्क्रियता ने इसे कठघरे में खड़ा कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र को अपनी वैधता और प्रभावशीलता बचाने के लिए गहरे, व्यावहारिक और कार्यात्मक सुधार अपनाने होंगे—अन्यथा शांति का यह सबसे बड़ा संरक्षक स्वयं प्रश्नों का केंद्र बन जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का संकट केवल एक संस्था का नहीं है, बल्कि यह वैश्विक नैतिक नेतृत्व के क्षरण की बड़ी कहानी भी है। जब संयुक्त राष्ट्र का जन्म हुआ था, तब दुनिया दूसरी विश्वयुद्ध की राख से निकल रही थी और मानवता ने सामूहिक रूप से यह प्रण लिया था कि भविष्य में किसी भी बड़े युद्ध को रोका जाएगा। उस सपने का केंद्र था—सुरक्षा परिषद, जिसे शांति का संरक्षक, वैश्विक न्याय का प्रहरी और सामूहिक सुरक्षा का आधार माना गया। मगर आज, लगभग 80 वर्ष बाद, जब दुनिया यूक्रेन, गाजा, सूडान, यमन, म्यांमार और साहेल जैसे संघर्षों से दहक रही है, तब यह संस्था अक्सर मौन खड़ी दिखाई देती है।

यह मौन केवल असहायता का प्रतीक नहीं है, बल्कि उस संरचनात्मक कमजोरी का भी संकेत है जिसने वर्षों में इसकी विश्वसनीयता को खोखला कर दिया। जब दुनिया भर के नागरिक शांति की उम्मीद में इस संस्था की ओर देखते हैं, तब यह भू-राजनीतिक हितों की जकड़ में बंधी दिखाई देती है। यही कारण है कि आज शांति का सबसे बड़ा संरक्षक स्वयं सबसे बड़े सवालों का विषय बन गया है। सबसे बड़ी समस्या है—वीटो शक्ति से पैदा होने वाला शक्ति-

असंतुलन। पाँच स्थायी सदस्य देशों के हाथों में केंद्रित यह शक्ति उन्हें किसी भी प्रस्ताव को रोकने का अधिकार देती है, भले वह प्रस्ताव मानवीय त्रासदी को रोकने जितना आवश्यक ही क्यों न हो। यही कारण है कि गाजा में हजारों बच्चों की मौतें हों, यूक्रेन में शहरों के शहर तबाह हो जाएँ, या म्यांमार में लोकतांत्रिक संस्थाओं का विनाश हो—सुरक्षा परिषद अक्सर पक्षाघात की स्थिति में दिखाई देती है। यह एक ऐसे दरवाजे का दृश्य बन गया है जिसके बाहर सहायता की गुहार लगाने वाले लाखों लोग खड़े होते हैं, लेकिन उस दरवाजे को खोलने की चाबी कुछ सीमित देशों के हाथों में होती है, जो अपने राष्ट्रीय हितों को वैश्विक शांति से ऊपर रख देते हैं।

सवाल यहाँ से आगे बढ़ता है—क्या शांति किसी राष्ट्र के हितों से छोटी हो सकती है? क्या हत्या और भूख से जूझते लोग किसी स्थायी सदस्य की भू-नीति के कारण मृत्यु के लिए छोड़ दिए जाएँ? क्या संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संगठन का उद्देश्य केवल औपचारिक बयान देना रह गया है? ये प्रश्न आज तीखे होते जा रहे हैं, क्योंकि दुनिया भर में मीडिया, नागरिक समाज और शांति विशेषज्ञ लगातार यह महसूस कर रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र की नैतिक शक्ति का क्षरण हो चुका है।

दूसरी समस्या है—इस संस्था की संरचना का अप्रतिनिधिक होना। दुनिया 1945 से अब पूरी तरह बदल चुकी है, लेकिन इसकी संरचना लगभग जड़वत है। अफ्रीका, जो संघर्षों का केंद्र भी है और शांति के लिए सर्वाधिक योगदान भी देता है, उसका कोई स्थायी प्रतिनिधि नहीं है। भारत जैसा विशाल लोकतंत्र, जिसके योगदान शांति रखरखाव से लेकर मानवीय सहायता तक व्यापक हैं, उसे भी अब तक स्थायी सदस्यता नहीं मिली है। यह एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था का संकेत है जो वास्तविकता से कट चुकी है। जहाँ वैश्विक शक्ति-मानचित्र बदल गया है—चीन का उदय हुआ, भारत आर्थिक व राजनीतिक रूप से नई ऊँचाइयों पर पहुँचा, अफ्रीका उभरती संभावनाओं का महाद्वीप बन गया, लातिन अमेरिका राजनीतिक रूप से अधिक मुखर हुआ—वहाँ सुरक्षा परिषद अब भी 1945 की मानसिकता में फंसी है।

तीसरी समस्या है—शांति अभियानों की राजनीतिक विफलता। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों ने कई जगह हिंसा को रोका जरूर, परंतु राजनीतिक स्थिरता नहीं ला सके। यह ऐसा था मानो किसी टूटते हुए घर की दीवार पर रंग तो कर दिया जाए, लेकिन दरारों की मरम्मत न की जाए। शांति केवल बंदूकें शांत कर देने से नहीं आती; यह आती है संवाद, समावेशन, शासन-सुधार और समाज के भीतर विश्वास पैदा करने से। लेकिन संयुक्त राष्ट्र का तंत्र शांति स्थापना और राजनीतिक समाधान को एकीकृत नहीं कर पाता। उदाहरण के लिए, कई अफ्रीकी देशों में शांति सेना लगाने के बाद राजनीतिक मार्गदर्शन का अभाव रहा, जिसके कारण थोड़े समय बाद हिंसा फिर भड़क उठी। यह विफलता केवल संसाधन या क्षमता की नहीं, बल्कि दृष्टि-हीन रणनीति की भी है।

चौथी समस्या है—निरंतरता का अभाव। यूएनएसी अक्सर केवल संकट की शुरूआत में सक्रिय होता है, लेकिन जब स्थिति स्थिर होने लगती है, तब उसकी उपस्थिति कम हो जाती है। इससे संघर्षग्रस्त देश राजनीतिक संक्रमण के बीच झूलते रह जाते हैं। यह अधूरी शांति का निर्माण करता है, जिसका अंत प्रायः नई हिंसा में होता है।

आप की बात

ट्रंप की विवादित नीति

डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका प्रथम नीति ने न सिर्फ वैश्विक व्यापार ढांचे को हिलाया है, बल्कि अमेरिका की आंतरिक आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता को भी गहरे संकट में डाल दिया है। अंतरराष्ट्रीय समझौतों से पीछे हटना, बहुपक्षीय संस्थाओं की फंडिंग घटाना और हर निर्णय को एकतरफा ढंग से लागू करना उनकी उस सोच को दशार्ता है जिसमें वैश्वीकरण को खतरा और व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को युद्ध माना जाता है। भारत सहित कई देशों पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ ने विश्व व्यापार में अव्यवस्था पैदा की, वहीं जवाबी टैरिफों ने अमेरिकी बाजार को ही उलझन में डाल दिया। मार्च 2025 के बाद आयातित वस्तुओं की कीमतें लगभग चार प्रतिशत और घरेलू सामान की कीमतें दो प्रतिशत तक बढ़ गईं, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति सीधे प्रभावित हुई। महंगाई का दबाव बढ़ने पर अंततः ट्रंप को 200 से अधिक वस्तुओं पर से टैरिफ कम करना पड़ा, जो उनकी नीतियों की विफलता का मौन स्वीकार था। अमेरिका के भीतर असंतोष अब खुलकर सामने आने लगा है। हालिया सर्वेक्षण में 55 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों का यह मानना कि ट्रंप तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं, कोई साधारण चेतावनी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक ढांचे में दरार का संकेत है।

ऋषि सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

चौंकाने वाले परिणाम

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने क्लीन स्विप करते हुए महागठबंधन को चारों खाने चित कर दिया है। 243 सीटों पर हुए मतदान में आरजेडी को उसकी आशा के अनुरूप परिणाम नहीं मिले, वहीं कांग्रेस दो अंकों का आंकड़ा भी ना छू सकी। मुकेश साहनी चुनाव के परिणामों पर विशेष असर नहीं दिखा सके। चुनाव के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो इस बार के रिजल्ट काफी चौंकाने वाले रहे। एक तरफ जहां 24 प्रतिशत मत पाकर राष्ट्रीय जनता दल मात्र 25 सीटों पर ही सिमट गई, वहीं बीजेपी 20.8 फीसद मतों के साथ 89 सीटों पर और जदयू ने 19.8 प्रतिशत मत पाकर 85 सीटों पर जीत दर्ज किया। अब विपक्ष अपनी हार ठीकरा चुनाव आयोग के माथे पर फोड़ रहा है। इसमें सत्यता क्या है, ये तो जांच का विषय है, लेकिन आरजेडी की हार के पीछे किसी एक फैक्टर ने नहीं बल्कि तमाम ऐसे कारण थे जिन्होंने उसकी पराजय की पटकथा लिखी। दो चरणों में सम्पन्न यह पूरा चुनाव नौकरी वर्सेस जंगल राज के इर्द गिर्द ही घूमता रहा। बीजेपी सहित एनडीए के सभी घटक दलों ने बिहारियों में जंगल राज की वापसी का भय दिखाकर तेजस्वी के तिलिस्म को तोड़ दिया। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत लाखों महिलाओं के खाते में भेजे गए दस-दस हजार रुपए बिहार की सियासत का सबसे बड़ा गेम चेन्जर साबित हुआ, जिसने राजद को बैकफुट पर ला दिया।

शिवेन्द्र यादव, कुशीनगर

क्रीमीलेयर का सवाल

मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई के ताजा बयान ने क्रीमी लेयर को अनुसूचित जाति के आरक्षण से बाहर करने पर नई बहस छेड़ दी है। उन्होंने कार्यक्रम में साफ कहा कि एक अधिकारी के बच्चे और खेत मजदूर के बच्चे को समान परिस्थितियों वाला मानना न्यायसंगत नहीं है। तर्क में दम है, लेकिन सवाल यह भी उठता है कि क्या केवल मंचों पर बोल देना पर्याप्त है? क्या नैतिक ज़िम्मेदारी सिर्फ. भाषणों तक सीमित होनी चाहिए? यही वह बिंदु है जहाँ लोग गवई के बयान पर उंगली उठा रहे हैं। कायदे से देखा जाए तो जिन परिवारों ने सामाजिक और आर्थिक रूप से पर्याप्त प्रगति कर ली है, उन्हें अपनी अगली पीढ़ी के लिए आरक्षण न लेने की पहल स्वयं करनी चाहिए। यह कदम न केवल न्यायसंगत होगा बल्कि उन वंचित बच्चों के लिए अवसर भी खोलेगा जो आज भी संघर्ष की तलहटी में हैं। लेकिन समस्या यह है कि अच्छी बातें बोलना आसान है, उन्हें अपने ऊपर लागू करना कठिन। वर्षों से क्रीमी लेयर पर बहस चल रही है, परंतु व्यावहारिक पहल कम ही दिखाई देती है। गवई ने जिस सिद्धांत को सही माना, वही सिद्धांत व्यवहार में उनके अपने कार्यकाल में आगे क्यों नहीं आया? सरकार से स्वतंत्र संज्ञान लेकर, न्यायिक वर्ग के भीतर चर्चा प्रारंभ करके या नीति-निमार्ताओं को औपचारिक सुझाव देकर वे इसे आगे बढ़ा सकते थे। लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

विभूति बुपक्या, ला स्टूडेंट, दिल्ली यूनिवर्सिटी

विपक्ष को झटका

बिहार विधानसभा चुनाव में इंडी गठबंधन की करारी हार ने न केवल विपक्षी एकता को गहरी चोट पहुंचाई है बल्कि गठबंधन की अंदरूनी कलह को भी उजागर कर दिया है जहां सहयोगी दल एक-दूसरे पर ही हार का ठीकरा फोड़ने में जुट गए हैं। आपसी खींचतान इतनी बढ़ गई है कि गठबंधन का भविष्य ही संकट में दिखाई देने लगा है। सबसे ज्यादा निशाने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी आए हैं जिनकी रणनीति और नेतृत्व शैली पर पार्टी के अंदरूनी नेताओं ने ही सार्वजनिक रूप से सवाल खड़े कर दिए हैं यह स्पष्ट हो गया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जैसे अभियानों का जमीन पर कोई असर नहीं पड़ा एवं विपक्षी वोटों का बंटवारा ही एनडीए की जीत का मुख्य कारण भी है।इस हार के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जिस तरह इंडिया गठबंधन की कमान संभालने की इच्छा जताई है उसने कांग्रेस को गहरी पसोपेश में डाल दिया है क्योंकि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी लंबे समय से कांग्रेस के साथ अपने मतभेदों को छिपाती नहीं हैं और वे बार-बार कहती रही हैं कि कांग्रेस के बिना भी विपक्षी एकता संभव है जिससे अब गठबंधन में मुखिया पद को लेकर खुली जंग छिड़ गई है।

वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

पाठकगण अपने विचार responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भेज सकते हैं।

मंदिर के सामने संदिग्ध मांस मिलने से बवाल

पुलिस ने भीड़ को खदेड़ा, स्थिति पर पाया काबू, मौके पर भारी पुलिस बल तैनात

- फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल से जुटाए सुबूत

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

बनभूलपुरा हिंसा के बाद एक बार फिर क्षेत्र में रविवार देर रात माहौल तनावपूर्ण हो गया। उजाला नगर क्षेत्र में एक मंदिर के सामने संदिग्ध मांस मिलने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में लोग घटना स्थल पर पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया।

इस दौरान पुलिस एवं प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। लेकिन कुछ अराजकतत्वों ने एक रेस्टोरेंट पर पथराव कर दिया। किसी तरह भीड़ को पुलिस ने यहां से हटाया तो नैनीताल रोड पर जाम लगा दिया गया। जिसके बाद हालात बिगड़ते देख मौके पर कई थानों का पुलिस बल तैनात किया गया। साथ ही फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल से सुबूत जुटाए हैं। पुलिस ने लाठियां भांजकर लोगों को खदेड़ा। पुलिस के अनुसार उत्तर उजाला बरेली रोड पर एक रेस्टोरेंट के पीछे चंद्रेश्वर महादेव मंदिर है। मंदिर के ठीक सामने अलीगढ़ पब्लिक स्कूल है। स्कूल के ठीक बगल वाले घर के बाहर शाम करीब साढ़े 7 बजे संदिग्ध पशु का एक सिर मिला। लोगों ने सिर देखा और कुछ ही देर में खबर आग की तरह फैलने लगी। तकरीबन 8 बजे मौके पर लोग जमा होने लगे।

घटना की जानकारी मिलते ही बनभूलपुरा थानाध्यक्ष सुशील जोशी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस अभी स्थिति को भांप ही रही थी कि तभी हिंदूवादी संगठन के लोगों का मौके पर जुटना शुरू हो गया। गम्भीर होती स्थिति को देख हल्द्वानी कोतवाली, मुखानी थाना और काठगोदाम थाने का पुलिस फोर्स मौके पर बुला लिया गया। सीओ सिटी नितिन लोहनी और तहसीलदार कुलदीप पांडे के साथ फोरेंसिक एक्सपर्ट भी पहुंच गए। देखते ही देखते 150 से 200 लोगों की भीड़ ने मंदिर के सामने नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने किसी तरह यहां से लोगों को हटा कर बरेली रोड तक खदेड़ा। जिससे नाराज लोगों ने मुख्य मार्ग पर मौजूद एक रेस्टोरेंट में पथराव कर दिया। अंदर मौजूद ग्राहक और स्टाफ पथराव में बाल बाल बचा। पुलिस ने फिर लोगों को यहां से हटाया और एहतियातन रेस्टोरेंट को बंद करा दिया, लेकिन लोग आक्रोशित थे। इस बीच सूचना मिलने पर मेयर गजराज बिष्ट भी मौके पर पहुंच गए। भीड़ ने जाम लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने तुरंत रोक दिया। पुलिस के आलाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में किया गया। एसपी सिटी जगदीश चंद्र ने बताया कि पुलिस की प्रारंभिक जांच और सीसीटीवी फुटेज में यह जानकारी सामने आई है कि संदिग्ध मांस का टुकड़ा किसी व्यक्ति द्वारा नहीं फेंका गया था, बल्कि एक कुत्ता इसे किसी अन्य स्थान से खींचकर उजाला नगर क्षेत्र तक ले आया था, जिससे यह साफ हो गया कि पूरा मामला अफवाहों के कारण उभरा। पुलिस ने न सिर्फ संदिग्ध मांस के सैंपल को जांच के लिए लैब भेजा बल्कि बनभूलपुरा थाना पुलिस को मामले की जांच सौंपी गई है।

अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं : एसएसपी

वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी नैनीताल ने कड़े निर्देश दिए हैं। एसएसपी ने कहा कि एक नवजात पशु का सिर मिलने की सूचना पर तनाव की स्थिति बनी। घटना के तत्काल बाद पुलिस द्वारा आस-पास के उउळश कैमरों की गहन जांच की गई, जिसमें स्पष्ट हुआ कि एक कुत्ता जंगल की ओर से यह अंग लेकर आता दिखाई दिया। स्थानीय स्तर पर की गई जांच में भी यह संकेत मिला कि जंगल क्षेत्र में किसी पशु के ब्याने के बाद यह हिस्सा बाहर लाया गया। वहीं एसएसपी ने बताया कि तथ्यों के सामने आने पर संबंधित संगठनों को स्थिति से अवगत कराया गया, जिसके बाद माहौल शांत हो गया। साथ ही, शक के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध तहरीर दी गई है। इसपर विधिक कार्वाई जारी है। पुलिस ने जानवर की अवशेष को कब्जे में

लेकर परीक्षण एवं अग्रिम कार्रवाई की है। इसके बावजूद, कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा भीड़ इकट्ठा कर शहर के कुछ हिस्सों में अनावश्यक उपद्रव एवं तोड़फोड़ की गई, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और कानून व्यवस्था के विपरीत है। ऐसे उपद्रवियों का चिन्हीकरण किया जा रहा है तथा सभी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

इस घटना को साम्प्रदायिक रंग देने वालों पर हो कठोर कार्रवाईः सुमित हृदयेश

- हल्द्वानी की शांति व सद्भावना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

उजाला नगर क्षेत्र में मिले संदिग्ध मांस प्रकरण पर विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि शहर में अफवाहों का माहौल गर्म हो गया। कुछ तत्वों ने इस घटना को साम्प्रदायिक रंग देने का प्रयास किया है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। सुमित हृदयेश ने कहा कि वह समस्त हल्द्वानीवासियों से अपील करता है कि शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखें तथा किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। इस पूरे प्रकरण पर मेरी जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से बातचीत हुई है। प्रशासन और पुलिस दोनों स्थिति पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। पुलिस के पास संबंधित फुटेज और आवश्यक साक्ष्य उपलब्ध हैं, जिनकी गहन जांच जारी है।

उन्होंने कहा कि पुलिस एवं प्रशासन, इस घटना का निष्पक्ष और पारदर्शी खुलासा यथाशीघ्र जनता के समक्ष करेंगे, ताकि सत्य सामने आ सके और लोग किसी भी प्रकार की गलतफहमी या भ्रम में न रहें।

हल्द्वानी की शांति और सद्भावना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए नागरिकों से विनम्र अपील है कि धैर्य रखें, संयम बरतें और पुलिस को पूरी तरह से अपना काम करने दें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पुलिस इस प्रकरण की तह तक जाकर सच्चाई को उजागर करेगी और जो लोग शहर की फिजा बिगाड़ने या इस घटना को साम्प्रदायिक रंग देने का प्रयास कर रहे हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगी।

सीएम धामी ने कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए जिलाधकरियों को दिए निर्देश

तीन साल में बने स्थाई निवासी प्रमाण पत्रों की हो जांच

- सड़क, पेयजल, पार्किंग आदि की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने समेत प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाने के संबंध में जिलाधिकारियों के साथ बैठक की।

करीब चार घंटे चली इस बैठक में सीएम ने अधिकारियों को शीतकालीन यात्रा की तैयारियों को तेज करते हुए समस्त पर्यटक स्थलों पर सड़क, पेयजल, पार्किंग आदि की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। साथ ही रजत जयंती उत्सव कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा साझा किए गए विजन के अनुरूप ही समस्त जनपदों में कार्यों का संपादन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। सीएम धामी ने कहा कि हाल ही में कुछ जगहों पर कूटरचित दस्तावेजों की आड़ में बाहरी लोगों को बसाने के मामले प्रकाश में आए हैं। ऐसे में सभी जिलाधिकारियों को पिछले तीन साल में बने स्थाई निवासी प्रमाण पत्रों की जांच के निर्देश देते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम ने सभी अस्पतालों में दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने एवं महिला और बाल रोग चिकित्सकों की तैनाती को सुनिश्चित करने के लिए सूची शासन को उपलब्ध कराए जाने हेतु निर्देश भी दिए।

सीमावर्ती क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों पर रखें कड़ी निगरानी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली में हुई घटना को ध्यान में रखते हुए बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों की सघन चेकिंग करने। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाने एवं अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर यह सुनिश्चित करें कि प्रभावित क्षेत्रों में ठंड से बचने के व्यापक इंतजाम है या नहीं के सख्त निर्देश भी दिए। अधिकारियों को वैरिफिकेशन ड्राइव में तेजी लाने एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखने हेतु भी निर्देशित किया गया।

ग्रामीण पर भालू ने किया हमला, गंभीर रूप से हुआ घायल

चमोली। चमोली जिले के थराली ब्लॉक के सगवाड़ा गांव में देर शाम एक भालू ने अचानक एक ग्रामीण पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के समय घायल व्यक्ति खेतों में घास लेने गया था। उसके शोर मचाने पर आस-पास के लोग मौके की ओर दौड़े, तब तक भालू जंगल की ओर भाग चुका था। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल व्यक्ति को निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थराली पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। हमले में व्यक्ति के चेहरे और आंख पर गहरी चोटें आई हैं। ग्रामीणों के अनुसार गांव के आसपास पिछले कई दिनों से भालू के दिखने की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे लोगों में लगातार भय का माहौल बना हुआ है।

लोगों में बना हुआ है भय का माहौल

केवीएस उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की ग्रीन स्टील उत्पादन करने वाली प्रथम इकाई बनी

पायनियर समाचार सेवा। काशीपुर

उत्तराखंड प्रदेश में इस्पात उत्पादन के क्षेत्र में कार्यरत काशी विश्वनाथ स्टील्स प्रा. लिमिटेड पिछले 40 वर्षों से देश एवं प्रदेश के चहुमुखी विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। काशी विश्वनाथ स्टील्स प्रा. लिमिटेड द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है।

इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित कार्बन उत्सर्जन के मानकों के निर्धारण हेतु राष्ट्रीय द्वितीयक इस्पात प्रोद्योगिकी संस्थान (एनआईएसएसटी) को नामित नोडल एजेन्सी द्वारा इकाई का ऑडिट करने हेतु नियुक्त किया गया तथा ऑडिट की रिर्पोट के आधार पर काशी विश्वनाथ स्टील्स प्रा. लिमिटेड को ग्रीन स्टील प्रमाणन के लिए चुना गया। दिनांक 14.11.2025 को होटल संगरीला, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान काशी विश्वनाथ स्टील्स प्रा. लिमिटेड को संदीप पुंडरीक, सचिव (इस्पात) एवं वी.के. त्रिपाठी, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार एवं परमजीत सिंह, डायरेक्टर, एनआईएसएसटी द्वारा ग्रीन स्टील रार्टीफिकेट प्रदान किया गया। काशी विश्वनाथ स्टील्स प्रा. लिमिटेड ग्रीन स्टील प्रमाण पत्र पाने वाली उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड प्रदेश की प्रथम इकाई है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन-2021, जो कि सीओपी सीओपी 26 के नाम से जाना जाता है। 13 नबम्बर 2021 को ग्लासगो स्कॉटलैण्ड (यूनाइटेड किंगडम) में 26वीं जलवायु सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें 197 देशों ने भाग लिया। सम्मेलन में दौरान प्रत्येक देश ने सीओ2 (कार्बन) उर्त्सजन को कम करने की प्रतिबद्धता जताई। भारत विश्व में कार्बन उत्संजन का विश्व में तीसरा सबसे बडा उत्सर्जक देश माना जाता है। भारत सरकार ने 2030 तक अपनी ऊर्जा का 50 प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय स्त्रोतो से प्राप्त करने एवं 2070 तक कार्बन उर्सजन की मात्रा शून्य करने का लक्ष्य रखा है।

दो नाबालिग छात्राओं से नैनीताल बुलाकर होटल में दुष्कर्म

पायनियर समाचार सेवा। नैनीताल

उत्तराखंड के अल्मोड़ा की दो नाबालिग छात्राओं से नैनीताल बुलाकर होटल में रेप का मामला सामने आया है। वारदात करने वाले आरोपी नाबालिग और एक 19 साल का लड़का है। जिन्हें हिरासत में लेकर पुलिस द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

अल्मोड़ा पुलिस के अनुसार, 13 नवंबर को परिजनों ने मामले की शिकायत की थी। जिसके बाद तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। शिकायत के अनुसार, दोनों छात्राएं 11 नवंबर को स्कूल जाने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन स्कूल नहीं पहुंचीं। इसके बाद परिजनों ने आस-पास और रिश्तेदारों में खोजबीन की, लेकिन छात्राओं के बारे में कुछ पता नहीं चला।

वहीं अल्मोड़ा कोतवाली पुलिस ने शिकायत मिलने के तुरंत बाद दोनों छात्राओं के फोन की लोकेशन को ट्रेस करना शुरू किया। तो शुक्रवार देर रात दोनों छात्राओं की लोकेशन नैनीताल में मिली। अल्मोड़ा पुलिस की एक टीम नैनीताल भेजी गई। जहां पर लोकेशन मिली वह होटल था। अल्मोड़ा और नैनीताल पुलिस ने होटल में रेड की और दोनों छात्राओं को दोनों आरोपियों से बचाया। पुलिस ने नैनीताल निवासी एक किशोर और हल्द्वानी के साहिल कुमार (19) को भी मौके से पकड़ा। इसके बाद पुलिस आरोपियों को अल्मोड़ा लेकर आई। वहां उनसे सख्ती से पूछताछ की और मामले का खुलासा हुआ। पुलिस के मुताबिक युवक और छात्राओं की दोस्ती एक साल पहले इंस्टाग्राम पर हुई थी। इस दौरान दोनों ने एक दूसरे की पोस्ट लाइक की और नंबर शेयर किया। एक साल तक यूं ही सिलसिला चलता रहा। एक दिन फिर चारों ने मिलने का मन बनाया और प्लानिंग की।

दोनों छात्राओं व आरोपियों का मेडिकल परीक्षण

पुलिस ने मामले में एक नाबालिग सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। साहिल कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि नाबालिग आरोपी को कानूनी प्रक्रिया के तहत हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने दोनों छात्राओं और आरोपियों का मेडिकल परीक्षण भी कराया है। मामले की आगे की जांच धारानौला चौकी पुलिस कर रही है। एसएसपी अल्मोड़ा देवेंद्र पींचा ने बताया कि गुमशुदगी के मामले में अब पॉक्सो एक्ट की धारा 5/6 और बीएनएस की धारा 64 जोड़ी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बीच सड़क पर मारपीट कर रहे पांच युवकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- वाहनों में हुई मामूली टक्कर को लेकर दो पक्षो के बीच हुआ था विवाद

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग करने और बीच सड़क पर मारपीट कर रहे 5 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वाहनों में हुई मामूली टक्कर को लेकर दो पक्षो के बीच सड़क पर विवाद होने पर पुलिस ने उन्हें कानून का पाठ सिखाया।

पुलिस के अनुसार आज थाना नेहरू कॉलोनी को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति हिम प्लेस होटल के पास आपस में झगड़ा कर रहे हैं, जिसमें कुछ व्यक्तियों को चोटें आई है। उक्त सूचना पर थाना नेहरू कॉलोनी से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा तथा मौके पर झगड़ा कर रहे 5 व्यक्तियों को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। जिनके विरूद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। घटना के संबंध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि वाहनों में हुई आपसी टक्कर को लेकर दोनो पक्षो के बीच मौके पर विवाद हुआ था तथा दोनों पक्षो के बीच पूर्व से किसी रंजिश का होना प्रकाश में नही आया है।

19 नवंबर से शुरू होगी बीएड प्रवेश प्रक्रिया

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय ने बीएड की प्रवेश प्रक्रिया की तिथियों में बदलाव करते हुए नई तिथि जारी की है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पंजीकरण, सत्यापन और कॉलेज आवंटन से जुड़ी विभिन्न तिथियों को संशोधित किया है। नई तिथि के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण अब 16 से 18 नवंबर तक पंजीकरण, पंजीयन में सुधार की तिथि 19 नवंबर निर्धारित की गई है।

अभ्यर्थियों के शैक्षणिक अंकों के प्रमाण-पत्रों की जांच एवं सत्यापन 20 और 21 नवंबर को किया जाएगा। अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन कॉलेज आवंटन 22 से 24 नवंबर को होगा जबकि आवंटित कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया 25 से 29 नवंबर के बीच पूरी की जाएगी।

प्रमाण-पत्रों की जांच व सत्यापन 20 व 21 को किया जाएगा

बुजुर्ग महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

- गले से ज्वैलरी गायब, जांच में जुटी पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। अल्मोड़ा

अल्मोड़ा जिले के लमगड़ा ब्लॉक के सांगण साहु गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। गांव के बीच स्थित घर में 60 वर्षीय गंगा देवी पत्नी मोहन सिंह का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। गले पर चोट के निशान, कान से बहता खून और गले से सोने का गायब गलोबंद ने लूट के बाद हत्या की आशंका को मजबूती दी है।

शांत माने जाने वाले पहाड़ी गांव में इस घटना से हड़कंप मच गया है, जबकि ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के अनुसार गंगा देवी घर में अकेले रहती थीं। उनके पति मोहन सिंह लमगड़ा बाजार में रेस्टोरेंट चलाते हैं और अधिकतर समय वहीं रहते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, सुबह जब वह घर से बाहर नहीं निकली, तो दोपहर तक चिंता बढ़ी। पड़ोसी जब घर पहुंचे, तो दरवाजा खुला मिला, अंदर टीवी चालू थी और गंगा देवी बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़ी थीं। घटना की सूचना तुरंत पति और चंडीगढ़ में नौकरी कर रहे बेटे रविंद्र को दी गई। थानाध्यक्ष प्रमोद पाठक मौके पर पहुंचे और जांच की। पुलिस के अनुसार मृतका के गले पर निशान, कान से खून और गायब गलोबंद कई सवाल खड़े कर रहे हैं।

हालांकि अन्य आभूषण सुरक्षित मिले, जिससे यह आशंका और बढ़ती है कि अपराधी किसी खास गहने के पीछे थे या फिर अपराध को भटकाने की कोशिश की गई।

राज्यपाल ने गुरु तेग बहादुर की शहादत पर आधारित पुस्तक 'गुरु तेग बहादुर' का किया विमोचन

गुरु तेग बहादुर का अद्वितीय बलिदान विश्व इतिहास में अनुपम

- आदर्श व मर्यादा संपूर्ण मानवता के लिए पथ-प्रदर्शक : महाराज

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सोमवार को राजभवन में गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित 'हिन्द की चादरः एक सर्वोच्च बलिदान गाथा' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर गुरमत संगीत बाल विद्यालय, ऋषिकेश के बच्चों द्वारा गुरु तेग बहादुर के जीवन और बलिदान की अमर गाथा को संगीत और शबद के रूप में भावपूर्ण अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। इस अवसर पर गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और उनकी शहादत पर आधारित एक पुस्तक 'गुरु तेग बहादुर' का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने राष्ट्र, मानवता और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा हेतु गुरु तेग बहादुर द्वारा दिए गए अद्वितीय बलिदान को विश्व इतिहास में अनुपम बताया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत भारत की आध्यात्मिक विरासत, सांस्कृतिक अस्मिता और मानवीय मूल्यों की रक्षा का सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने गुरु साहिब को 'हिन्द की चादर' और मानवता, साहस व बलिदान का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श और मर्यादा संपूर्ण मानवता के लिए पथ-प्रदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि इस दिशा में, उत्तराखंड पर्यटन विभाग ने गुरुद्वारा सर्किट बनाया है, जिसमें हेमकुंड साहिब, नानकमत्ता, ननकाना साहिब और रीठा-मीठा साहिब जैसे प्रमुख सिख तीर्थ स्थल शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 350वें शहीदी वर्ष की स्मृति में उत्तराखंड सरकार 19 नवंबर को हल्द्वानी, 20 नवंबर को रुद्रपुर, और 21 नवंबर को काशीपुर में श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जिसका भव्य समापन 24 नवंबर को हरिद्वार संस्कृत विश्वविद्यालय में होगा।

इस कार्यक्रम में हेमकुण्ड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेन्द्रजीत सिंह बिन्द्रा, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष गीता खन्ना, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल, अपर सचिव रीना जोशी, अपर सचिव अभिषेक रूहेला सहित अनेक गणमान्य लोग एवं विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं मौजूद रहें।

गुरु साहिब की शिक्षाओं को अपने जीवन में करें धारण

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय सिख परंपरा और साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रतीक है। उन्होंने आह्वान किया कि गुरु साहिब की महान शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करें और भारत की एकता, अखंडता तथा संस्कृति की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहें। गुरु जी का बलिदान भारत की आत्मा का अमर प्रकाश है, जो सदियों तक मानवता के मार्ग को आलोकित करता रहेगा।

एक नजर

डीएम और एसएसपी ने स्टेडियम का लिया जायजा

सहारनपुर। सुंदरपुर स्थित गणेशपुर के सॉलिटेयर क्रिकेट स्टेडियम में चल रही चार दिवसीय कुच बिहार ट्रॉफी अंडर-19 प्रतियोगिता के दूसरे मैच के दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल और एसपी आकाश तिवारी ने सोमवार को स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश व चंडीगढ़ की टीमों के बीच चल रहे मुकाबले और ग्राउंड की सभी व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया। निरीक्षण के समय अधिकारियों ने अभ्यास सुविधाओं, पिच एवं आउटफील्ड की गुणवत्ता, खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध संसाधनों तथा सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। दोनों अधिकारियों ने कहा कि जिले के युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तर की ट्रेनिंग और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

चोरी की मोटर साइकिल के साथ दो गिरफ्तार

सहारनपुर। थाना फतेहपुर पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 2 वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से

चोरी की बुलेट मोटर साइकिल बरामद किया है। शादाब पुत्र शौकत निवासी अलावलपुर भगवानपुर जिला हरिद्रार ने पुलिस को बताया था कि अज्ञात चोरों द्वारा बुलेट मोटर साईकिल नं. यूं.के 17 एम 1975 चुरा लिया गया है। मुखबिर की सूचना पर थाना फतेहपुर पुलिस ने अयान पुत्र आकिल तथा तोहिद पुत्र मोहतरम निवासी ग्राम सोना सैय्यद माजरा थाना गागलहेडी जनपद सहारनपुर को चोरी की गयी बुलेट मोटर साइकिल बिना नम्बर प्लेट सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो पूछताछ के बाद दोनो अभियुक्तों जेल भेज दिया।

पुलिस ने दो अपराधियों को किया गिरफ्तार

नकुड़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं वाछिंत अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाये जा रहे अभियान में नकुड थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार त्यागी के नेतृत्व में चैकिंग अभियान मे अघ्याना रोड पर कुंभराज त्यागी के बाग के पास एक शातिर शराब तस्कर विक्रम पुत्र मोहकम सिंह निवासी ग्राम सिरसका थाना नकुड़ को दस लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया।इसी क्रम में एक अन्य वारंटी अभियुक्त भीम पुत्र महेंद्र सिंह निवासी मौहल्ला सुजातपुरा को दोपहर गिरफ्तार किया।

अभियुक्त को पुलिस ने किया जिला बदर

सहारनपुर। शातिर अपराधियों के विरुद्ध गुण्डा अधिनियम में प्रभावी निवारक कार्यवाही करते हुए अपर जिलाधिकारी (वित्त एव राजस्व) के आदेश पर नानौता थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सैनी ने अपराधी जुबैर पुत्र इकराम निवासी ग्राम बाबूपुरा थाना नानौता को जनपद की सीमा से निष्कासित किया है।

मनाया गया गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व

बेहट। गुरु नानक देव के 556 वे प्रकाश पर्व नगर कीर्तन के रुप मे मनाया गया। इस मौके पर शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया गया। कस्बे सहित

विभिन्न स्थानों पर शोभायात्रा का फूलों की वर्षा के साथ अभिनंदन किया गया साथ ही जगह-जगह पर अनेकों गांव और कस्बे में भंडारों का आयोजन किया गया। सोमवार को श्री गुरु नानक देव जी के 556 वे प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन शोभा यात्रा प्रेम नगर भागूवाला गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार से चल कर गुरुद्वारा गुरु सिँह सभा बेहट पर पहुंचा। जहां पर नगर कीर्तन में पालकी साहिब में विराजमान श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज साहिबजादे का गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा बेहट के मुख्य सेवादार मनप्रीत सिंह, अशोक चुघ व बेहट संगत द्वारा कस्बे के शाकंभरी गेट पर भव्य स्वागत किया गया। शोभा यात्रा में आकर्षण जाकिया बनाई गई थी। अवसर पर अमरोहा से आए हुए शहीद बाबा दीप सिंह दल ने से शस्त्र विद्या का अद्भुत प्रदर्शन किया। नगर कीर्तन प्रेम नगर से चलकर भागूवाला,जसमौर, चौहडपुर कला बेलका माफी से होते हुए कस्बे के शाकंभरी गेट से गाँधी चौक से होते हुए निर्माणधीन गुरुद्वारा गुरु सिँह सभा पर पहुंचा। इसके अलावा जगह जगह लंगर के स्टॉल लगाए गए। इस मौके पर सिंह ब्रदर्स स्टोन क्रेशरके प्रबंधक सहित गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा कमेटी बेहट के मुख्य सेवादार मनप्रीत सिंह सन्नी,अमरजीत सिंह, अशोक चुघ,चंदन, सन्नी,दिगवा,जितेन्द्र सिंह,कस्बे के चेयरमैन अब्दुल रहमान,संजीव कर्णवाल उर्फ बॉबी,राकेश गाबा अवनीश अग्रवाल सत्य प्रकाश रोहेला शाहिद सभी सभासद मौजूद रहे।

सर्वखाप महापंचायत में समाज को नई दिशा देने का लिया संकल्प

- युवाओं को सही राह पर लाने और सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन पर विशेष जोर
- जम्मू-कश्मीर के डिप्टी सीएम और अन्य गणमान्य हुए शामिल
- महापंचायत के तीसरे दिन प्रस्तावित फैसलों पर लगेगी अंतिम मोहर

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

शाहपुर क्षेत्र के सोरम गांव में चल रही सर्वखाप महापंचायत में समाज को नई दिशा देने का संकल्प लिया गया।

महापंचायत के दूसरे दिन वक्ताओं ने ग्रामीण संस्कृति में खापों के महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं को सही मार्ग पर लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के डिप्टी सीएम सुरेन्द्र सिंह, पूर्व सांसद संजीव बालियान, राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, पूर्व सांसद भारतेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री धर्मवीर बालियान और पूर्व मंत्री योगराज सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उन्होंने खाप के फैसलाओं की याद दिलाते हुए कहा कि खाप चैधरी समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। महापंचायत में सामाजिक बुराइयों जैसे दहेज प्रथा, नशाखोरी और अन्य कुप्रथाओं के उन्मूलन पर विशेष ध्यान दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि युवाओं को साथ लेकर समाज और देश की दशा और दिशा को बदला जा सकता है।

महापंचायत के तीसरे दिन मंगलवार को इन प्रस्तावित फैसलों पर अंतिम मोहर लगाई जाएगी, जो समाज में परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस महापंचायत के माध्यम से खाप समुदाय ने न केवल सामाजिक चेतना जगाने का प्रयास किया है बल्कि ग्रामीण संस्कृति की गरिमा को भी उजागर किया है।

युवक की संदिग्ध मौत पर ससुराल पक्ष के चार पर मुकदमा दर्ज

- पोस्टमार्टम के लिए आज कब्र से निकाला जाएगा शव

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

खतौली के नई आबादी निवासी वसीम शेख की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला अब गंभीर मोड़ ले चुका है। मौत से पहले वसीम द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में पत्नी और ससुराल पक्ष पर मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद परिजनों ने इसे हत्या करार दिया है। इसी प्रकरण में लोनी थाना पुलिस ने वसीम की पत्नी समेत चार लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सूत्रों के अनुसार, करीब एक माह पूर्व 21 अक्टूबर को दिल्ली के लोनी क्षेत्र में वसीम का शव बरामद हुआ था। बताया जाता है कि छह महीने पहले वसीम अपनी पत्नी संग ससुराल अंकुर विहार, लोनी में रहने चला गया था। इसी दौरान पारिवारिक विवाद बढ़ता गया और परिजनों को कई बार जानकारी मिली कि ससुराल वाले उसे प्रताड़ित कर रहे हैं। मौत से तीन दिन पूर्व वसीम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें उसने स्पष्ट कहा था मुझे मेरी पत्नी, सास और साले ने बहुत परेशान किया है।

पंजाब केसरी लाला लाजपत राय को किया नमन

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

महान स्वतंत्रता सेनानी और पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि पर शहर में भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने लाजपत राय के आदर्शों को नमन किया।उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने अपने संबोधन में लाला लाजपत राय के संघर्षमय जीवन, स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान और अंग्रेजी शासन के खिलाफ उनके अदम्य साहस पर प्रकाश डाला। उन्होंने विस्तार से बताया कि क्यों देश ने उन्हें पंजाब केसरी की गौरवपूर्ण उपाधि से सम्मानित किया। वैश्य अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष सुनील सिंघल ने भी उनके प्रेरणादायी जीवन, देशभक्ति और समाज सुधार के लिए किए गए कार्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि उनका जीवन नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक है।कार्यक्रम में पूर्व विधायक अशोक कंसल, गोपाल गुप्ता, नवनीत कुच्छल, विशाल गर्ग, बबीता गुप्ता, रेणु गर्ग, संजय मित्तल, प्रमोद मित्तल, संजय गर्ग, विजेंद्र पाल, कमलकांत शर्मा, प्रदीप गर्ग, विवेक मित्तल, नवनीत गुप्ता, रजत गोयल, शोभित गुप्ता, रजत धीमान, मनोज वर्मा, राजीव शर्मा, सुशील गोयल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विवाद के बाद पति ने पत्नी को चाकुओं से गोदा, हालत गंभीर

शामली। गांव कुरमाली में पति द्वारा विवाद के बाद पत्नी पर चाकू से हमला कर बुरी तरह घायल करने का मामला प्रकाश में आया है। सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने घायल महिला को उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घायल के भाई ने आरोपित के खिलाफ बाबरी थाने पर रिपोर्ट दर्ज करायी है।

जनपद बागपत के छपरौली क्षेत्र के गांव हेवा निवासी बुशरा की शादी शामली जनपद के बाबरी क्षेत्र के गांव कुरमाली निवासी मुशाईद से करीब 11 साल पूर्व हुई थी। 15 नवम्बर की रात पति पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हो गया, आरोप है कि पति मुशाईद ने बुशरा से ताबडतोड चाकू से वार कर दिए जिसमें बुशरा गंभीर रूप से घायल हो गयी। घटना के बाद आरोपित फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने मामले की जानकारी बुशरा के परिजनों को दी जिस पर परिजन मौके पर पहुंचे तथा घायल बुशरा को शामली के जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया।

खराब सड़क और जलभराव को लेकर जसपा का जोरदार प्रदर्शन

- ओवरब्रिज निर्माण की मांग

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

रेशु चौक से अलमासपुर तक जाने वाले मार्ग में टूटी सड़क, जलभराव और ओवरब्रिज निर्माण जैसी समस्याओं को लेकर जय समता पार्टी (जसपा) ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। अलमासपुर, सुख विहार स्थित पार्टी कार्यालय से शुरू हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र, नागरिक और पार्टी कार्यकर्ता शामिल रहे।

जसपा पदाधिकारियों ने बताया कि श्री राम ग्रुप ऑफ कॉलेज, रेशु बिहार चौक के सामने की सड़क लंबे समय से क्षतिग्रस्त है और वहां लगातार दूषित जलभराव रहता है। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों छात्र-छात्राएँ आने-जाने के लिए मजबूर हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों की शिकायतों के बावजूद प्रशासन कोई प्रभावी कदम नहीं उठा सका।ज्ञापन में रेशु बिहार रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज न होने के कारण प्रतिदिन लंबा जाम लगने और मेरठझहरिद्वार हाईवे पर बिलासपुर-कूकड़ा कट पर फ्लाईओवर न बनने के कारण बार-बार दुर्घटनाओं की घटनाओं का उल्लेख किया गया। पार्टी ने चेताया कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो रेशु बिहार चौक के मुख्य मार्ग को अस्थायी रूप से बंद कर उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। जसपा ने प्रशासन से मांग की कि श्री राम कॉलेज रेशु बिहार चौक मार्ग पर जलभराव को दूर कर सड़क का शीघ्र पुनर्निर्माण कराया जाए। रेशु बिहार रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज का तत्काल निर्माण कराया जाए। बिलासपुर-कूकड़ा बायपास कट पर फ्लाईओवर का निर्माण हो, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लग सके।

ज्ञापन सौंपने वालों में युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष अमन बंसल, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। जसपा ने इन मांगों को जनहित से जुड़ा बताते हुए केंद्र और राज्य सरकार से शीघ्र कार्रवाई की अपील की है।

ऊन बाईपास पर मिला अज्ञात महिला का शव, सिर पर चोट के निशान

शामली। कस्बा ऊन बाईपास मार्ग पर पेट्रोल पंप के समीप एक महिला का शव पड़ा मिला महिला के सिर में चोट का निशान है। राहगीरों द्वारा मामले की सूचना पुलिस को दी गई। आनन-फानन में पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन शिनाख्त नहीं हो पाई। जिसके बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

सोमवार को कस्बे के बाईपास मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई।सुबह के समय घूमने गए लोगों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी।दिन निकलते ही शव की सूचना से पुलिस में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में कोतवाली प्रभारी विरेन्द्र कसाना ओर चौकी प्रभारी राकेश कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने महिला के शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन शिनाख्त नहीं हो पाई। महिला की उम्र करीब 45 वर्ष के आसपास बताई जा रही है, महिला के सिर में चोट का निशान है नाक से खून बह रहा था वही पास में एक नारियल, 100 का नोट तथा एक पॉलिथीन में दवाई व पालक के पत्ते पड़े मिले।

जनपद की कानून व्यवस्था को और मजबूत करना प्राथमिकताः शुक्ला

- मिशन शक्ति अभियान का शत-प्रतिशत पालन व समस्याओं का कराया जाएगा त्वरित समाधान
- नवागत एएसपी सुमित शुक्ला ने संभाला कार्यभार, प्राथमिकता भी गिनाई

पायनियर समाचार सेवा। शामली

नवागत एएसपी सुमित शुक्ला ने कहा है कि जनपद में कानून व्यवस्था को और मजबूत करना व मिशन शक्ति अभियान का शत-प्रतिशत पालन कराना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि फरियादियों की समस्याओं का भी प्रमुखता से समाधान कराया जाएगा।

शामली जिले में एएसपी का कार्यभार संभालने के बाद नवागत एएसपी सुमित शुक्ला ने कहा कि जनपद में मिशन शक्ति 5.0 का शत-प्रतिशत पालन कराना व कानून व्यवस्था को और मजबूत करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। मिशन शक्ति व साइबर जागरूकता कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। जनपद में नशे के खिलाफ भी कठोर कदम उठाए जाएंगे, साथ ही जनपद वासियों को नशे के खिलाफ पुलिस प्रशासन का सहयोग करने के लिए जागरूक किया जाएगा। एएसपी ने बताया कि वे मूल रूप से लखीमपुर खीरी जनपद के निवासी हैं, इससे पूर्व वे बिजनोर, शाहजहांपुर, गोरखपुर, अमेठी, प्रयागराज व बागपत में सीओ के पद पर कार्य कर चुके हैं। शामली से पूर्व वे नोएडा में एएसपी पद पर रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता के तहत महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों में कमी लाने का भी पूरा प्रयास किया जाएगा।

कुत्ते व बंदर के हमले में दो बच्चे घायल

कांधला। कस्बा एलम निवासी एक बच्चे को बंदर और दूसरे को कुत्ते ने हमला कर घायल कर दिया है। परिजन दोनों घायलों को लेकर अस्पताल पहुंचे तथा रैबीज के इंजेक्शन लगवाए।

कस्बा एलम में बंदर और आवारा कुत्तों के झुंड कस्बे में जगह जगह दिखाई देते है। बंदर और कुत्ते आए दिन हमला कर किसी ना किसी को घायल कर रहे है। कस्बा निवासी जयकुमार का 9 वर्षीय पुत्र जतिन घर के बाहर गली में स्थित किरयाना की दुकान जा रहा था। इसी दौरान आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। आस पास से गुजर रहे लोगों ने किसी तरह जतिन को कुत्ते से बचाया। दूसरी ओर कस्बा निवासी महेश का तीन वर्षीय पुत्र दीपक घर के आंगन में खेल रहा था। खेलते समय बंदर ने अचानक हमला कर दिया जिसमे दीपक घायल हो गया। चीख पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने बंदर की भगाया। सोमवार को घायल दोनों बच्चों के परिजनों ने पीएचसी पहुंचकर रेबीज इंजेक्शन लगवाए। डा. अनुज मलिक ने कहा कि घाव को अच्छी प्रकार साबुन से धोकर साफ पानी से साफ करना चाहिए और घाव को खुला नहीं छोड़ना चाहिए।

सुनारों की दुकान से चेन व कुंडल चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। शामली

शहर कोतवाली पुलिस ने शामली व गढीपुख्ता से सुनार की दुकान से सोने की चेन व कुंडल चोरी करने के मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला के कब्जे से सोने की चेन व कुंडल भी बरामद किए हैं। इस मामले में एक आरोपित फरार है जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। सोमवार को एएसपी सुमित शुक्ला ने प्रेसवार्ता में बताया कि शामली निवासी एक सुनार की दुकान पर एक महिला व एक पुरुष खरीददारी के लिए आए थे, सुनार ने उन्हें सोने की कई चीजें दिखाई दी, इसी दौरान महिला ने एक सोने की चेन गायब कर दी थी तथा कुछ देर बाद वहां से चले गए थे। सुनार ने जब अपनी चीजों की गिनती की तो उनमें सोने की चेन गायब मिली। दुकानदार द्वारा दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो उसमें महिला सोने की चेन चोरी करती नजर आयी थी जिसके बाद पीडित सुनार ने शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी थी। वहीं कस्बा गढीपुख्ता में भी ऐसी ही घटना प्रकाश में आयी थी जिसमें दुकान पर आए एक महिला व एक पुरुष ने एक जोडी सोने की बाली चोरी कर ली थी।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने अधिकारियों के साथ की बैठक

जनसुनवाई में 13 शिकायतों पर विभागों को सख्त निर्देश

- महिला चिकित्सालय और जिला कारागार का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। सहारनपुर

उ.प्र. राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान तथा महिला आयोग की सदस्या सपना कश्यप द्वारा सर्किट हाउस सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक एवं जनसुनवाई की गयी।

डॉ. बबीता सिंह चौहान ने निर्देश दिए कि सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला एवं बालिका हितैषी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। इसके लिए नुक्कड़ नाटक करवाकर तथा सभी संबंधित विभागों से समन्वय करते हुए कार्य किया जाये। अध्यक्ष ने सभी विभागों की संचालित योजनाओं की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि इन योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पात्रों तक पंहुचाया जाये। महिला कल्याण के अन्तर्गत कन्या सुमंगला योजना, रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष, सखी वन स्टॉप सेन्टर, पेंशन, पुनर्विवाह योजना के साथ ही समाज कल्याण, पिछडा वर्ग कल्याण, स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विकास विभाग, माध्यमिक शिक्षा, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, बेसिक शिक्षा, पंचायती राज, परिवहन विभाग से संबंधित महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिये कि स्वच्छता का विशेष ध्यान दिया जाये। सर्वाइकल कैंसर संबंधी वैक्सीन को सीएसआर के माध्यम से अधिक से अधिक लगवाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को लाभान्वित किया जाये। एनीमिया मुक्त सहारनपुर अभियान की सराहना करते हुए जनपद द्वारा बनाई गयी रणनीति की प्रशंसा की। इस अवसर पर जनसुनवाई के दौरान 13 प्रकरणों को सुना गया जिसमें से 6 प्रकरण घरेलू हिंसा (महिला थाना), 1 प्रकरण पुलिस विभाग, 3 प्रकरण राजस्व विभाग, 1 प्रकरण आबकारी विभाग तथा 01 रोजगार से सम्बन्धित प्राप्त हुए। सभी प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये गये तथा प्रकरण में फालोअप लेते हुए निस्तारण आख्या से उन्हें अवगत कराने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिये गये। इससे पूर्व उन्होने जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। महिला चिकित्सालय में उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतुष्टि प्रकट की। चिकित्सालय में तीन महिलाओ की गोद भराई व तीन बच्चों का अन्नप्राशन कार्यक्रम मे प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, जिला पंचायत राज अधिकारी प्रदीप कुमार द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी सदर प्रिया यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी अर्चना, जिला सूचना अधिकारी दिलीप कुमार गुप्ता, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुमन गौतम सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

गश्त के दौरान पुलिस टीम पर हमला

कैराना। थाना क्षेत्र में रविवार को गश्त कर रही पुलिस टीम पर अज्ञात बुलेट बाईक सवारों द्वारा जानलेवा कर दिया गया था। हमले में एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल सिपाही को प्राथमिक उपचार के बाद मेरठ रेफर किया गया है। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

रविवार की दोपहर करीब 12 बजे हैड कांस्टेबल मोनू दहिया व हैड कांस्टेबल नितिन कुमार के साथ शांति व्यवस्था व संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में होटल दिल्ली दरबार के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान बुलेट बाईक पर सवार दो अज्ञात युवक मिले, जो साइलेंसर से पटाखे जैसी आवाज निकालते हुए तेज रफ्तार में चल रहे थे। उनके पीछे एक चारपहिया वाहन भी चल रहा था, जिसमें एक दूल्हा बैठा हुआ बताया गया है। पुलिस टीम ने जब बुलेट सवारों को रुकने का इशारा किया, तो उन्होंने रुकने के बजाय तेज रफ्तार में पुलिस की मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी।

समर्पित जागृति यात्रा का भव्य स्वागत

- गुरुद्वारा साहिब पहुँचने पर ग्रंथि बाबा गुलजार सिंह चीमा ने संगत को स्वरूप भेंट कर आशीर्वाद दिया

पायनियर समाचार सेवा। नागल

हिंद की चादर, धर्म की ढाल, मानवता के रक्षक गुरु तेग बहादुर जी के महान बलिदान और आदर्शों को समर्पित जागृति यात्रा रात में पहुंचने पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया । जागृति यात्रा कस्बे के गुरुद्वारा साहिब पहुँचने पर ग्रंथि बाबा गुलजार सिंह चीमा ने संगत को स्वरूप भेंट कर आशीर्वाद दिया।

यह यात्रा सहारनपुर, गंगोह, गागलहेड़ी ,कोटा माही से होती हुई नागल पहुँची और तत्पश्चात पनियाली गुरुद्वारा के लिए रवाना हुई। यात्रा का संचालन बाबा रणजीत सिंह के निर्देशन में किया गया। संगत पूरे मार्ग में वाहेगुरु वाहेगुरु और जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारों से वातावरण गूँजाती रही। हजारों की संख्या में श्रद्धालु मोटरसाइकिल, गाड़ियों और बसों में शामिल होकर यात्रा में अपनी भागीदारी निभा रहे थे। गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान सरदार कृपाल सिंह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी न सिर्फ हिंद की चादर थे, बल्कि धार्मिक स्वतंत्रता, मानव अधिकारों और सत्य के सर्वोच्च प्रतीक हैं। कश्मीर के हिंदुओं की रक्षा के लिए उन्होंने अपनी जान न्योछावर करके पूरी दुनिया को साहस, बलिदान और मानवता का संदेश दिया।

उनका जीवन त्याग, करुणा, सहनशीलता, निडरता और सबके लिए खड़े होने का अद्भुत उदाहरण है। ऐसे महापुरुष के महान कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। जागृति यात्रा के आगमन से पूरा माहौल आध्यात्मिक रंग में रंग गया।

शिक्षक की भूमिका में दिखे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

युवाओं से कहा-जीवन में कोई भी अयोग्य नहीं

- बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय लखनऊ के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में युवाओं को 'शिक्षक' के रूप में रास्ता दिखाया। उन्होंने युवाओं को हमेशा प्रयास करते रहने की सीख दी। कहा कि प्रयास करने से सब कुछ हो सकता है। जीवन में सफलता के दो ही मार्ग हैं। समाधान की तरफ जाएंगे तो सफलता प्राप्त होगी। समस्या को बार-बार गिनाते रहेंगे तो सफल नहीं हो सकते। समस्या की बजाय समाधान पर ध्यान दीजिए। सभी लोग मिलकर जब सामूहिक रूप से प्रयास करेंगे तो समाधान मिलेगा। जीवन में सदा नया सीखने का अवसर प्राप्त होता है। अलग-अलग सेक्टरों में हमें नए अवसरों को ढूंढने का प्रयास करना चाहिए। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं है, बल्कि योग्य योजक चाहिए। संस्थान, बॉस, आचार्य, अभिभावक और व्यक्ति भावी पीढ़ी के लिए योजक बन सकते हैं। जीवन में धैर्य, संतुलन खोए बिना अडिग होकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता कदम चूमेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीक्षांत समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास, विश्वविद्यालय के रचनाकार पूर्व केंद्रीय मंत्री अखिलेश दास गुप्ता को भी याद किया। सीएम योगी ने 2011 में विश्वविद्यालय बनने के बाद से यहां के एकेडमिक एक्टिविटीज व खेल की तारीफ की। सीएम योगी ने कहा कि यह केवल दीक्षांत समारोह नहीं है बल्कि इंडियाज ट्रांसफॉर्मिंग जनरेशन का एक उदाहरण भी है। जो विद्यार्थी उपाधि प्राप्त करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, आने वाले समय में उनके विजनरी लीडरशिप में देश-प्रदेश नई गति प्राप्त करेगा। सीएम योगी ने भारत की प्राचीन गुरुकुल प्रणाली के समावर्तन समारोह और उसके परिवर्तित रूप दीक्षांत समारोह की भी व्याख्या की। उन्होंने कहा कि हम जो करते थे, दुनिया उसका अनुसरण करती थी। जब हमने दुनिया का अनुसरण शुरू किया तो हमारी ताकत भी कम होती गई।

सीएम योगी ने कहा कि बाबू बनारसी दास के संघर्षों, आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में उनके योगदान और स्वतंत्र भारत में उत्तर प्रदेश कैसा बनना चाहिए, इस पर उनके प्रयास की भी चर्चा की। बोले-उप्र के मुख्यमंत्री के रूप में हम जिन भी वर्तमान कार्ययोजनाओं को बढ़ाने में सफल होते हैं, उनमें कहीं न कहीं भाव इन्हीं विभूतियों के छिपे होते हैं। जो इन्होंने उस समय यूपी के बारे में सोचा था, हमें उत्तर प्रदेश में उन्हें मूर्त रूप प्रदान करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। कृतज्ञता का भाव सदैव मन में होना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने लंबी छलांग लगाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलो इंडिया खेलो के माध्यम से 2014 में एक अभियान चलाया। फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेलकूद प्रतिस्पर्धा के माध्यम से खेलकूद के प्रति भाव पैदा करने की नई प्रेरणा प्रदान की। आज खेल दिनचर्या का हिस्सा बनता जा रहा है। किसी एकेडमिक संस्था में खेल भी महत्वपूर्ण हिस्सा हो और उसके पास भव्य स्टेडियम, बैडमिंटन एकेडमी हो, यह बीबीडी की बड़ी उपलब्धि है। सीएम योगी ने कहाकि यह केवल रूटीन की डिग्री प्रदान करने वाला संस्थान नहीं है। इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के नए हब के रूप में बीबीडी को स्थापित करने के लिए नया प्रयास प्रारंभ हुआ है। दुनिया तकनीक को तेजी से अपना रही है। दुनिया जहां जा रही है, हम उससे 10 कदम आगे की सोच लेकर चलेंगे, तब दुनिया हमारा अनुगमन करने को मजबूर होगी। 11 वर्ष में भारत की विकास यात्रा का जिक्र करते हुए सीएम ने कहाकि इसे देख दुनिया भी उसके पीछे चलने के लिए खुद को मजबूर करती है।

सीएम योगी ने 2014 के पहले व बाद में देश के प्रति आई धारणा का जिक्र किया। बोले कि लोगों की हताशा व निराशा को आशा व उत्साह में भरने का कार्य 2014 के बाद देखने को मिला। सीएम योगी ने कहा कि भारत ने हर क्षेत्र में नई छलांग लगाई है। छोटे-छोटे प्रयोग कर भारत ने बताया कि इसके परिणाम क्या हो सकते हैं। मोदी जी ने कहा कि हर गरीब का बैंक अकाउंट होना चाहिए तो नकारात्मक लोग नकारात्मक स्वर बोलने लगे। जिन्हें कुछ नहीं करना होता है, वे सकारात्मक कदम का विरोध करते हैं।

सीएम ने बच्चों को दिया मेडल व डिग्री

सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान बच्चों को मेडल व डिग्री प्रदान किया। सीएम के हाथों अवार्ड पाने वालों में मुस्कान साहू, पेशवानी शर्मा, सुमि गौर, जीविदा शुक्ला, स्मारिका सक्सेना, इंशा इमरान, मधुलिका, ऋषिता अस्थाना, नैना सिंह, विभव दुबे, पल्लवी राय, नीरज कुमार कुशवाहा, वर्तिका गुप्ता, वैष्णवी यादव, शुभम शुक्ला, वैष्णवी श्रीवास्तव, सारा मेहंदी आदि शामिल रहीं। वहीं डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित होने वालों में मयंक जयपुरिया, अमृता यादव, मंजू भारद्वाज, श्वेता सिंह, ऊषा अरुणिमा, आलोक शरण, समीक्षा गुप्ता, ओजस्विनी पाल, शैलजा पांडेय, नेहा शर्मा, आफरीन हसन, फरहीन आजाद, सारा जैदी, अनुकृति मिश्रा शामिल रहीं।

मां ने लगाई मासूम के जीवन की गुहार सीएम ने फौरन करवाई इलाज की व्यवस्था

- लखनऊ की रहने वाली महिला सात महीने के बच्चे को लेकर पहुंचीं मुख्यमंत्री आवास
- बच्चे को हृदय से संबंधित है परेशानी, मुख्यमंत्री आवास से एंबुलेंस से भिजवाया गया केजीएमयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सोमवार की सुबह एक मां के जीवन में उम्मीद की किरण लेकर आया, जब वह 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलीं। उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए सात माह के मासूम की बीमारी के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने महिला की बात सुनी और तत्काल उन्हें एंबुलेंस से केजीएमयू भिजवाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हृदय संबंधी बीमारी से जूझ रहे बच्चे का इलाज शुरू हो गया। वहीं 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से 60 से अधिक फरियादी आए, मुख्यमंत्री ने सभी के पास पहुंचकर उनकी शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को समय से निराकरण का निर्देश दिया।

लखनऊ के राजेंद्र नगर, ऐशबाग की रहने वाली एक महिला सोमवार सुबह मुख्यमंत्री आवास में लगाए गए 'जनता दर्शन' में पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। वे किराए के मकान में रहकर अत्यंत सीमित संसाधन में जीवनयापन कर रही हैं। उनके सात माह के मासूम को हृदय से संबंधित बीमारी है। उसके इलाज के लिए आर्थिक सहायता कर दी जाए। मुख्यमंत्री ने उस बच्चे को दुलारा-पुचकारा और महिला को आश्वस्त किया कि आप बेफिक्र रहिए, सरकार मदद करेगी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने उस बच्चे को तत्काल एंबुलेंस से केजीएमयू भिजवाया और वहां कुलपति को निर्देशित किया कि बच्चे के उपचार की तत्काल व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री के आदेश के उपरांत वहां मासूम का इलाज प्रारंभ हो गया है। 'जनता दर्शन' में बुलंदशहर निवासी अर्धसैनिक बलों के जवान भी पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपनी जमीन के कब्जे संबंधी शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने उनसे प्रार्थना पत्र लिया और कहा कि आपकी ड्यूटी देश की सीमा या देश की आंतरिक सुरक्षा में लगी होगी, आप ड्यूटी निभाइए। आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार पर है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस मामले की जांच कराने और जल्द समाधान का निर्देश दिया। 'जनता दर्शन' में सोमवार को प्रदेश भर के 60 से अधिक फरियादी पहुंचे। मुख्यमंत्री स्वयं सभी के पास पहुंचे। एक-एक करके सभी का प्रार्थना पत्र लिया और समस्याएं सुनीं, फिर संबंधित अधिकारियों को निराकरण के आदेश दिए। इस दौरान जमीन कब्जा, आर्थिक सहयोग, पुलिस, बिजली समेत अनेक विभागों से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोग पहुंचे थे। सीएम ने फरियादियों को आश्वस्त किया कि आपकी सुरक्षा और सेवा सरकार का कर्तव्य है। सरकार पहले दिन से ही इस इस ध्येय के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री आज अयोध्या में करेंगे उच्चस्तरीय समीक्षा

- ध्वजारोहण समारोह की तैयारियों का स्वयं करेंगे निरीक्षण

पायनियर संवाददाता। लखनऊ। अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह के शिखर पर ध्वजारोहण का भव्य कार्यक्रम 25 नवम्बर को आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की पूरी संभावना है। कार्यक्रम की तैयारियों को परखने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी स्वयं मंगलवार को अयोध्या पहुंचकर राम मंदिर परिसर का दौरा करेंगे और उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। वहीं पीएम के कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण भी करेंगे। शिखर पर ध्वज फहराने के बाद मंदिर का मुख्य निर्माण कार्य पूर्ण रूप से समाप्त हो जाएगा। इसके बाद मंदिर आम भक्तों के लिए पूरी तरह खोल दिया जाएगा। अभी तक केवल गर्भगृह और प्रथम तल तक ही भक्तों को प्रवेश मिलता है, लेकिन शिखर कलश और ध्वजारोहण के बाद पूरे मंदिर परिसर में दर्शन की व्यवस्था शुरू हो जाएगी। कार्यक्रम में देश-विदेश से आने वाले संत-महंत, वीवीआईपी और विशेष अतिथियों की संख्या हजारों में होने का अनुमान है। इन सभी को सुगमता से मंदिर तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष योजना तैयार की है। पार्किंग स्थलों से राम मंदिर तक मेहमानों को गोल्फ कार्ट की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए सभी प्रमुख पार्किंग क्षेत्रों पर ही गोल्फ कार्ट तैनात रहेंगें। इससे पैदल चलने की परेशानी से मेहमानों को निजात मिलेगी और यातायात व्यवस्था भी सुचारू रहेगी। भीड़ प्रबंधन को देखते हुए मंदिर परिसर में ही दो बड़े खोया-पाया कैंप स्थापित किए जाएंगे। इन कैंपों में खोए हुए लोगों को तुरंत खोजने और उनके परिजनों से मिलाने की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा योगी सरकार 'अतिथि देवो भवः' की भावना के साथ मेहमानों का भव्य स्वागत-सत्कार करेगी। सभी अतिथियों के लिए ठहरने, भोजन और परिवहन की उच्चस्तरीय व्यवस्था की जा रही है।जिलाधिकारी निखिल टीकाराम ने बताया कि 25 नवम्बर के कार्यक्रम को देखते हुए अयोध्या में मल्टी लेयर सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। हजारों पुलिसकर्मी, पीएसी, सीआरपीएफ और खुफिया एजेंसियों की टीमें तैनात रहेंगी। ड्रोन और सीसीटीवी से पूरे शहर की निगरानी की जाएगी। राम मंदिर ट्रस्ट के एक सदस्य ने बताया कि शिखर पर ध्वज फहराने के बाद मंदिर का स्वरूप पूर्ण रूप से दिव्य हो जाएगा। नौ शिखरों वाले इस भव्य मंदिर में मुख्य शिखर पर भगवा ध्वज लहराता देख करोड़ों रामभक्तों की आंखें तर हो जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यह कार्यक्रम विश्व पटल पर भारत की आस्था और संस्कृति का प्रतीक बने।

अयोध्या हवाई अड्डे पर 25 को उतरेंगे 80 चार्टर्ड विमान

लखनऊ।भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में 25 नवंबर को राम मंदिर में होने वाले ध्वजारोहण समारोह से पहले अयोध्या हवाई अड्डे पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई अति विशिष्ट अतिथि (वीवीआईपी) शामिल होंगे, ऐसे में हवाई अड्डे पर लगभग 80 चार्टर्ड विमानों के उतरने की संभावना है। हवाई अड्डा निदेशक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि 40 से 80 चार्टर्ड विमानों के प्रबंधन की व्यवस्था की गई है, हालांकि विमानों की पार्किंग आसपास के हवाई अड्डों पर की जाएगी। उन्होंने कहा, "सुरक्षा के लिए हवाई अड्डे पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 100 अतिरिक्त जवान तैनात किए जाएंगे। प्रधानमंत्री के लिए एक विशेष लाउंज और मुख्यमंत्री, राज्यपाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के लिए छह वीआईपी लाउंज बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को पूरे आयोजन की व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे।

कुलपति स्वयं निर्माण कार्यों का करें निरीक्षण: आनंदीबेन

- राज्यपाल ने की विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों में निर्माणाधीन एवं लंबित भवन परियोजनाओं की प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कुलपतियों को निर्देश दिया कि वे स्वयं निर्माण कार्यों का निरीक्षण करें, अपनी समस्याओं को बैठकों में स्पष्ट रूप से रखें और समाधान की दिशा में सक्रिय रहें। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप छोटे क्लासरूम के निर्माण, कमरों के आकार को उपयोगिता और विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर निर्धारित करने तथा छात्रावासों में वाशिंग मशीन, डिश वॉश एरिया और बड़े किचन जैसी सुविधाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में नया निर्माण शुरू करने से पहले विभागीय अधिकारी यह जांचें कि भवन की वास्तविक आवश्यकता क्या है, साथ ही विश्वविद्यालय परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति सोमवार राजभवन में एक उच्च स्तरीय बैठक कर रही थी। राज्यपाल ने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालयों, कार्यदायी संस्थाओं, पीएम उषा तथा संबंधित विभागों के अधिकारी नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करें और निर्माण कार्यों में आने वाली समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हों, निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं तथा उनकी प्रभावी मॉनिटरिंग कुलाधिपति कार्यालय, राजभवन और संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से की जाए। राज्यपाल ने कहा कि यह जांचना आवश्यक है कि निर्माण कार्य लंबे समय से लंबित क्यों हैं। इस संबंध में उन्होंने विभागों के अपर मुख्य सचिवों, उच्च शिक्षा विभाग तथा संबंधित अधिकारियों को विश्वविद्यालयों का भ्रमण कर समस्याओं के निराकरण के लिए ठोस कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भवनों की डिजाइन, टेंडर और निर्माण से जुड़े हर चरण की गहन समीक्षा पर बल देते हुए कहा कि सभी भवनों की डिजाइन उपयोगकर्ताओं, विशेषकर छात्रों की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाए।

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार बेइमानी और लूट चरम पर

- भाजपा सत्ता और शासन तंत्र का दुरूपयोग कर रही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार, बेइमानी और लूट चरम पर है। भाजपा और उसकी सरकार हर तरह के भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। संविधान और कानून का शासन खत्म हो गया। खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है। भाजपा की नीयत में खोट है। वह लोकतंत्र को बंधक बनाकर शासन करना चाहती है।

अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सत्ता और शासन तंत्र का दुरूपयोग कर रही है। चुनावी प्रक्रिया में धांधली करती है। पैसे बांट कर चुनाव लड़ती है। खुलेआम साम्प्रदायिकता को बढ़ाने की भाषणबाजी करती है। भाजपा सरकार में फर्जी मुठभेड़ हो रहे है। इन मामलों में कई जगह पुलिस वालों पर केस हो चुके है। जमीन पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। अवैध खनन और अवैध वन कटाई हो रही है। हर काम में भ्रष्टाचार है। पुलिस हिरासत में मौतें हो रही है। निवेश में कमीशन मांगा जाता है। संविधान को मिटाने का षड्यंत्र चल रहा है। झूठे दावों का बेशर्मी से प्रचार होता है। बुलडोजर से नाइंसाफी हो रही है। भाजपा सरकार आरक्षण को खत्म करने की चालबाजी कर रही है। भर्ती और नौकरी को खत्म करने की साजिश कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा पीडीए पर अन्याय और अत्याचार कर रही है। भाजपा सरकार को कोई लोकलाज नहीं है। लोकतंत्र और कानून को मजाक बना दिया है।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले में कुल 190142 रोगी लाभान्वित हुए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सास्थ्य सुविधायें एवं सेवायें जनसामान्य, विशेषकर समाज के अन्तिम पायदान पर स्थित लोगों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा 02 फरवरी 2020 से शुभारम्भ किये गये मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले के 227 वां मेला आज दिनांक-16 नवम्बर, 2025 को पूरे प्रदेश में आयोजित किया गया। मेलों के प्रारम्भ से ही स्वास्थ्य सुविधाओं यथा जॉच-उपचार, गोल्डेन कार्ड के वितरण के साथ स्वास्थ्य योजनाओं की उपलब्धता के कारण यह मेला जनता में निरन्तर लोकप्रिय रहा है। इन आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में सभी आगन्तुकों/रोगियों को स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराने के अतिरिक्त व्यक्तिगत व पर्यावरणीय स्वच्छता की स्वास्थ्य के सन्दर्भ में महत्ता के विषय में अवगत कराया गया। जल-जनित रोगों से बचाव के विषय में चर्चा की गयी। मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचने के लिये सोते समय मच्छरदानी लगाने एवं आस-पास पानी न जमा होने देने की सलाह दी गयी। मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार मेले में किया गया। शुद्ध पेयजल तथा मरीजों के बैठने की समुचित व्यवस्था की गयी। तम्बाकू प्रयोग के कारण होने वाली हानियों एवं गैर संचारी रोगों से सुरक्षित रहने के सन्दर्भ में भी स्वस्थ जीवन शैली का अनुसरण करने के विषय में संवेदीकृत किया गया।

मता के लिए राष्ट्र स्तर पर अभियान की शुरुआत

लखनऊ। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ईडीआईआई, जो कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त 'सेन्टर ऑफ एक्सिलेंस' है, अपनी पहल 'उद्यमिता पखवाड़ा 2025' (एंटरप्रेन्योरशिप फोर्टनाइट 2025) के शुभारंभ की घोषणा की है। यह उद्यमिता और इनोवेशन का एक देशव्यापी उत्सव है, जिसका उद्देश्य उद्यमशील सोच को प्रोत्साहित करना और स्थानीय नवाचार पारिस्थितिक तंत्र को सुदृढ़ करना है। यह पहल, राज्य सरकारों के शिक्षा विभागों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों के सहयोग से लागू की जा रही है और विश्व के तीसरे सबसे बड़े उद्यमशील इकोसिस्टम में विविध वर्गों के बीच नवाचार, रोज़गार सृजन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर केन्द्रित है।

समर्थ और विकसित उत्तर प्रदेश @2047' से बदलेगी सूबे की तस्वीर

मुख्यमंत्री योगी के विजन पर नागरिकों से मिल रहे हैं रचनात्मक सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने के लिए ''समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश @2047- समृद्धि का शताब्दी पर्व महाभियान'' के विजन पर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 2047 तक उत्तर प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने के लेकर दृढ़संकल्पित हैं। इसके अंतर्गत 75 जनपदों में नोडल अधिकारियों एवं प्रबुद्ध जनों द्वारा भ्रमण कर विभिन्न लक्षित समूहों-छात्र, शिक्षक, व्यवसायी, उद्यमी, कृषक, स्वयं सेवी संगठन श्रमिक संघठन, मीडिया एवं आम जनमानस के साथ विगत 8 वर्षों से प्रदेश की विकास यात्रा के संबंध में जानकारी दी गई तथा विकास हेतु रोड मैप पर चर्चा कर फीडबैक प्राप्त किया गया। इसके अंतर्गत सोनभद्र से निशांत वर्मा का सुझाव है कि सोनभद्र जिसे ₹भारत की ऊर्जा राजधानी'' के रूप में जाना जाता है, 2047 तक एक प्रमुख पर्यावरण-सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र बनने की स्थिति में है। यह India 2047 और टिकाऊ शहरों (SDG 11) और सभ्य कार्य (SDG 8) पर संयुक्त राष्ट्र रउ‡ का समर्थन करता है। जिले के अनूठे आकर्षण- 1400 मिलियन वर्ष पुराने जीवाश्मों वाला सलखन जीवाश्म पार्क, लखनिया दरी जलप्रपात, रिहंद बांध और विजयगढ़ किला एकीकृत पर्यटन सर्किट के लिए व्यापक संभावनाएं प्रदान करते हैं। पीएम गति शक्ति के तहत बेहतर सड़क और रेल संपर्क के साथ, सोनभद्र 2030 तक पर्यटकों के आगमन में 12-15% वार्षिक वृद्धि हासिल कर सकता है। इसका लक्ष्य 2047 तक सालाना 5-6 मिलियन पर्यटकों का आगमन करना है। पर्यावरण-पर्यटन, साहसिक खेलों, सांस्कृतिक उत्सवों और आदिवासी हस्तशिल्प को बढ़ावा देने से समावेशी आजीविका का सृजन होगा। विरासत संरक्षण, बुनियादी ढांचे के विकास और सामुदायिक भागीदारी में संतुलन बनाकर सोनभद्र पूर्वी उत्तर प्रदेश के पर्यटन प्रवेश द्वार के रूप में उभर सकता है, जो 2047 तक भारत की अनुमानित 1 ट्रिलियन डॉलर की पर्यटन अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

बदाऊं से अक्षत कुमार सिंह ने भी विजन ''समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047'' के लिए सुझाव दिया है। उनका कहना है कि शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण को मज़बूत करने के लिए सरकार को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अवसंरचना और डिजिटल परिवर्तन में निवेश करना होगा। ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म का एक मज़बूत नेटवर्क बनाने से पारदर्शिता, दक्षता और तेज नागरिक सेवाएं संभव होगी। क्लाउड आधारित प्रणालियां, एआई-संचालित विश्लेषण और सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड भ्रष्टाचार को कम कर सकते हैं। मैन्युअल देरी को कम कर सकते हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों को किफायती इंटरनेट पहुंच और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों से लैस किया जाना चाहिए ताकि सभी नागरिक समान रूप से लाभान्वित हो सकें।

सरकारी विभाग सूचनाओं को निर्बाध रूप से साझा करने और त्वरित निर्णय लेने को सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीकृत डेटा प्रबंधन प्रणालियों को अपना सकते हैं। संवेदनशील डेटा और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए साइबर सुरक्षा उपायों को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

प्रथा अभियान की घोषणा

लखनऊ। परंपरागत ज्वेलरी ब्रांडों में से एक, 'पीएनजी ज्वेलर्स' ने अपने बहुप्रतीक्षित 'प्रथा' अभियान की घोषणा की है। यह अभियान महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और गोवा में प्रारंभ किया जा रहा है। यह नया कलेक्शन परंपरा और आधुनिक नारीत्व की भावना से प्रेरित है।'प्रथा' का अर्थ है परंपरा, यह कृपा, भावना और कलात्मकता का उत्सव है। इस नई श्रृंखला में सोने और हीरे से बने शानदार ब्राइडल सेट, नेकलेस, ईयररिंग्स, चूड़ियां और मांग टीका शामिल हैं, जो सदाबहार सुंदरता की झलक देते हैं। प्रत्येक आभूषण शादी के गहनों के गहरे महत्व को दर्शाता है, जिसमें खास तौर पर आज की आधुनिक दुल्हनों के लिए बारीक डिज़ाइन और आधुनिक स्टाइल का सुंदर मेल है।

वैदिक मंत्रोच्चार से गूंज उठा विश्व कल्याण द्वार, हर-हर महादेव के जयकारे

पायनियर संवाददाता। बाराबंकी

रामनगर तहसील स्थित प्राचीन लोधेश्वर महादेवा धाम में सोमवार को सदियों पुरानी आस्था पुनः आलोकित हुई। पावन परिसर में धूपझ्रदीप की सुगंध, शंखझ्रघंटों की गूंज और भक्ति से भरे वातावरण के बीच सात दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ हुआ। प्रशासनिक और सामाजिक जगत की सम्मानित उपस्थिति में महाकाल की चरण वंदना का यह वार्षिक पर्व दिव्यता का अनुपम दृश्य रच रहा है।

दिव्यता से भर उठा विश्व कल्याण द्वार : जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी जब धाम पहुंचे, तो संस्कृत पाठशाला के बच्चों ने पुष्पों से अभिनंदन कर शुभ वातावरण रचा। परंपरा निभाते हुए प्रवेश द्वार पर दीप समर्पित किया गया। फिर वैदिक ऋचाओं की मधुर लय में वे गर्भगृह पहुंचे, जहाँ आचार्यों ने दुग्ध, पुष्प, अक्षत और गंगाजल से पारंपरिक विधि से पूजा संपन्न कराई। हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा क्षेत्र मुखर हो उठा।

श्री महादेव के दरबार में भक्ति का उत्कर्ष : धाम की सजावट इस वर्ष विशेष आकर्षण का केंद्र बनी है। पुष्पमालाओं से सजे मार्ग, रौशनी से नहाए मंदिर द्वार और रंगीन ज्योति से दमकते गर्भगृह ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद से भर दिया। पूजा के समापन पर जिलाधिकारी ने सांस्कृतिक मंच पर दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सवी कार्यक्रमों की औपचारिक शुरुआत की।

सांस्कृतिक मंच पर भावों का नाद : मंच पर आरंभ हुए सांस्कृतिक सत्र ने भक्ति को नई ऊंचाई दी। शंख की ध्वनि से वातावरण में ऊर्जा का संचार हुआ। बहार सुगम संगीत प्रभाग के निदेशक प्रभात नारायण दीक्षित की रचना 'हे लंबोदर, जिसके बाद श्री दीक्षित और उनके छात्र-छात्राओं ने रंग गयो मन मेरा भोला के रंग में शिव स्तुति की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिरस से भर दिया। कलाझ्रश्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए शिवराजे फ्यूजन बैंड के कार्तिकेय कैलाश दीक्षित के निर्देशन में अभिजीत, प्रत्युष, वंशिका और अदिति ने लोकप्रिय गीतों का आकर्षक मैशअप पेश किया। इसके बाद अदिति और कार्तिकेय की युगल प्रस्तुति 'लग जा गले' ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि वंशिका गुप्ता की 'आओगे जब तुम सजना' प्रस्तुति ने तालियों की लंबी गूंज बटोरी।

संगीत संगत में अंजीत द्विवेदी (ऑक्टोपैड), रवि कुमार (सिंथेसाइज़र) और कार्तिकेयझ्रअभिजीतझ्रप्रत्युष (गिटार) का संयोजन सराहनीय रहा। कार्यक्रम का समापन प्रशांत बाल विद्या मंदिर की छात्राओं की मनोहारी सरस्वती वंदना के साथ हुआ, जिसने शाम को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की।

वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति : महोत्सव के शुभारंभ में मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, एसडीएम सुश्री गुंजिता अग्रवाल, सीओ सुश्री गरिमा पंत, प्रशिक्षु आईएएस तेजस के, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) राज कुमार सिंह, एएसपी विकास चन्द्र त्रिपाठी, पूर्व विधायक शरद अवस्थी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष शशांक कुशमेश, ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शेखर हरायण तथा प्रशासनिकझ्रराजनीतिक क्षेत्र के कई प्रमुख जन उपस्थित रहे। मंच संचालन प्रवक्ता श्री आशीष पाठक ने किया।

आमंत्रण भाव : सभी का स्वागत : उद्घाटन अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को महोत्सव में सहभागी बनने का आमंत्रण देते हुए कहा कि महादेवा की यह धरती संस्कृति, श्रद्धा और सौहार्द की अनूठी मिसाल है।

महादेवा महोत्सव का रंगारंग आगाज

बाराबंकी। महादेवा महोत्सव के पहले दिन जहां पूरा लोधेश्वर धाम भक्ति और संस्कृति के रंग में रंगा रहा, वहीं कार्यक्रम स्थल पर स्थापित सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की विशेष प्रदर्शनी भी श्रद्धालुओं व आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी। जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी ने फीता काटकर प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं, जनपद की उपलब्धियों, पर्यटन धरोहरों, ओडीओपी उत्पादों, महिला समूहों के कार्यों और विकास यात्रा से संबंधित समृद्ध विजुअल सामग्री प्रस्तुत की गई है। बड़े आकर्षक फ्लेक्स, डिजिटल डिस्प्ले, थीमेटिक पैनल और फोटो-गैलरी के माध्यम से जनपद की पहचान, संस्कृति और उपलब्धियों को प्रभावी रूप में प्रदर्शित किया गया है। उद्घाटन के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि यह प्रदर्शनी उपलब्धियों और शासन की विभिन्न योजनाओं को आमजन तक सरल व रोचक ढंग से पहुंचाने का उत्कृष्ट प्रयास है। उन्होंने अधिक से अधिक आगंतुकों से प्रदर्शनी अवलोकन की अपील भी की। श्रद्धालुओं के लिए यह प्रदर्शनी पूरे महोत्सव अवधि में खुली रहेगी और स्थानीय प्रतिभा, परंपरा व प्रशासनिक उपलब्धियों को एक ही स्थान पर देखने का अवसर प्रदान करेगी। उपस्थित लोगों ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए इसे महोत्सव के प्रमुख आकर्षणों में से एक बताया।

संक्षिप्त समाचार

महिला ने लगाया सिपाहियों पर अभद्रता का आरोप

हैदरगढ़ बाराबंकी। सुबेहा थाना क्षेत्र के सिधियांवा गांव निवासी कंचन देवी पत्नी संत प्रसाद रावत ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि सुबेहा थाने मे तैनात हल्का दरोगा पवन कुमार गुप्ता व सिपाही धीरेन्द्र सिंह 15 नवंबर की रात लगभग सात बजे घर मे घुस आये और पूछा तुम्हारे पति कहां हैं।संतोषजनक जवाब ना मिलने पर गंदी गालियां देते हुए मेरा हाथ पकड़ कर घर के बाहर खींच ले गए। और अभद्रता करने लगे।महिला ने गलत व्यवहार करने वाले दरोगा व सिपाही के विरुद्ध कार्यवाही की मांग मुख्यमंत्री से की है।एस एच ओ के के सिंह ने बताया आरोप लगाने वाली महिला के पति संत प्रसाद ने कुछ लोगों से पासपोर्ट बनवाने के नाम पर रुपये लिये थे, वापस ना करने पर संबंधित लोगों ने शिकायत की थी। उसी संबंध मे पुलिस पूछताछ करने गयी थी। महिला द्वारा लगाये गए आरोप पूरी तरह मनगढ़ंत व फर्जी हैं।

16 वर्षीय किशोरी को भगाने का आरोप

हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि असन्द्रा थाना क्षेत्र के हकामी गांव निवासी लकी तिवारी व उसके दो अज्ञात साथी उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ लेकर चले गए। आरोप है कि जाते समय पुत्री, चौबीस हजार रुपए नगद व एक जोडी चांदी के पायल भी अपने साथ ले गई। पुलिस ने बताया आरोपित पर केस दर्ज जांच की जा रही है।

सहन की जमीन को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट

हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र के जासेपुर गांव निवासी रेशमा बानो ने तहरीर देकर पुलिस को बताया कि रविवार की सुबह लगभग साढे नौ बजे अकारण ही अल्तमस, सारिक, अमरीन, महवीस, सूफिया बेगम सहित 11 लोग लाठी डंडा लेकर आये और उसके पति अतीक को मारकर मरणासन्न कर दिया। ऐसे ही आरोप दूसरे पक्ष की सूफिया बेगम ने दी गई तहरीर मे लगाये और नौ लोंगो को नामजद किया। पुलिस ने बताया दोनो पक्ष के लगभग बीस लोंगो पर केस दर्ज जांच की जा रही है।

बिजली कंरट में झुलसे मजदूर की मौत

हैदरगढ़ बाराबंकी। सुबेहा थाना क्षेत्र के भटगंवा ग्राम पंचायत निवासी गुड्डा बानो ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 7 नवंबर को पति दिलशेर पुत्र हसन अली को टेंट व्यवसायी अदनान पुत्र मुस्ताक एक शादी समारोह मे टेंट लगवाने के लिए सुबेहा ले गए थे।झालर लगाने के दौरान छत के ऊपर से निकली 11हजार लाइन के चपेट मे आ गए। जिसके चलते वह गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ में भर्ती कराया गया। जहाँ सोमवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

किसान नेता को जान से मारने की धमकी, केस दर्ज

हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र के पूरे केरहन पुरवा निवासी कुंवर बहादुर सिंह ने पुलिस को बताया कि वह किसान यूनियन (अराजनैतिक) का तहसील अध्यक्ष है। रविवार के दिन किसान यूनियन के सदस्य के किसी मामले को लेकर कोतवाली आया था। तभी जासेपुर गांव निवासी निजामुद्दीन उर्फ अल्लन ने कालर पकड़कर गाली देते कहा बहुत बडे किसान नेता बनते हो, तुम्हे यहीं जान से मार दूंगा। एस एच ओ अभिमन्यु मल्ल ने बताया केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपित पर सख्त कार्यवाही की जायेगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल

औरैया। अयाना थाना क्षेत्र के कैथोंली-असेवा मार्ग पर रविवार रात एक भीषण हादसे में असेवा निवासी दर्शन सिंह निषाद (30) गंभीर रूप से घायल हो गए। किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को तेज रफ्तार में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वे सड़क पर दूर तक घिसट गए। राहगीरों की सूचना पर 108 एंबुलेंस ने उन्हें सीएचसी अजीतमल पहुंचाया, जहां हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल चिचोली रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों ने मार्ग पर तेज रफ्तार के चलते बढ़ती दुर्घटनाओं पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की है।

पूर्व सैनिक ने उठाया आरक्षण का बड़ा सवाल

त्रिलोकपुर पंचायत में हरिजन सीट आज तक आरक्षित नहीं

पायनियर संवाददाता। बाराबंकी

जनपद की रामनगर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत त्रिलोकपुर ग्राम पंचायत में आरक्षण व्यवस्था को लेकर एक बड़ा मुद्दा सामने आया है। ग्राम पंचायत के बादी पुरवा गांव निवासी और पूर्व सैनिक राम तीरथ रावत ने पंचायत चुनाव में अनुसूचित जाति (हरिजन) सीट की अनुपस्थिति पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि आजादी के बाद से अब तक इस पंचायत में कभी भी हरिजन सीट आरक्षित नहीं हुई है, जिससे अनुसूचित जाति समुदाय का प्रतिनिधित्व न के बराबर रहा है।

राम तीरथ रावत, जिन्होंने भारतीय सेना में सेवा देने के बाद अब जनसेवा को अपना उद्देश्य बनाया है, इस विषय पर लगातार संघर्ष कर रहे हैं। उनका आरोप है कि पिछले पंचायत चुनाव में सीट को हरिजन वर्ग के लिए आरक्षित किया गया था, लेकिन मतदान से पहले उसे फिर से सामान्य श्रेणी में बदल दिया गया। यह बदलाव उन्हें और अन्य कई लोगों को संदेहास्पद लगता है। उन्होंने निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन से मांग की है कि इस विषय की गहन जांच कराते हुए ग्राम पंचायत में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जाए, जिससे लोकतांत्रिक प्रणाली के मूल उद्देश्य सबके लिए समान अवसर को पूरा किया जा सके।

जनसेवा के संकल्प के बारे में बात करते हुए रावत ने कहा, ''अगर जनता ने मुझे प्रतिनिधित्व का मौका दिया, तो मेरी प्राथमिकता शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर होगी। मैं गांव में एक हाई-टेक लाइब्रेरी बनवाना चाहता हूं, जिससे बच्चों को निःशुल्क शिक्षा और अध्ययन सामग्रियां मिल सकें। इसके अलावा, गरीब और ज़रूरतमंदों के लिए गांव में एक बारात घर की भी व्यवस्था की जाएगी।''

किसान परिवार से आने वाले राम तीरथ रावत न केवल एक प्रगतिशील किसान हैं, बल्कि फूलों की खेती के लिए भी विख्यात हैं। उन्हें बाराबंकी जिले की फूल प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार मिल चुका है। सेना में सेवा के दौरान देश के प्रति समर्पण के भाव को ग्रामीण विकास के लिए समर्पित करने का उनका प्रयास सराहनीय है।

रावत ने स्पष्ट किया कि वह केवल अपने लिए नहीं, बल्कि ग्रामीण समाज में हर वर्ग की भागीदारी और विकास के लिए प्रयासरत हैं – चाहे वह आरक्षण का अधिकार हो, शिक्षा का प्रसार हो या सामाजिक सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण।

मतदाताओं के लिए निर्वाचन कण्ट्रोल रूम के साथ तहसील पर हेल्प डेस्क स्थापित

पायनियर संवाददाता। औरैया

उप जिला निर्वाचन अधिकारी, अविनाश चन्द्र मौर्य ने जनपद के सभी मतदाताओं को अवगत कराया है कि जनपद में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर जनपद की समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम संचालित है। जिसके अंतर्गत दिनांक 04 दिसंबर, 2025 तक नियुक्त बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे। तथा उनका संग्रहण भी करेंगे, दिनांक 09 दिसंबर, 2025 को विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन किया जाएगा, 9 दिसंबर, 2025 से 8 जनवरी, 2026 के मध्य दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएगी, दिनांक 9 दिसंबर, 2025 से 31 जनवरी, 2026 के मध्य नोटिस सत्यापन (जारी करना, सुनवाई और सत्यापन) गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे और आपत्तियों के निस्तारण की कार्यवाही की जाएगी तथा दिनांक 07 फरवरी, 2026 को निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने उपरोक्त कार्यक्रम की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये जनपद के समस्त मतदाताओं को सूचित किया है कि प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम में मतदाताओं की सहायता हेतु गणना अवधि से जिला निर्वाचन कार्यालय, औरैया में निर्वाचन कण्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

एण्टी करप्शन टीम ने 6 हजार की रिश्वत लेते कॉस्टेबल को रंगे हाथों पकडा

कानपुर देहात। एण्टी करप्शन टीम ने सिकन्दरा थाने में तैनात आरक्षी गौरव कुमार को होटल सॅचालक से 6 हजार की रिश्वत लेते रॅगे हाथों पकडा। जनपद में पिछले चार महीनों में यह तीसरा मामला प्रकाश में आया है जब कि जनपद पुलिस के जिम्मेदार भ्रष्टाचार व रिश्वत लेने के मामले में एण्टी करप्शन व विजिलेंस टीम द्वारा रॅगे हाथों पकडे गये है। जनपद की पुलिस पर सोमवार को फिर एक बार ग्रहण लगता दिखाई दिया, जब होटल सॅचालक की शिकायत पर एण्टी करप्शन कानपुर मण्डल के ट्रैप टीम प्रभारी जगदीश यादव ने अपने सहयोगियों के साथ सिकन्दरा थाने पर तैनात आरक्षी गौरव कुमार पुत्र स्व0 रामकुमार निवासी अडडा श्यामलाल महेश्झ फाटक थाना फ्रेण्डस कालोनी जनपद इटावा को सिकन्दरा चैराहे हाईवे ओवरब्रिज के बगल चाय कीदुकान पर 6 हजार नकद लेते रॅगे हाथों पकड लिया।

नाले की कटान से दो गाँवों की फसलें तबाह, ज्ञापन सौंपा

पायनियर संवाददाता। कानपुर देहात

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-19 (पूर्व में LX-2) पर सेंगर रिसॉर्ट के सामने स्थित नाले को LX· विभाग के कर्मचारियों द्वारा बार-बार काटे जाने से ग्राम फतेहपुर रौशनाई और लोदीपुर, तहसील अकबरपुर की कृषि भूमि पर लगातार जलभराव हो रहा है। इसके कारण दोनों गाँवों की एक हजार बीघे से अधिक धान की फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी है। खेतों में भरा पानी सूख न पाने से अगली फसल की जुताई-बुवाई भी संभव नहीं, और भूमि की उर्वरा शक्ति पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। वे अपने निजी खर्च पर नाले को बंद करवाते हैं, परंतु छभ् विभाग के अधिकारी और कर्मचारी पुनः नाले की कटान कर देते हैं।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में ग्राम पंचायत स्तर पर करें

पायनियर संवाददाता। औरैया

जिलाधिकारी डा0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने विकास खण्ड सहार में पहुंचकर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम में ग्राम प्रधानों के साथ कार्यक्रम के तहत किए जाने वाले कार्यों के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों को साझा किया और कहा कि कार्यक्रम में बीएलओ के साथ सहयोगी की भूमिका का निर्वहन करते हुए गणना प्रपत्रों को शीघ्र व सुस्पष्ट भरवाते हुए बीएलओ को उपलब्ध कराये जिससे आगामी प्रक्रिया भी समय से पूर्ण हो सके। उन्होंने कहा कि यह कार्य बहुत ही महत्वपूर्ण है और इसको समयबद्ध रूप से किया जाना है इसलिए आप अपनी मेहती भूमिका निष्पक्षता के साथ अदा करते हुए ग्राम पंचायत की मतदाता सूची को तैयार करायें। उन्होंने कहा कि यह अवश्य ध्यान रखें कि कोई भी गलत/ मृतक के रूप में मतदाता सूची में जुड़ने न पाए और सही मतदाता अर्हता पूर्ण करने वाला मतदाता सूची में जुड़ने से वंचित न रहे। उन्होंने इस अवसर पर ग्राम प्रधानों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों से विस्तार पूर्वक अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस कार्य को एक सप्ताह (24 नवंबर 2025) तक पूर्ण कराने को कहा। उक्त के उपरांत जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत नवादा धांदू में पहुंचकर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत बीएलओ मेहपाल सिंह द्वारा की जा रही गतिविधियों को देखा। उन्होंने उपस्थित ग्रामीण जनों तथा बीएलओ से कहा कि कोई भी गणना प्रपत्र अपूर्ण व बिना हस्ताक्षर के प्राप्त न किया जाए साथ ही प्राप्त होने वाले गणना प्रपत्रों की फीडिंग भी सुनिश्चित कराये।

पराली बुझाने में सक्रिय रहे तहसीलदार अकबरपुर एवं जिला कृषि अधिकारी

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देशन में राजस्व ग्राम कुड़वा खुर्द, विकास खंड सरवनखेड़ा में खेतों में पराली जलने की सूचना पर मौके पर पहुँचे तहसीलदार अकबरपुर पवन कुमार एवं जिला कृषि अधिकारी डॉ उमेश कुमार गुप्ता ने स्थानीय राजस्व टीम और ग्रामीणों के साथ मिलकर जलती हुई पराली को बुझाया। अधिकारियों ने घटना स्थल पर पहुँचकर किसानों को पराली न जलाने के संबंध में जागरूक किया और सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे पराली प्रबंधन उपकरण, अनुदान योजनाएँ तथा वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पराली जलाने से पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुँचता है और स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ता है, इसलिए इसके वैकल्पिक उपयोग को अपनाना आवश्यक है।

योगाभ्यास प्रतियोगिता में अमरौधा की कल्पना और मैथा के कृष्ण बिहारी ने मारी बाजी

पायनियर संवाददाता। पुखरायां, कानपुर देहात

जनपद के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों में स्वास्थ्य जागरूकता, आत्म-अनुशासन एवं मानसिक संतुलन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सोमवार को स्थानीय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में जनपद स्तरीय योगाभ्यास प्रतियोगिता का संपन्न हुई। जिसके पुरूष वर्ग में मैथा ब्लाक के कृष्ण बिहारी अग्निहोत्री और महिला वर्ग में अमरौधा की कल्पना सचान ने प्रथम स्थान हासिल किए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः कालीन प्रार्थना एवं सामूहिक ध्यान के साथ हुआ। कार्यक्रम के नोडल अरुण कुमार ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल शारीरिक सुदृढ़ता का प्रतीक है, बल्कि शिक्षकों के लिए तनाव-प्रबंधन, सकारात्मक ऊर्जा तथा कार्यक्षमता वृद्धि का माध्यम भी है।

जन शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता मिलने पर दण्डित होंगे अधिकारी : डीएम

पायनियर संवाददाता। श्रावस्ती

जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने प्रतिदिन की तरह सोमवार को भी कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं को सुनकर निराकरण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान जिलाधिकारी को 11 शिकायतें प्राप्त हुई जो विभिन्न विभागों से सम्बन्धित थी इन शिकायतों को तत्काल निराकरण कर दो दिवस के अन्दर रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होने कहा कि जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है इसलिए जनशिकायतों के निस्तारण में शिथिलता कदापि क्षम्य नही की जाएगी इसलिए जनशिकायतों के निस्तारण में समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। यदि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता मिली तो सम्बन्धित अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनसुनवाई, आई0जी0आर0एस0, सीएम हेल्पलाइन, तहसील व थाना दिवस हेतु समय-समय पर विस्तृत निर्देश दिये गये है जिनका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें। आई0जी0आर0एस0 से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता दर्शन में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को मानवीय दृष्टिकोण से सुना जाए तथा एक सप्ताह में समस्याओं का निस्तारण प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाए। उन्होने निर्देश दिया कि समस्त अधिकारी मौके पर स्वयं जाकर निरीक्षण करें और स्पष्ट आख्या तैयार कर फोटोग्राफ सहित अपलोड करें। सभी अधिकारी कार्यालय में समस्त कार्यदिवसों में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक स्वयं जनसुनवाई करें एवं उनकी समस्याओं का समय सीमा के अन्दर निस्तारण कराना भी सुनिश्चित करें।

न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार : डॉ. पार्था

पायनियर संवाददाता। श्रावस्ती

कैंसर जैसे जटिल स्वास्थ्य समस्याओं से निजात पाने के लिए न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार ने निदान की सटीकता बढ़ी है। नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बरेली के सहयोग से बरेली में एक सफल ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र के चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ जहां उन्होंने ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में वर्तमान रुझानों उभरती तकनीकों और क्लीनिकल दृष्टिकोणों की अपनी समझ को और गहरा किया। सी एम ई में राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ न्यूक्लियर मेडिसिन के निदेशक डॉ. पार्था एस चौधरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सुमित गोयल ने इनसाइटफूल सत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों का उद्देश्य क्षेत्रीय चिकित्सकों और तृतीय-स्तरीय विशेषज्ञों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था जिससे ऑन्कोलॉजी में हो रहे प्रगतिशील बदलाव स्वास्थ्य सेवा की हर परत पर बेहतर रोगी परिणामों में परिवर्तित हो सकें। मुख्य सत्र प्रस्तुत करते हुए राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के न्यूक्लियर मेडिसिन निदेशक डॉ. पार्था एस . चौधरी ने पैट - सी टी इमेजिंग और आधुनिक ऑन्कोलॉजी में रेडियोआइसोटोप थेरेपी की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत अपडेट साझा किए। उन्होंने कहा कि न्यूक्लियर मेडिसिन में हो रहे नवाचार न केवल निदान की सटीकता को बढ़ा रहे हैं बल्कि जटिल और पुनरावर्ती कैंसर के प्रबंधन में अधिक लक्षित और व्यक्तिगत उपचार पद्धतियाँ भी सक्षम बना रहे हैं।

किसानों से पराली न जलाने की अपील

पायनियर संवाददाता। श्रावस्ती

❖ पराली जलाने पर 12 लोगों पर हुई कार्यवाही

भिनगा - जनपद में पराली जलाने के घटनाओं को संज्ञान में लेते हुए कृषि विभाग द्वारा किसान भाईयों से पराली न जलाने हेतु अपील किया है। वर्तमान में धान की कटाई का कार्य किया जा रहा है। कृषक भाई कम्बाईन से धान की कटाई करवाते हैं और पराली को बेकार समझ कर जला देते हैं लेकिन ऐसा करने से मृदा में उपस्थित मित्र कीट जलकर नष्ट हो जाते हैं धीरे-धीरे मृदा की उर्वराशक्ति क्षीण होती जाती है। कृषक भाईयों को पराली जलाने से रोकने के लिए मा० हरित अधिकरण नई दिल्ली के आदेशानुसार अर्थदण्ड रोपित करने का प्राविधान किया गया है जिसमें कृषि भूमि का क्षेत्रफल 02 एकड़ से कम होने की दशा में 5000 रुपये अर्थ दंड प्रति घटना, कृषि भूमि का क्षेत्रफल 02 एकड़ से अधिक किन्तु 05 एकड़ तक होने की दशा में अर्थ दण्ड 10000 रुपये प्रति घटना कृषि भूमि का क्षेत्रफल 05 एकड़ से अधिक होने की दशा में अर्थ दण्ड 30000 रुपये प्रति घटना।

प्रदेश में फसलों की कटाई में कम्बाईन हार्वेस्टिंग विद् एस०एम०एस० अथवा स्ट्रारीपर का प्रयोग अनिवार्य कर दिया गया है। बिना एस०एम०एस० मशीन के कम्बाईन मशीन प्रयोग करने वाले मालिकों के विरूद्ध सिविल दायित्व भी निर्धारित किये जायेंगे।

कृषि विभाग द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से पराली दो खाद लो अभियान चलाकर अधिक मात्रा में पराली गौशाला में पहुंचाकर खाद प्राप्त की जा रही है। इसके अलावा जनपद में फसल अवशेष को जलाने से होने वाले दुष्परिणामों से कृषकों को जागरूक करने हेतु जिलाधिकारी कार्यालय/मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय, तहसीलों, विकास खण्ड कार्यालय, कृषि मण्डी, पेट्रोल पम्पों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर होर्डिंग आदि लगाकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा हैं।

फसल अवशेष को जलाने से होने वाले दुष्परिणामों से कृषकों को जागरूक करने के उद्देश्य से जनपद के सभी विकास खण्डों एवं ग्रामों में प्रचार वाहन भ्रमणशील कराकर जागरूक किया जा रहा है। जनपद में सोमवार को 12 लोगों के विरूद्ध पराली जलाने पर कार्यवाही की गई तथा उनसे मानक के अनुसार निर्धारित जुर्माना भी वसूल किया जा रहा है।

ज्ञातब्य हो कि जनपद में पराली/फसल अपशिष्ट जलाने की घटनाओं की सेटेलाइट से मॉनिटरिंग की जा रही है साथ ही ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत, विकास खण्ड एवं तहसीलवार क्षेत्रीय कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है जो भ्रमण कर कृषकों को जागरूक एवं निगरानी कर रहे हैं।

कोलकाता में हार के बाद फूटा पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का गुस्सा-बोले

टेस्ट क्रिकेट का विनाश कर दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ईडन गार्डन्स जैसी कम तैयार और गेंदबाजों के लिए अत्यधिक अनुकूल पिचे को 'टेस्ट क्रिकेट का विनाश' करार देते हुए कहा कि इस तरह की स्थिति खिलाड़ियों के वास्तविक विकास में बाधा डालती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 30 रनों से हार गया और यह मुकाबला तीन दिन के अंदर ही समाप्त हो गया। हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। टेस्ट क्रिकेट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा,उन्होंने जिस तरह का काम किया है, जिस तरह की पिचें इतने वर्षों से बनाई जा रही हैं, मैं उसे देखता आ रहा हूं। कोई इसके बारे में बात नहीं करता क्योंकि जब टीम जीत रही होती है तो सब ठीक लगता है। कोई विकेट ले रहा होता है और कोई विकेट लेकर महान बन रहा है। उन्होंने कहा,ऐसे में सबको लगता है कि सब ठीक चल रहा है

।यह चलन अभी से शुरू नहीं हुआ है। यह कई सालों से चला आ रहा है, और मुझे लगता है कि यह खेलने का गलत तरीका है। इस मैदान पर 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत के दौरान 13 विकेट झटकने वाले हरभजन ने कहा कि अब इस मुद्दे पर विचार करने का समय आ गया है क्योंकि ऐसी पिचें खिलाड़ियों के विकास में योगदान नहीं देतीं। उन्होंने कहा, आप किसी भी तरह से आगे नहीं बढ़ रहे हैं, आप बस चक्की में बंधे बैल की तरह चक्कर लगा रहे हैं। आप जीत तो रहे हैं, लेकिन कोई वास्तविक लाभ नहीं है। एक क्रिकेटर के रूप में, आप आगे नहीं बढ़ रहे हैं। भारत के लिए 103 टेस्ट में 417 विकेट लेने वाले हरभजन ने कहा,यह इस बात पर विचार करने का समय है कि ऐसी पिचें आपको कहां लेकर जा रही है।

यहां आपके बल्लेबाजों को यह नहीं पता होता है कि रन कैसे बनाने है और वह ऐसे दिख रहे हैं जैसे उन्हें बल्लेबाजी करना ही नहीं आता। उन्होंने कहा,ऐसे में एक सक्षम गेंदबाज़ और एक सक्षम बल्लेबाज में क्या फर्क रह जाता है। हालात इतने अनुकूल हो गये है कि लोग कौशल के कारण नहीं बल्कि पिच के कारण आउट हो रहे हैं। यह देखकर दुख होता है कि टेस्ट क्रिकेट कैसे खेला जा रहा है। मुझे नहीं पता कि हम ऐसा क्यों कर रहे हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच श्रृंखला का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 22 नवंबर से खेला जायेगा।

कोई भी बाहर बैठे, अफ्रीका जीत का रास्ता ढूंढ लेगाः रबाडा

पसलियों में चोट के कारण भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से बाहर रहे दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अपनी टीम की असफलताओं से उबरने और किसी भी खिलाड़ी के नहीं खेल पाने के बावजूद जीत का रास्ता तलाशने की क्षमता से काफी प्रभावित हैं। रबाडा ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा,इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन बाहर बैठता है, हम तब भी जीतने का एक तरीका ढूंढ लेंगे। (कप्तान) तेम्बा (बावुमा) ने हमारे लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है लेकिन वह प्रत्येक मैच में नहीं खेल पाए। मैं भी इस मैच में नहीं खेल पाया था।

बावुमा चोटिल होने के कारण पाकिस्तान में दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाने के बाद अंतिम एकादश में लौटे हैं। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच गंवाने के बाद शानदार वापसी कर-के श्रृंखला 1-1 से बराबर कराई थी। रबाडा ने कहा,इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। जो भी मैदान पर उतरेगा, हमारा मानना है कि वह अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा सकता है। दक्षिण अफ्रीका यहां के असमान उछाल और टर्न लेने वाले विकेट पर जीत हासिल करने में सफल रहा। रबाडा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन की सराहना की, जिसमें कप्तान बावुमा की दूसरी पारी में खेली गई 55 रन की पारी भी शामिल है। रबाडा ने कहा,पहली पारी में एडेन (मार्करम) और (रयान) रिकेल्टन ने हमें अच्छी शुरुआत दी। उन्होंने लय बनाई। मार्को यानसन ने अच्छा प्रदर्शन किया। बोस्ची (कॉर्बिन बॉश) अहम मौकों पर डटे रहे। सभी ने योगदान दिया और यही इस टीम की विशेषता है। अभी तक यह सुनिश्चित नहीं है कि रबाडा 22 नवंबर से गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में खेल पाएंगे या नहीं।

आदर्श घरेलू पिच को लेकर क्या एकमत हैं गिल-गंभीर?

कोलकाता। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में 30 रन से भारत की शर्मनाक हार के बाद उपजे पिच विवाद के बीच बड़ा सवाल यह है कि युवा कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर क्या आदर्श घरेलू पिच को लेकर एक राय हैं ? लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के अपनी सरजमीं पर न्यूनतम स्कोर पर सिमटने के बाद कई सवाल उठने लगे हैं। एक महीना पहले ही अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले गिल ने कहा था कि टीम अब 'टर्निंग' नहीं बल्कि अच्छी पिच पर खेलना चाहती है। उन्होंने कहा था,हम ऐसी पिचों पर खेलना चाहते हैं जिनसे गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को मदद मिले। इसके बावजूद भारत ने विश्व टेस्ट चैम्पियन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट ऐसी पिच पर खेला जो उसके ठीक विपरीत थी जिसकी कप्तान गिल ने पैरवी की थी। ईडन गार्डंस की पिच पर एक सप्ताह से अधिक पानी नहीं दिया गया था और कवर के भीतर रखी गई थी । पिच पूरी तरह से सूखी थी और पहले ही सत्र से टूटने लगी थी । इस पिच पर 38 विकेट गिरे जिनमे स्पिनरों ने 22 और तेज गेंदबाजों ने 16 विकेट लिये। गंभीर ने हालांकि मैच के बाद कहा था कि पिच वैसी ही थी जैसी टीम प्रबंधन ने चाही थी । उन्होंने कहा,अगर आप अच्छा नहीं खेलते तो क्या होगा । विकेट में कोई खराबी नहीं थी । अगर हम जीत गए होते तो पिच पर सवाल ही नहीं उठते ।कप्तान गिल पहले ही दिन गर्दन में ऐंठन के कारण बाहर हो गए थे जिनकी गैर मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी में अनुशासन नजर नहीं आया। भारत ने अपनी सरजमीं पर पिछले छह में से चार टेस्ट गंवाये हैं जिससे अपनी धरती पर अजेय रहने की उसकी छवि को ठेस पहुंची है। गंभीर के कोच रहते भारत ने 18 में से आठ टेस्ट जीते हैं जिनमे से चार बांग्लादेश और वेस्टइंडीज जैसी कमजोर टीमों के खिलाफ जीते। भारतीय टीम के कोलकाता आने के बाद से पिच पर फोकस बना हुआ था। क्यूरेटर सुजन मुखर्जी से लगातार बैठकें होती रही। आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2001 में हुए मैच में लक्ष्मण . द्रविड़ . के चमत्कारिक प्रदर्शन के साक्षी रहे ईडन की पिच पर हरभजन सिंह भी भड़के हुए हैं। हरभजन ने कहा ,उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को खत्म कर दिया । आरआईपी टेस्ट क्रिकेट। चेतेश्वर पुजारा ने टीम के बदलाव के दौर से गुजरने की बात को खारिज करते हुए कहा,अपने देश में हार स्वीकार्य नहीं है । बदलाव का दौर हो या नहीं ।

टीम इंडिया घर में हार रही है तो कुछ गड़बड़ है : पुजारा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इस धारणा को सिरे से खारिज कर दिया है कि ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के हाथों भारत की करारी हार के लिए बदलाव के दौर को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। पुजारा ने तर्क दिया कि टीम को फिर से तैयार किए जाने के दौरान विदेशी सरजमीं पर हार समझी जा सकती है लेकिन घरेलू मैदान पर हारना अस्वीकार्य है, विशेषकर ऐसी टीम के साथ जिसमें प्रथम श्रेणी में खुद को साबित कर चुके खिलाड़ी शामिल हों। उन्होंने यशस्वी जायसवाल, लोकेश राहुल, वाशिंगटन सुंदर और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों को लंबी अवधि के प्रारूप में भारत की गहराई और क्षमता का प्रमाण बताया। पुजारा ने जियो हॉटस्टार' से कहा,मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि घरेलू मैदान पर भारत की हार के लिए बदलाव के दौर को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। बदलाव के दौर में विदेशी सरजमीं पर असफलताओं का सामना करना समझ में आता है लेकिन मौजूदा भारतीय टीम में पर्याप्त प्रतिभा और मजबूत प्रथम श्रेणी रिकॉर्ड है। यशस्वी जायसवाल, लोकेश राहुल, वाशिंगटन सुंदर और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों ने खुद को साबित किया है। उन्होंने कहा,अगर इसके बावजूद टीम घरेलू परिस्थितियों में हार रही है तो यह दर्शाता है कि कुछ और गड़बड़ है। अगर यह मैच अच्छी पिच पर खेला जाता तो भारत की जीत की संभावना कहीं अधिक होती। विकेटों के पतझड़ के बावजूद भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर को पिच में कोई खामी नहीं दिखी लेकिन पुजारा ने कहा कि ऐसी पिचें भारत के लिए अच्छी नहीं हैं।उन्होंने कहा,ऐसे विकेट हमारी जीत के प्रतिशत को कम करती हैं और विरोधी टीम को बराबरी पर ला देती हैं। यहां तक कि भारत ए टीम भी अपनी प्रतिभा की गहराई को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका को उसके घर में चुनौती दे सकती है इसलिए यह क्षमता की कमी नहीं है। भारत में इस हार के लिए बदलाव के दौर को दोष देना उचित नहीं है।

गिल दबाव में, अलग प्रारूप के लिए अलग कप्तान समझदारी भरा कदम होगाः मुकुंद

नईदिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज अभिनव मुकुंद का मानना है कि शुभमन गिल पर काफी अधिक दबाव है और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में भारत की हार के बाद अलग प्रारूप में अलग कप्तान बनाने की मांग की। मुकुंद ने दूरदर्शन पर 'द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो' में कहा, घरेलू मैदान पर हर कोई भारत से जीत की उम्मीद करता है।गिल को पहली पारी में स्लॉग स्वीप खेलने के दौरान ऐंठन का सामना करना पड़ा और वह चार रन बनाकर रिटायर्ड और दोबारा खेलने नहीं उतरे। उनकी अनुपस्थिति ने भारत की बल्लेबाजी की समस्याओं को और बढ़ा दिया।गिल पर काम का बढ़ता बोझ बहस का विषय बना हुआ है। सात टेस्ट खेलने वाले मुकुंद ने कहा, मुझे लगता है कि शुभमन में सभी प्रारूपों का कप्तान बनने की क्षमता है लेकिन मुझे नहीं लगता कि भारत के पास अब सभी प्रारूपों में एक कप्तान होना चाहिए।उन्होंने कहा,अलग-अलग कप्तान बनाना समझदारी भरा कदम है। शुभमन गिल को टेस्ट में कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है और उन पर काफी दबाव होगा।

आरआर के निदेशक व मुख्य कोच की दोहरी भूमिका निभाएंगे संगाकारा

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच पद से हटने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा को 2026 में होने वाले आईपीएल के लिए अपना मुख्य कोच नियुक्त किया। द्रविड़ ने इस साल अगस्त में फ्रेंचाइजी छोड़ दी थी। संगकारा 2021 से इस फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक रहे हैं। वह 2021 से 2024 तक मुख्य कोच की भूमिका भी निभा रहे थे। राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर पोस्ट किया, क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा आईपीएल 2026 के लिए मुख्य कोच के रूप में भी कार्यभार संभालेंगे। राजस्थान रॉयल्स के मालिक मनोज बडाले ने एक बयान में कहा,कुमार (संगकारा) की मुख्य कोच के रूप में वापसी से हम बहुत खुश हैं। इस समय टीम की ज़रूरतों को देखते हुए हमें लगा कि टीम के साथ उनकी सहजता, उनका नेतृत्व और रॉयल्स संस्कृति की उनकी गहरी समझ टीम के प्रदर्शन में निरंतरता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हमें उनके कौशल पर पूरा भरोसा है। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ का कार्यकाल अचानक समाप्त हो गया, जो 2025 में लंबी अवधि के अनुबंध के साथ फ्रेंचाइज़ी में लौटे थे। टी20 विश्व कप विजेता पूर्व राष्ट्रीय कोच ने इस साल की शुरुआत में टीम के खराब प्रदर्शन की संरचनात्मक समीक्षा के बाद पद छोड़ दिया। राजस्थान रॉयल्स का पिछले सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा था तथा उसकी टीम 10 टीमों के इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में से केवल चार जीत के साथ नौवें स्थान पर रही थी। राजस्थान रॉयल्स ने पिछले सत्र तक अपने कप्तान रहे संजू सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ट्रेड किया है। इसके बदले में उसने रविंद्र जडेजा को अपनी टीम में शामिल किया है।

बधिर ओलंपिक

अनुया, प्रांजलि को एयर पिस्टल में स्वर्ण व रजत

नई दिल्ली। युवा अनुया प्रसाद और प्रांजलि प्रशांत धूमल ने तोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक में सोमवार को महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक हासिल किया। अनुया ने अपने जन्मदिन पर बधिर फाइनल विश्व रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया जबकि प्रांजलि ने क्वालीफिकेशन में विश्व रिकॉर्ड तोड़कर फाइनल में जगह बनाई थी । पुरूषों की दस मीटर एयर पिस्टल में अभिनव देशवाल ने क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की और रजत पदक जीता । भारत के दूसरे दिन निशानेबाजी में सात पदक हो गए हैं। हैदराबाद में ओलंपियन गगन नारंग की अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाले धनुष श्रीकांत ने रविवार को 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता था। अनुया ने क्वालीफिकेशन दौर में 564 स्कोर करके तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई । वहीं प्रांजलि ने क्वालीफिकेशन में नया रिकॉर्ड बनाते हुए 572 स्कोर किया था । उन्नीस वर्ष की अनुया ने फाइनल में 241 . 1 स्कोर कर-के पीला तमगा जीता ।

निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप

चैंपियन बनने से चूके गुरप्रीत,25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में मिला रजत

एजेंसी। काहिरा

❖ भारत तीन स्वर्ण, छह रजत व चार कांस्य सहित कुल 13 पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा

ओलंपियन गुरप्रीत सिंह पुरुषों की 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में विश्व चैंपियन बनने के बेहद करीब पहुंच गए थे लेकिन यहां ओलंपिक निशानेबाजी रेंज में यूक्रेन के पावलो कोरोस्टाइलोव से इनर 10 (10 अंक का अंदरूनी हिस्सा) के अधार पर हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह विश्व चैंपियनशिप में गुरप्रीत का दूसरा व्यक्तिगत पदक है। उन्होंने इससे पहले 2018 में चांगवोन में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में ही रजत पदक जीत था।

भारत तीन स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य सहित कुल 13 पदक के साथ चीन और दक्षिण कोरिया के बाद तीसरे स्थान पर रहा। चीन ने 12 स्वर्ण, सात रजत और दो कांस्य पदक सहित कुल 21 पदक जीते। दक्षिण कोरिया ने सात स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक से दूसरा स्थान हासिल किया। गुरप्रीत ने दो दिन की प्रतियोगिता में प्रिसिजन और रेपिड चरणों में कुल 584 अंक जुटाए जिसमें 18 निशाने 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में रहे। कोरोस्टाइलोव ने 29 निशाने 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में मारे। उन्होंने अंतिम रेपिड दौर में 100 का परफेक्ट स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता। गुरप्रीत प्रिसिजन चरण के बाद 288 अंक (95,97,96) के साथ नौवें स्थान पर थे लेकिन दूसरे दिन वापसी करते हुए रेपिड चरण में 296 (98,99,99) का शानदार स्कोर बनाकर रजत पदक जीता। प्रिसिजन चरण के बाद 291 अंक के साथ शीर्ष रह मौजूद रहे यूक्रेन के निशानेबाज ने रेपिड चरण में 293 अंक हासिल करके गुरप्रीत के स्कोर की बराबरी की और 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में अधिक निशाने लगाकर खिताब जीता।

सिनर फिर बने एटीपी फाइनल्स चैंपियन

एजेंसी। तूरिन

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपने चिर प्रतिद्वंदी और विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज कार्लोस अल्काराज़ को 7-6 (4), 7-5 से हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब बरकरार रखा। यह इस साल पुरुष टेनिस में दबदबा बनाए रखने वाले इन दोनों खिलाड़ियों के बीच छठी भिड़ंत थी। इटली के सिनर ने अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने खिताब का बचाव किया, जो इस वर्ष अल्काराज पर उनकी दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने विंबलडन फाइनल में भी इस स्पेनिश खिलाड़ी को हराया था।

इस साल दो ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सिनर ने कहा,यह सत्र अविश्वसनीय रहा। इटली के अपने प्रशंसकों के सामने इस तरह से इसे समाप्त करना मेरे लिए बहुत ख़ास है। अल्काराज़ ने पहले ही वर्ष के अंत में नंबर एक रैंकिंग अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। वह वर्ष के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच खेली गई इस प्रतियोगिता में अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। अल्काराज अभी भी सिनर के साथ अपने करियर मुकाबलों में 10-6 से आगे हैं। सिनर और अल्काराज़ पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फ़ाइनल में आमने-सामने रहे हैं। अल्काराज़ ने सिनर को पांचवें सेट के टाईब्रेकर में हराकर फ्रेंच ओपन जीता। सिनर ने विंबलडन में बदला चुकता किया लेकिन अल्काराज़ अमेरिकी ओपन के फाइनल में फिर से जीत हासिल करने में सफल रहे। अल्काराज़ ने कहा,मुझे उम्मीद है कि आप (सिनर) अगले साल के लिए तैयार रहोगे क्योंकि मैं आपके खिलाफ और अधिक फाइनल खेलने के लिए तैयार रहूंगा। इस बीच युगल फाइनल में हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटन ने जो सैलिसबरी और नील स्कुप्स्की को 7-5, 6-3 से हराया।

स्पेन के कार्लोस अल्काराज (बाएं) उपविजेता और विजेता इटली के जैनिक सिनर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब के साथ

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स | दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दमदार प्रदर्शन, आठ पदक किए पक्के

पवन का बड़ा उलटफेर, हितेश ने एशियाई चैंपियन को हराया

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल 2025 में भारतीय मुक्केबाजों ने दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए तहलका मचा दिया। पवन बर्तवाल (55 किग्रा) और हितेश गुलिया (70 किग्रा) ने बड़े उलटफेर किए। पवन ने ब्राजील गोल्ड मेडलिस्ट अल्टीनबेक नूरसुल्तान को 5-0 हराकर चौंका दिया, जबकि हितेश ने दो बार के ओलंपियन सेवोन ओकाजावा को एक कड़े मुकाबले में हराया। इन दोनों की जीत के साथ-साथ सुमित, नवीन, और जादुमणि सिंह की सफलताओं ने यह सुनिश्चित किया कि भारत ने दूसरे दिन सभी वर्गों में मेडल पक्के किए। सोमवार को शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई इस जीत ने भारत के लिए एक और क्लीन स्वीप डे सुनिश्चित किया, जिसमें सुमित (75 किग्रा) और नवीन (90 किग्रा) ने भी शानदार जीत दर्ज की। इसके साथ ही मेजबान भारत ने आठ मेडल पक्के कर लिए हैं।

पवन के लिए यह क्षण 15 साल के इंतजार का नतीजा था। 2010 के दशक में बॉक्सिंग शुरू करने के बाद लगातार मेहनत और धैर्य के साथ आगे बढ़ते हुए यह सर्विसेज का युवा मुक्केबाज पहली बार विश्व मंच पर चमकता दिखाई दिया। घरेलू दर्शकों के शोर और समर्थन के बीच पवन ने बेहतरीन डिफेंस, समझदारी से रफ्तार नियंत्रण और शानदार स्टैमिना वाला प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार नूरसुल्तान (जो इस वेट कैटेगरी के दूसरे वरीय थे) को रस्सियों पर धकेला और साफ-सुथरे पंच लगाए। पवन का शांत, संयमित और सोच-समझकर किया गया प्रदर्शन इस एलिट ऐट-ओनली ग्लोबल इवेंट के शुरूआती राउंड्स में भारत की सबसे प्रभावशाली जीतों में से एक बन गया। पवन ने मुकाबले के बाद कहा, ह्व नूरसुल्तान एक अच्छे बॉक्सर हैं, उन्होंने इस साल ब्राजील में हुए वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में गोल्ड जीता था। शुरूआत में मुझे नर्वसनेस थी, लेकिन यह टूनार्मेंट हमारे देश में हो रहा है, हमारे दर्शकों के सामने, और इसने मुझे हिम्मत दी। यह मेरे करियर का बेहद अहम टूनार्मेंट है। यह मेरा पहला अंतरराष्ट्रीय मेडल है और मैं बहुत गर्व महसूस कर रहा हूँ। पवन के बाद सुमित ने 75 किग्रा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कोरिया के किम ह्योन-टे को 5-0 से हराते हुए टीम इंडिया की बढ़त और मजबूत कर दी। मुकाबले की शुरूआत में चेहरे पर लगा एक तेज पंच ही लय सेट कर गया। उन्होंने इस दौरान आक्रामकता और रणनीति का बेहतरीन संतुलन दिखाया। पूरी बाउट में सुमित ने लगातार प्रेशर बनाया रखा, गेम को कंट्रोल में रखा और किम को डिफेंसिव मोड में जाने के लिए मजबूर कर दिया। इसी तरह नवीन (जो स्ट्रैंडजा 2024 के मेडलिस्ट हैं) ने कजाकिस्तान के बेकजत तंगातार के खिलाफ स्मार्ट और सधे हुए अंदाज में जीत दर्ज की। सेशन के अन्य मुकाबलों में, ताइवान की ओलंपिक मेडलिस्ट वू शिह-यी ने महिलाओं की 57 किग्रा कैटेगरी में उज्बेकिस्तान की सितोरा तुरदिबेकोवा को 5-0 से हराते हुए दिन की सबसे प्रभावशाली जीतों में से एक दर्ज की।

भारत के पवन बर्तवाल (लाल रंग में) ने कजाकिस्तान के नूरसुल्तान के 55 किग्रा के मुकाबले में 5-0 से हराकर किया बड़ा उलटफेर।

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः सात्विक-चिराग की जोड़ी पर रहेगी नजर, लक्ष्य, प्रणय भी पेश करेंगे चुनौती

एजेंसी। सिडनी

भारत के एकल खिलाड़ी जब अपने प्रदर्शन में निरंतरता हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं तब एक बार फिर सभी की निगाहें सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष युगल जोड़ी पर टिकी रहेगी जो मंगलवार से यहां शुरू हो रहे आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सत्र का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेंगे।

भारतीय खिलाड़ियों का इस सत्र में प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा लेकिन सात्विक और चिराग ने कुछ प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीता तथा हांगकांग सुपर 500 और चाइना मास्टर्स सुपर 750 में उपविजेता रहे। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन का पहला मुकाबला चीनी ताइपे के चांग को-ची और पो ली-वेई से होगा। चोटों और खराब फॉर्म से जूझ रहे भारत के एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय अपने प्रदर्शन में निरंतरता लाने की कोशिश करेंगे। लक्ष्य पिछले सप्ताह जापान ओपन के सेमीफाइनल में हार गए थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में उनका पहला मुकाबला चीनी ताइपे के सु ली यांग से होगा। प्रणय की इस टूर्नामेंट में पिछले साल उपविजेता रहे थे लेकिन फिलहाल वह भी लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वह पहले दौर में कनाडा के ब्रायन यांग का सामना करते हुए पूरी लय हासिल करना चाहेंगे। इस वर्ष मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे अनुभवी किदाम्बी श्रीकांत पांचवें वरीय लिन चुन-यी से, जबकि अमेरिकी ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी मलेशिया के जस्टिन होह से भिड़ेंगे।

शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं ये योगासन

जीवन में सुख और शांति के लिए आपको एक मजबूत शरीर और शायद अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि एक स्पष्ट भावनात्मक शरीर का अनुभव करने की जरूरत है। यदि आपका पूरा शरीर एक प्रतिध्वनि है तब आप किसी भी भावनात्मक चुनौती को पूरा करने के लिए तैयार रहते हैं। इन सबके लिए शारीरिक व्यायाम बहुत जरूरी होता है। व्यायाम के अन्य प्रकारों में योग का सबसे ज्यादा महत्व है। योग के विभिन्न आसनों द्वारा सांस पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

ऊर्जा प्रदान करने वाला आसन: सबसे पहले अपने पैरों के समानांतर खडे हो जाइए। अब, सांस को अंदर करते हुए अपने हाथों को अपने सिर से ऊपर ले जाइए। उसके बाद, अपनी सांसों को छोडते हुए हाथों को कंधे पर रख दीजिए। इस बीच अपने आंखों से सभी प्रकार के तनावों को दूर रखिए। अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आगे बढिए।

ताड़ासन: इस आसन में खडे.होकर अपने पैरों, कमर और गर्दन को एक सीधी लाइन में रखिए। अपनी उंगलियों को सामने की तरफ कर मुट्ठी बांधिए। सांस लेते हुए अपनी बंद मुट्ठी के साथ अपने हाथों को ऊपर की तरफ उठाइए। सांसों को रोककर अपनी एडी को धीरे-धीरे उठाइए। आपने शरीर को ऊपर की तरफ जितना संभव हो खींचिए। फिर सांसों को छोडते हुए सामान्य स्थिति में आइए। इस क्रिया को 5 से 10 बार दोहराइए।

त्रिकोणासन: अपने हाथों के बराबर में पैरों को फैला लीजिए। दोनों हाथों को ढीला छोडकर लटकने दीजिए। सांस को अंदर खींचते हुए दाहिने हाथ को आसमान की तरफ ऊपर ले जाइए और बाएं हाथ को शरीर से सटाकर नीचे ही रहने दीजिए। अपने हाथ और पैरों को सीधा रखिए। जब सांस को बाहर छोडते हुए दाहिने हाथ की तरफ झुकिए, इस बीच आपका दाहिना हाथ जमीन के समानांतर होना चाहिए। इसके बाद तेजी से बाएं हाथ से जमीन को छूने की कोशिश कीजिए। सांस लेते हुए सामान्य स्थिति में आइए। इसी क्रिया को विपरीत दिशा में भी दोहराते हुए कम से कम 5 बार कीजिए।

भुजंगासन: चेहरे को नीचे की तरफ करके जमीन पर लेट जाइए। अब, अपने माथे को जमीन से छुएं। अपनी हथेली को भुजाओं के नीचे रखिए, और स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि आपकी उंगलियां भुजाओं को छू रही हों। अपने पैरों को सीधा रखिए। अपने सिर को पीछे की तरफ हल्का सा ले जाते हुए सांस लीजिए। अपने हाथों से सीने और सिर पर आगे की तरफ दबाव डालिए, लेकिन इस स्थिति में पीठ को मोडे रखिए। अपनी सांसों को रोके रखिए, ताकि सांप जैसी स्थिति दिखे। चेहरे को नीचे लाने से पहले इस स्थिति में 8 से 10 सेकेंड तक रहिए। इस क्रिया को 5 बार दोहराइए।

सुखासन: दोनों घुटनों को मोडकर, गर्दन, कमर और पीठ को सीधा रखकर बैठिए। अपनी हथेलियों को सीधा रखिये इंडेक्स उंगली (अंगूठे के बगल वाली उंगली) के अग्र भाग को अंगूठे से छूकर अन्य तीनों उंगलियों को सीधी रखिए। इस आसन को करने से आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होगी। रक्त का संचार अच्छे से होगा, तंत्रिका तंत्र और पाचन क्रिया बेहतर होगी। इस आसन को करने से अंदर से शांति महसूस होगी। यह आसन आपको अंदर से मजबूत बनाता है। इन आसनों के जरिये आप न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक शांति और शक्ति भी पा सकते हैं।

ताड़ासन

त्रिकोणासन

भुजंगासन

सुखासन

इन हर्ब्स का सेवन, रहेंगे हमेशा चुस्त-दुरुस्त

सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है। इस समय शाम के समय काफी ठंड होती है। ठंड से निपटने के लिए हम कई तरह से इंतजाम करते हैं। सर्दियों के मौसम में खुद को चुस्त-दुरुस्त व स्वस्थ रखने के लिए कुछ खास जड़ी बूटियों के बारे में बताया है, जो आसानी से आपकी रसोई में ही आपको मिल जाएंगे।

तुलसी

तुलसी को एलर्जी, सांस संबंधी समस्या और ब्रोंकाइटिस की समस्या से निजात पाने में कारगार बताया गया है। प्रतिदिन आप दो पत्तियों का सेवन सीधे या फिर चाय में डालकर कर सकते हैं। इस पौधे के हर्बल सप्लीमेंट भी आसानी से मिल जाते हैं। एलर्जी के लक्षणों में लाभदायक है। हालांकि इसके कुछ साइड इफेक्ट भी हैं। किसी भी मामले में इसका अतिरिक्त सेवन हानिकारक है।

बिच्छू बूटी

यह एक बारहमासीय पौधा है, जिसका प्रयोग उम्र के लिए औषधी के तौर पर किया जाता है। मौसमी एलर्जी में यह काफी लाभदायक है।

रोजमेरी

ताजे और सूखे रोजमेरी का प्रयोग कई व्यंजनों में किया जाता है। शोध में यह प्रमाणित हुआ है कि रोजमेरी में एलर्जी से लड़ने की क्षमता होने के साथ ही यह अस्थमा से ग्रसित लोगों को आराम पहुंचाती है। इस जड़ी बूटी में रोजमेरिनिक एसिड होता है, जिसमें एंटीफ्लेमेंटॉरी और एंटीऑक्सिडेंट दोनों गुण होते हैं। वहीं अगर आप रोजमेरिनिक एसिड को एक सप्लिमेंट के तौर पर लेते हैं तो इसे खाने के साथ ले, इससे पेटदर्द में राहत मिलेगी।

अदरक

अदरक को भी जड़ी बूटी के तौर पर देखा जाता है। एक हालिया शोध में यह तथ्य सामने आए हैं कि अदरक के मौखिक सेवन से अस्थमा में काफी आराम मिलता है। इसके साथ ही चाय के साथ इसका सेवन कर इसका सेवन डिटॉक्स ड्रिंक के तौर पर किया जा सकता है। अदरख को काली मिर्च और शहद के साथ मिलाकर लेने पर सांस संबंधी एलर्जी में काफी आराम मिलता है, इससे नाक की नली भी साफ होती है।

बटरबर

यह माइग्रेन की समस्या में लाभदायक है। शोध में इस बात की पुष्टि हुई है कि यह अनचाहे

ऑंगेनी

यह एक इतालवी जड़ी बूटी है। यह कई स्वास्थ्य संबंधी लाभों के लिए सप्लीमेंट के तौर पर भी उपलब्ध रहता है। ऑंगेनी तेल के तत्व गोली और सॉफ्टजेल कैप्सूल के तौर पर उपलब्ध रहते हैं। इसे सीधे गोली के तौर पर भी लिया जा सकता है, वहीं इसे काटकर इसके तेल को चेहरे पर भी लगाया जा सकता है।

जिम का मिलेगा डबल फायदा, अगर एक्सरसाइज के बाद खाएंगे यह चीजें

आज के समय में लोग बॉडी बनाने और खुद को फिट रखने के लिए जिम का सहारा लेते हैं। लेकिन ऐसे भी बहुत से लोग होते हैं, जो वर्कआउट तो करते हैं, लेकिन उन्हें कुछ खास फायदा नजर नहीं आता। हो सकता है कि आपके वर्कआउट में कोई कमी न हो, लेकिन आप अपने आहार पर ध्यान न दे रहे हों। जो लोग वर्कआउट करते हैं या जिम जाते हैं, उन्हें अपनी डाइट पर अधिक फोकस करना चाहिए। जरा सी लापरवाही से आपको विपरीत परिणाम झेलने पड़ सकते हैं। तो चलिए जानते हैं जिम के बाद क्या खाएं:-

प्रोटीन रिच फूड: अगर आप एक्सरसाइज के बाद अपने मसल्स की रिकवरी करना चाहते हैं तो सबसे पहले तो आपको एक्सरसाइज के आधे घंटे के भीतर कुछ न कुछ खाना चाहिए। दरअसल, वर्कआउट के दौरान हमारा शरीर न्यूटिएंट्स का इस्तेमाल करता है और इसलिए पोस्ट वर्कआउट मील शरीर को हील करने में मदद करता है। बेहतर होगा कि आप वर्कआउट के बाद आधे घंटे के भीतर एक प्रोटीन रिच फूड जरूर लेना चाहिए। अगर आप खुद को टोनअप करना चाहते हैं तो कार्ब्स से बचें। आप प्रोटीन रिच डाइट में पीनट बटर सैंडविच, सोया मिल्क, पनीर या बेसन चीला खा सकते हैं।

खाएं सैंडविच: अगर आप कुछ लाइट और पौष्टिक खाना चाहते हैं तो वर्कआउट के बाद सैंडविच खाया जा सकता है। आप ब्राउन ब्रेड में कई तरह की वेजिटेबल्स का इस्तेमाल करके खाएं।

ब्राउन राइस: आप वर्कआउट के बाद ब्राउन राइस भी खा सकते हैं। यह एंटी-ऑक्सीडेंट से समृद्ध होते हैं और इनमें फाइबर भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। जो आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं और वजन घटाने में भी मदद करते हैं।

पानी भी है जरूरी: चूंकि एक्सरसाइज के दौरान आप काफी पसीना बहाते हैं, जिसके कारण शरीर से इलेक्टालाइट की कमी हो जाती है। ऐसे में यह बेहद जरूरी हो जाता है कि आप खुद को हाइडेट रखें। वैसे तो शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के लिए पानी पिया जा सकता है। लेकिन अगर आप चाहें तो पानी के स्थान पर नारियल पानी पीएं। यह पोटेशियम का एक अच्छा स्त्रोत है, जो शरीर में फलूयड को बैलेंस करने में मदद करता है। साथ ही नारियल पानी के सेवन से आपको वर्कआउट के बाद होने वाले क्रैम्प की संभावना भी काफी कम हो जाती है। इसके अलावा आप पोस्ट वर्कआउट डाइट के रूप में लो फैट मिल्क और फ्रूट्स की मदद से कुछ स्मूदी बनाकर उसका सेवन भी कर सकते हैं।

बच्चे क्यों हो रहे हैं फूड और धूल की एलर्जी के शिकार

बच्चों में बढ़ती फूड और धूल की एलर्जी के पीछे अकसर रोजमर्रा की कुछ आदतों और पर्यावरण को जिम्मेदार माना जाता है। लेकिन डॉक्टरों की माने तो मेडिकल भाषा में एक और टर्म है, जिसे हाइजीन हाइपोथेसिस के नाम से जाना जाता है, बच्चों की कमजोर इम्यूनिटी का कारण बन सकती है। बता दें, हाइजीन हाइपोथेसिस एक ऐसा सिद्धांत है जो कहता है कि बचपन में सूक्ष्मजीवों (कीटाणुओं, परजीवियों) के संपर्क में कमी होने की वजह से प्रतिरक्षा प्रणाली ठीक से विकसित नहीं हो पाती। जिसकी वजह से एलर्जी, अस्थमा और स्वप्रतिरक्षी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

एलर्जी के पीछे पर्यावरण भी एक बड़ी भूमिका निभाता है। हमारे घरों में इस्तेमाल होने वाले कई प्रोडक्ट्स में ऐसे केमिकल्स मौजूद होते हैं जो शरीर के लिए इरिटेंट का काम करते हैं। दिल्ली जैसे शहरों में वायु प्रदूषण बहुत ज्यादा होने की वजह से सांस से जुड़ी दिक्कतें और ज्यादा बढ़ जाती हैं। चाहे वो सब्जियां हो या मांस, खाने में भी कीटनाशक और रसायनों का इस्तेमाल सेहत पर बुरा असर डालता है।

एक और बात बच्चों के खान-पान से जुड़ी है पहले माना जाता था कि बच्चे को नट्स, अंडे जैसी चीजें धीरे-धीरे और बाद में देनी चाहिए। लेकिन अब कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि अलग-अलग चीजें थोड़ी जल्दी शुरू करने से बच्चे का इम्यून सिस्टम उन्हें बेहतर तरीके से स्वीकार करना सीखता है। इसके अलावा आजकल के छोटे बच्चों को रेडी-टू-ईट फूड खाने की आदत पड़ने लगी है। भले ही ऐसे भोजन को हेल्दी या केमिकल-फ्री बताया जाए, लेकिन कई बार ये प्रोसेस्ड फूड भी एलर्जी के मामलों में बढ़ोतरी का कारण बन सकते हैं।

सिरदर्द को हल्के में न लें

इंग्लैंड के गेट्सहेड में 21 साल की जेसिका केन को अचानक सिरदर्द हुआ है, वह पेनकिलर खाकर सोई और उसकी मौत हो गई। दरअसल, जेसिका को मेनिंगोकॉकल मेनिनजाइटिस और सेप्टिकैमिया नाम की बीमारी हो गई थी जिसने उसकी जान ले ली। दरअसल, ये एक ऐसा इंफेक्शन है जिसमें बैक्टीरिया खून में प्रवेश करता है और बड़ी तेजी से फैलने लगता है। यह बैक्टीरिया खून में टॉक्सिन्स रिलीज करने लगता है जो जानलेवा साबित हो सकता है।

हम में से बहुत से लोग ऐसे हैं जो अपने सिरदर्द, बहती नाक, छींक आना, हल्का बुखार जैसी दिक्कतों को हल्के में लेते हैं और उसके इलाज के बारे में भी नहीं सोचते। लेकिन ये लक्षण किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या की ओर भी इशारा करते हैं जिस पर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो यह आपके लिए बेहद हानिकारक और जानलेवा साबित हो सकता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं आखिर क्यों आपको सिरदर्द को भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। सिरदर्द भी कुछ गंभीर बीमारियों के संकेत हो सकता है।

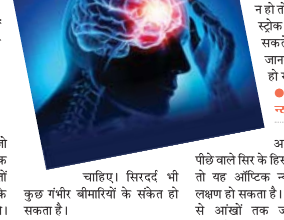

ब्लड क्लॉट

कई बार ब्रेन में अगर किसी तरह का ब्लड क्लॉट बन जाए तो उस वजह से भी हेडएक यानी सिरदर्द होने लगता है। अगर आपको कभी-कभार बहुत गंभीर सिरदर्द होने लगता है और दर्द बर्दाश्त के बाहर हो जाए तो आपको अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। अगर समय रहते इलाज न हो तो ये ब्लड क्लॉट स्ट्रोक में परिवर्तित हो सकते हैं जो जानलेवा भी साबित हो सकता है।

ऑप्टिक न्यूराइटिस

अगर आंखों के पीछे वाले सिर के हिस्से में दर्द हो रहा तो यह ऑप्टिक न्यूराइटिस का लक्षण हो सकता है। इसमें ब्रेन से आंखों तक जानकारी पहुंचाने वाली नसों को नुकसान पहुंचता है जिस वजह से देखने में दिक्कत होती है और कई बार विजिन लॉस भी हो सकता है।

माइग्रेन या ट्यूमर

लंबे समय तक सिरदर्द की समस्या है तो विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। यह माइग्रेन, ट्यूमर या नर्वस सिस्टम से जुड़ी दूसरी बीमारी भी हो सकती है। कभी-कभी ज्यादा दिनों तक सिरदर्द से संवेदी अंगों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है, जिससे इनकी कार्यक्षमता भी प्रभावित हो जाती है। सिरदर्द को लेकर भ्रम की स्थिति में कतई न रहें।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा पंजीकृत कार्यालय 201-205, 208-210 द्वितीय मंजिल, प्रताप भवन, 5 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष : 01169342500, 46035729 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. ए-8, सेक्टर 7, जिला गौतमबुद्धनगर- उत्तर प्रदेश, नोएडा 201, 301, फोन नंबर 0120-2470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक डॉ. देवेन्द्र सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।